हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार...

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 28 सितंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 214, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

'मन की बात' में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक को किया याद

बोले- आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। आकाशवाणी के अनुसार कार्यक्रम का यह एपिसोड 27 सितंबर को प्रसारित हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने एलओसी के पार जाकर आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवादी हमलों से लंबे समय तक मिले दर्द के खिलाफ भारत की निर्णायक प्रतिक्रिया के तौर पर याद किया। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना रुख स्पष्ट रखा है। उन्होंने कहा कि देश अब आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। मोदी ने 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट और 26/11 मुंबई हमले को भी याद किया। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में हुए 9/11 हमले के 25 साल पूरे होने का जिक्र करते हुए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

138वें एपिसोड में 2016 की सैन्य कार्रवाई, 9/11 हमले, अशोक सिंघल, मोढेरा सूर्य मंदिर और सुंदरबन की महिलाओं का किया उल्लेख

अशोक सिंघल की जन्मशती पर किया स्मरण : पीएम मोदी ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल को उनकी जन्मशती पर याद किया। उन्होंने कहा कि सिंघल का जन्म 27 सितंबर 1926 को आगरा में हुआ था और उन्होंने अपना जीवन सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यों के लिए समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंघल की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने इस आंदोलन को दिशा और ऊर्जा देने का काम किया।

मोढेरा सूर्य मंदिर का इतिहास बताया : प्रधानमंत्री ने गुजरात के मोढेरा स्थित प्रसिद्ध सूर्य मंदिर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि मंदिर का निर्माण 1025 ईस्वी में राजा भीमदेव के शासनकाल में हुआ था। उनके अनुसार, 1026 में गजनी के हमले के दौरान मोढेरा मंदिर को भी नुकसान पहुंचाया गया था। मोदी ने कहा कि आज मोढेरा अपनी ऐतिहासिक पहचान के साथ देश के पहले 'सोलर विलेज' के रूप में भी जाना जाता है।

जनगणना में सहयोग की अपील

प्रधानमंत्री ने जनगणना को नागरिकों का राष्ट्रीय दायित्व बताया। उन्होंने कहा कि देश में जनगणना की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और बड़ी संख्या में परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने लोगों से जनगणना से जुड़े कार्य में सहयोग करने की अपील की।

सुंदरबन की महिलाओं के प्रयासों का उल्लेख

'मन की बात' में पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र की झारखाली की महिलाओं के मैंग्रोव संरक्षण के प्रयासों की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इनमें कई महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने बाघ के हमले में अपने पति खोए हैं।

प्रधानमंत्री के मुताबिक, इन महिलाओं द्वारा लगाए जा रहे मैंग्रोव गांवों को प्राकृतिक सुरक्षा देने के साथ उनकी आजीविका का साधन भी बन रहे हैं।

आईडीए के लापरवाह अधिकारी, लगा 100 करोड़ का फटका

एजेंसी, इन्दौर

34 साल से चली आ रही ग्राम कुमेर्डी जमीन अधिग्रहण कार्रवाई निरस्त

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस संदीप एन. भट्ट की एकल पीठ द्वारा दिए एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद आइडीए के हाथ से लगभग 100 करोड़ की जमीन निकल गई। कोर्ट ने फैसला सुनाते करीब 34 साल से चली आ रही इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) की स्कीम-139 के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को निरस्त कर याचिका दायर करने वाले जमीन मालिकों को जमीन का उपयोग करने की स्वतंत्रता दे दी। मामला उज्जैन रोड स्थित सांवेर तहसील के ग्राम कुमेर्डी स्थित पुष्पाबाई कोठारी, घनश्यामदास और उनके पिता अंबादास कोठारी की सर्वे नंबर 36 की करीब 15 एकड़ जमीन का है जिसे आइडीए की स्कीम 139 में शामिल करने के लिए आइडीए ने 21 मई 1997 को योजना बनाने का प्रस्ताव पारित किया और 7 मई 1999 को ड्राफ्ट स्कीम प्रकाशित की तथा उसके बाद 3 अक्टूबर 2002 को अधिसूचना जारी कर आपत्तियों की सुनवाई पश्चात भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 23 नवंबर 2004 को अवॉर्ड पारित किया। इसे लेकर ही उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कोर्ट को बताया गया कि उन्हें आपत्ति रखने का अवसर नहीं मिला और आज तक मुआवजा नहीं मिला। वहीं, जबकि सुनवाई दौरान आइडीए ने दावा किया कि मुआवजा राशि जमा की जा चुकी थी और 2003 व 2005 में जमीन का कब्जा भी लिया गया। आईडीए द्वारा उक्त जमीन का कब्जा लिए जाने का यह विवाद सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका था जहां सुनवाई दौरान आएडीए के द्वारा पेश कथित कब्जा पंचनामा के गवाह रामप्रसाद ने हलफनामा देकर कहा था कि उन्होंने कुमेडीं की जमीन पर कब्जा लेने की कार्रवाई नहीं देखी और उनसे दूसरे स्थान की जमीन के संबंध में हस्ताक्षर कराए गए थे। हाईकोर्ट ने इस बयान को महत्वपूर्ण मानते अपने फैसले में कहा कि जब पंचनामा के स्वतंत्र गवाह ने ही तथ्यों से इनकार किया और याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर भी उस पर नहीं हो तो उसे निर्विवाद साक्ष्य नहीं माना जा सकता। ऐसे पंचनामा को कब्जा साबित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। वहीं कोर्ट ने यह भी माना कि रिकॉर्ड के अनुसार याचिकाकर्ता जमीन पर खेती कर रहे हैं और फसल भी खड़ी थी। कोर्ट ने अपने फैसले में इस पर भी गौर करते टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट के 10 फरवरी 2016 के आदेश के बाद याचिकाकर्ता ने आपत्तियां दाखिल की थीं, लेकिन लंबे समय तक इन पर अधिकारियों ने निर्णय नहीं लिया जिसके चलते अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण अधिग्रहण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। वहीं न तो कब्जा लेने का विश्वसनीय प्रमाण है और न याचिकाकर्ताओं को मुआवजा दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी अध्यक्ष नबीन दो दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचे, संगठनों की लेंगे बैठकें

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन रविवार से पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा शुरु किया और इस दौरान वह राज्य के नेताओं, पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों के साथ संगठन से कई बैठकें करेंगे। पार्टी की ओर से साझा किए गए कार्यक्रम के मुताबिक नबीन सुबह न्यू टाउन स्थित बिस्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में पीएम मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुनी। इसके बाद नबीन राज्य के पदाधिकारियों, विभाग संयोजकों, राज्य मोर्चा अध्यक्षों, सांसदों, जिला प्रभारियों और जिला अध्यक्षों के साथ संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में पार्टी की आईटी, मीडिया और सोशल मीडिया गतिविधियों की जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारी भी शामिल होंगे। बीजेपी अध्यक्ष राज्य के सांसदों और विधायकों के साथ भी बैठक करेंगे। इसमें संगठन से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और पार्टी संगठन के बीच समन्वय पर चर्चा होगी। इसके बाद नबीन राज्य के कोर ग्रुप के सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बीजेपी अध्यक्ष शाम को प्रमुख हस्तियों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ भी बातचीत करेंगे। यह दौरा बीजेपी की पश्चिम बंगाल इकाई द्वारा अपने संगठनात्मक ढांचे में फेरबदल की घोषणा के कुछ दिनों बाद हो रहा है। इस फेरबदल में बीजेपी के महिला और युवा मोर्चों के नेतृत्व के साथ-साथ सात संगठनात्मक जिलों में भी बदलाव किए गए हैं।

गुजरात के साबरमती से देश को मिली पहली एलएनजी ट्रेन की सौगात, अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, अहमदाबाद । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के साबरमती से देश की पहली एलएनजी-डीजल डुअल-फ्यूल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात में 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ भी किया। रेलवे ने कहा कि साबरमती से भारतीय रेल में आज से हरित ऊर्जा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वैकल्पिक ईंधन और आधुनिक रेल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इस ट्रेन में एलएनजी(द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) और डीजल दोनों ईंधनों का उपयोग किया जा सकता है। साबरमती इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो में 1,400 हॉर्सपावर क्षमता वाली दो ड्राइविंग पावर कारों को डुअल-फ्यूल प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। रेलवे के अनुसार यह प्रणाली लगभग 40 प्रतिशत तक डीजल की जगह एलएनजी का उपयोग कर सकती है। इस सेवा को शुरू करने से पहले इसका 2,000 किलोमीटर से अधिक का फील्ड ट्रायल भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया।

चुनाव आयोग को लेकर राहुल गांधी व विपक्षी नेताओं की गतिविधियां देशद्रोह से कम नहीं : रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और नेताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की बातें देशद्रोह से कम नहीं है। इनके ऊपर देशद्रोह का केस लगना चाहिए। मुख्यमंत्री ने रविवार को जनसेवा सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में विपक्षी नेताओं के लगाए जा रहे अनर्गल आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस पारदर्शिता के साथ चुनाव आयोग अपनी प्रक्रिया और निर्णयों को जनता के सामने रख रहा है, क्या विपक्ष के शासनकाल में चुनाव आयोग इसी प्रकार पारदर्शी तरीके से काम करता था ? उन्होंने कहा कि मात्र एक अखबार में प्रकाशित खबर के आधार पर बेबुनियाद माहौल पैदा करना क्या विपक्ष को शोभा देता है? चुनाव आयोग ने एक-एक विषय को पूरी पारदर्शिता के साथ जनता के सामने रखा और स्पष्ट किया है कि निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार सभी को है, लेकिन सवाल तथ्यों के आधार पर होने चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप लगाकर किसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाना उचित नहीं है।

तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में उमड़ी भीड़, समुद्र तट पर जलाए दीपक, चंद्रमा की पूजा की

एजेंसी, तिरुचेंदूर

तमिलनाडु के तिरुचेंदूर में स्थित तिरुचेंदूर अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। रविवार होने से हजारों भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। मंदिर में शनिवार को पूर्णिमा पर भी लोगों की भीड़ पहुंची। मंदिर के पास समुद्र तट पर जमा हुए भक्तों ने रेत पर बैठकर दीपक जलाए और चंद्रमा की पूजा की। कई लोग पूर्णिमा की रस्म के तहत रात भर मंदिर के पास समुद्र तट पर ही रुके रहे। रविवार को छुट्टी होने के कारण भी मंदिर में भक्तों की भीड़ रही है। तिरुचेंदुर मंदिर भगवान मुरुगन के छह पवित्र स्थानों में से एक है। इस मंदिर की एक खास बात यह है कि यह भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह वही पवित्र स्थान है जहां भगवान मुरुगन ने देवताओं के देवसेनापति का रूप धारण किया और असुर का वध करके बुराई पर विजय प्राप्त की थी। तब से तमिल लोग स्कंद षष्ठी के दौरान इसे एक वार्षिक उत्सव के रूप में मनाते हैं। संगम साहित्य और शिलप्पदिकारम में उल्लिखित यह मंदिर करीब 2000 साल पुराना माना जाता है। यह समुद्र तट पर स्थित मंदिर भगवान मुरुगन को समर्पित है। जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, उसे पहले तिरुचिरलाईवाई के नाम से जाना जाता था। मंदिर का शिखर 157 फीट ऊंचा है और इसमें नौ मंजिलें हैं। सुरपद्मन पर विजय प्राप्त करने के बाद, भगवान मुरुगन ने अपनी जीत के लिए आभार व्यक्त करने के लिए भगवान शिव की पूजा की थी। यहां मुरुगन की प्रतिमा के दाहिने हाथ में कमल का फूल सुशोभित है। वे शिव योगी की तरह अपने सिर पर जटा-मुकुट भी धारण किए हुए हैं पिछले कुछ सालों से श्रद्धालु पूर्णिमा के दिनों में यहां बड़ी संख्या में आ आते हैं। वे पूरी रात मंदिर के समुद्र तट पर रुकते हैं, दीपक जलाते हैं और चंद्रमा की पूजा करते हैं।

गुवाहाटी में सीजेपी के आशुतोष रांका और उनकी टीम को पुलिस ने लिया हिरासत में

एजेंसी, गुवाहाटी । असम पुलिस ने रविवार को गुवाहाटी में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के को-कंवेनर आशुतोष रांका और संगठन के कई अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई संगठन की पहली क्षेत्रीय स्वयंसेवक बैठक के असम सचिवालय के पास शुरू होने से ठीक पहले की गई। सीजेपी नेताओं ने बताया कि आशुतोष रांका, अंकित भारद्वाज और प्रेम आकाश समेत संगठन के बड़े नेताओं और असम के स्वयंसेवकों को पुलिस हिरासत में लेकर किसी जगह पर गयी है। आरोपों में कहा गया है कि पुलिस ने सुबह से ही कार्यक्रम स्थल तक जाने का रास्ता रोक दिया था, जिससे स्वयंसेवक पहाड़ी पर बनी मीटिंग की जगह तक नहीं पहुंच पाए। संगठन ने दावा किया है कि पूरे इलाके से लगभग 200-300 स्वयंसेवकों को एक साथ लाने की योजना बनाई गयी थी। उल्लेखनीय है कि, विधायक अखिल गोगोई की अगुवाई वाली 'राइजर दल' के नेताओं की गुवाहाटी में रांका समेत सीजेपी के अन्य नेताओं के साथ शनिवार को एक बैठक हुई थी। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें असम में हालिया बाढ़ और राज्य में अपनी गतिविधियों को बढ़ाने की सीजेपी की योजनाएं शामिल थीं।

जालंधर : एलपीयू में देर रात छात्रों का हंगामा, तोड़फोड़ और आगजनी से मचा बवाल

एजेंसी, जालंधर : लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में शनिवार देर रात छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। गर्ल्स हॉस्टल में दुष्कर्म से जुड़ा एक मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद छात्रों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जुट गए और हंगामा शुरू हो गया। प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। छात्रों ने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें साझा कर मामले को लेकर नाराजगी जताई। हंगामे के कारण अमृतसर-दिल्ली हाईवे पर भी यातायात प्रभावित हुआ और सड़क जाम हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाकर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। छात्रों की शिकायत के बाद जी-3 हॉस्टल में रहने वाली एक छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डीआईजी नवीन सिंगला ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि छात्रों ने एफआईआर की कॉपी मिलने के बाद हाईवे खोलने की बात कही है। हालांकि, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दुष्कर्म के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। प्रशासन ने छात्रों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी प्रदर्शन या धरने में शामिल न हों।

रायपुर में तिहरा हत्याकांड: पति ने पत्नी और दो बच्चों की चाकू मारकर हत्या की

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के डुमरतराई स्थित साहूपारा में देर रात सनसनीखेज तिहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। माना थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर चरित्र पर संदेह के चलते अपनी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से हमला कर आत्महत्या की कोशिश की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, बालोद निवासी भुनेश्वर साहू साहूपारा में परिवार के साथ किराए के मकान में रहता था। देर रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर पहले अपनी पत्नी खिलेश्वरी साहू पर चाकू से हमला किया। इसके बाद उसने अपने दोनों बच्चों आशीष साहू (10) और ज्ञान साहू (8) पर भी वार कर दिया। गंभीर चोटों के कारण तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी और दोनों बच्चों पर हमला करने के बाद आरोपी ने खुद पर चाकू से वार कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल आरोपी को हिरासत में लेकर उपचार के लिए अंबेडकर अस्पताल भेजा। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा भेज दिया है। घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस आसपास रहने वाले लोगों और पड़ोसियों से भी पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि पति-पत्नी के बीच विवाद की वास्तविक वजह क्या थी और किन परिस्थितियों में आरोपी ने पत्नी और बच्चों पर हमला किया। पुलिस चरित्र पर संदेह समेत सभी संभावित कारणों को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

बंगाल को जनता ने बचा लिया... वरना परिस्थितियां और गंभीर हो सकती थी

- सीएम सुवेंदु अधिकारी ने एक कार्यक्रम में ये कहा

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य के बीते राजनीतिक माहौल का जिक्र कर कहा कि एक समय उन्हें अपने बुजुर्ग माता-पिता को ओडिशा भेजने तक की तैयारी करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि जनता ने राज्य को बचा लिया, वरना परिस्थितियां और गंभीर हो सकती थीं। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने यह बात कोलकाता स्थित नेशनल लाइब्रेरी में आयोजित राम-शरद कोठारी प्रतिभा सम्मान समारोह में कही। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने बताया कि उनके पिता की उम्र 90 और मां की उम्र 80 वर्ष से अधिक है। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें आशंका थी कि राजनीतिक संघर्ष के दौरान उन्हें जेल जाना पड़ सकता है और किसी अप्रिय स्थिति में अपने माता-पिता को सुरक्षित स्थान पर भेजना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अभी राज्य में काफी काम होना बाकी है। यह कार्यक्रम अयोध्या में पुलिस की गोली से मारे गए राम और शरद कोठारी की स्मृति में आयोजित किया गया था। सीएम अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार कोठारी बंधुओं के नाम पर कई स्मृति पहल शुरू करने पर विचार कर रही है। इसमें पश्चिम बंगाल में सड़क का नामकरण और विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में उनके नाम से पुरस्कार शुरू करना शामिल है। गौ संरक्षण पर भी दिया जोर मुख्यमंत्री सुवेंदु ने राज्य में गौ संरक्षण को लेकर भी अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में गौहत्या की अनुमति नहीं देने वाले है। साथ ही उन्होंने गौ संरक्षण के लिए काम करने वाले संगठनों से अधिक संख्या में गौशालाएं स्थापित करने की अपील की और सरकारी सहायता का पूरा आश्वासन दिया।

दलित-आदिवासी सम्मान बैठक बुलाएगी कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली । कांग्रेस ने 29 सितंबर को दिल्ली में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक बुलाने की घोषणा की है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उत्तराखंड के हल्द्वानी दौरे के बाद हुई कथित शुद्धिकरण घटना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों के खिलाफ हो रहे अत्याचार तथा ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद, पूर्व सांसद, कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्री, विधायक तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में तेलंगाना के नागरकुरनूल से सांसद डॉ. मल्लू रवि ने बताया कि 29 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे संविधान क्लब के मावलांकर हॉल में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद हुई कथित शुद्धिकरण घटना पर चर्चा करना है। यह केवल खरगे का नहीं बल्कि पूरे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय का अपमान था।

एसआईआर को लेकर लिया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे?

एजेंसी, नई दिल्ली । हैदराबाद सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर मतदाता सूची के एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर के खिलाफ रहे हैं और इसे बैकडोर एनआरसी मानते हैं। ओवैसी ने चुनाव आयोग के भीतर फैसले लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। हैदराबाद में ओवैसी ने कहा कि मैं शुरू से एसआईआर का विरोध करता रहा हूं। मेरा मानना है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे? सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा। ओवैसी ने हाल में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए सवाल किया कि आयोग के फैसले किस तरह लिए गए। उन्होंने कहा कि देश को बताया जाना चाहिए कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए? ओवैसी ने दो चुनाव आयुक्तों की ओर से दर्ज आपत्तियों का जिक्र करते हुए पूछा कि अगर कुछ फैसले बहुमत के आधार पर नहीं हुए तो उनकी कानूनी स्थिति क्या होगी?

संक्षिप्त समाचार

सेवा दिवस पर रक्तदान और पौधारोपण से दिया मानवता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पटना। भारतीय लोकमंच पार्टी ने रविवार को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए मानव सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष साधु शरण पांडेय ने पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। वहीं राष्ट्रीय प्रधान महासचिव एवं अभिनेता कुणाल सिकंद ने रक्तदान किया। उन्होंने बिहार संगीत नाटक अकादमी स्थित प्रेमचंद राजकीय रंगशाला परिसर में पौधारोपण भी किया। पार्टी नेताओं ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है, जबकि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण में योगदान देता है। लोकमंच ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक माह की 27 तारीख को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान रक्तदान, पौधारोपण, सामाजिक सहायता एवं जनकल्याण से जुड़े अभियान चलाए जाएंगे। पार्टी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य संस्थापक एवं पूर्व सांसद अमर सिंह के सेवा, संघर्ष और समाजहित के विचारों को आगे बढ़ाना है। लोकमंच ने लोगों से मानव सेवा के साथ प्रकृति संरक्षण में भी भागीदारी की अपील की।

सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में सुशासन और सुरक्षा को नई मजबूती : महाचंद्र

पटना। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार द्वारा कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे कदमों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपराध और अवैध गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ काम कर रहे हैं।डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी हर छोटी-बड़ी घटना की स्वयं समीक्षा कर रहे हैं। सूचना तंत्र मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई का निर्देश उनकी गंभीरता को दर्शाता है। जमुई जैसी घटना में त्वरित जांच और कार्रवाई सरकार की संवेदनशीलता को दिखाती है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से बच नहीं सकता। अपराधी की कोई जाति नहीं होती और उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।डॉ. सिंह ने कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को हर घटना को राजनीतिक अवसर बनाने के बजाय बिहार के हित में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करना और सरकार पर आरोप लगाना आसान है, लेकिन जनता सरकार की कार्रवाई देख रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है—बिहार में कानून का राज मजबूत करना, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और विकास की गति को तेज करना। सरकार राजनीतिक बयानबाजी के बजाय जमीन पर काम करने में विश्वास करती है।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के आत्मीय शब्दों ने जीता दिल

» दिव्यांग शिक्षक से मिलकर शिक्षा मंत्री ने जाना हालचाल, आत्मीय संवाद का भावुक क्षण बना आकर्षण का केंद्र

पटना। पटना के रवीन्द्र भवन में योजित 14वें शिक्षक सम्मान समारोह 2026 के दौरान एक ऐसा आत्मीय और भावुक क्षण देखने को मिला, जिसने समारोह में मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के उपरांत मंच से लौटते समयशिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की नजर नालंदा स्थित सरस्वती शिशु विद्या निकेतन के संचालक संजीव कुमार पर पड़ी। संजीव कुमार जी दिव्यांग हैं। शिक्षा मंत्री स्वयं उनके पास पहुंचे और आत्मीयता के साथ उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने कुछ देर उनसे बातचीत भी की। शिक्षा मंत्री के इन शब्दों ने संजीव कुमार को भावुक कर दिया। आसपास मौजूद लोग भी इस आत्मीय संवाद के साक्षी बने। यह क्षण समारोह के दौरान मानवीय संवेदना, सम्मान और अपनत्व की एक सुंदर मिसाल के रूप में सामने आया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का यह व्यवहार इस बात को दशार्ता है कि सार्वजनिक जीवन में पद और दायित्व के साथ मानवीय संवेदना एवं व्यक्ति के प्रति सम्मान का भाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति की शारीरिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, समर्पण और मानवीय गरिमा महत्वपूर्ण है। शिक्षा मंत्री द्वारा संजीव कुमार जी के प्रति प्रदर्शित आत्मीयता ने समारोह के माहौल को भावुक बना दिया और यह मुलाकात कार्यक्रम की यादगार तस्वीरों में शामिल हो गई।

दीपनारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान में विश्वविद्यालय कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पटना। दीपनारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना में 20 सितम्बर से 26 सितंबर, 2026 तक राज्य के चार विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए कार्यालय प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय, पटना तथा ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुल 55 कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बिहार सेवा संहिता, बजट, लेखा एवं प्रशासनिक कार्यवाही सहित कार्यालय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। वित्त विभाग, मुख्य जाँच आयुक्त निदेशालय तथा बिहार लोक भवन के वरीय पदाधिकारियों ने प्रशिक्षणदाता के रूप में अपनी भूमिका निभाई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की बेहतर जानकारी देना तथा उनकी कार्यदक्षता बढ़ाना है। अगले प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए द्वितीय बैच के प्रतिभागियों का चयन किया जा रहा है। उनका प्रशिक्षण 5 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा।

पुस्तकालयाध्यक्ष पात्रता परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी

पटना।बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने पुस्तकालयअध्यक्ष पात्रता परीक्षा 2026 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए डॉ त्यागराजन एसएम, अध्यक्ष, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने बताया कि इस पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 04 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच लिए जाएंगे, जिसके लिए वेबसाइट निर्धारित है। पात्रता परीक्षा में कुल 150 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें 100 अंक पुस्तकालय विज्ञान विषय तथा 50 अंक सामान्य ज्ञान पर आधारित होंगे। परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट यानी सीबीटी मोड में ली जाएगी, जो 150 मिनट अर्थात ढाई घण्टे की होगी। विद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष पात्रता परीक्षा के प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। आवेदक बिहार के निवासी होंगे। सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को उम्र सीमा में 10 वर्ष की छूट मिलेगी। 45% अंकों (कुछ वर्गों में 05 प्रतिशत की छूट) के साथ स्नातक की डिग्री के साथ मान्यता प्राप्त विश्यविद्यालय से पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। राज्य के मान्यता प्राप्त विश्विद्यालयों में पुस्तकालय विज्ञान की स्नातक डिग्री हेतु लागू पाठ्यक्रम है। विद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष पात्रता परीक्षा, 2026 के लिए न्यूनतम सफल अंक में सामान्य 50% अंक,. पिछड़ा वर्ग के लिए 45.5% अंक, अत्यंत पिछड़ा वर्ग - 42.5% अंक तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 40% अंक,. दिव्यांग - 40% अंक तथा महिला - 40% अंक निर्धारित है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एस0आई0आर0) को लेकर विपक्ष के आरोप तथ्यहीन एवं बेबुनियादः मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

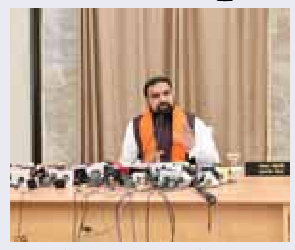

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' कक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बिहार में कराये गये विशेष गहन पुनरीक्षण (एस०आई०आर०) को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर स्थिति स्पष्ट करते हुये कहा कि बिहार में एस०आई०आर० की प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं पारदर्शी तरीके से पूरी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 24 जून 2025 से 25 जुलाई 2025 तक एस०आई०आर० की प्रक्रिया चली। एस०आई०आर० के दौरान मतदाता सूची में शामिल नामों का सत्यापन किया गया। उन्होंने कहा कि एस०आई०आर० के दौरान मृत व्यक्तियों, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके लोगों तथा एक से अधिक स्थानों पर दर्ज मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों का सत्यापन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों की पात्रता को लेकर कोई समस्या थी, उनके लिए दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की पूरी व्यवस्था उपलब्ध रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में जब श्रीमती राबड़ी देवी जी मुख्यमंत्री थीं तब एस०आई०आर० कराया गया था और फिर जब वर्ष 2025 में श्री नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री थे उस समय एस०आई०आर० कराया गया। एस०आई०आर० के नाम पर विपक्ष भ्रम फैला रहा है। विपक्षी नेताओं के पास कोई फैक्ट नहीं है, सिर्फ आरोप लगा रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने 2003 की मतदाता सूची को ऑनलाइन उपलब्ध कराया था, ताकि वर्तमान एस०आई०आर० में पात्र मतदाता अपने पुराने विवरण का सत्यापन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एस०आई०आर० की प्रक्रिया के दौरान निर्धारित दस्तावेजों के आधार पर मतदाता विवरण का सत्यापन किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद आधार कार्ड को भी पहचान संबंधी दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि आधार पहचान स्थापित करने के लिए स्वीकार्य है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा एस०आई०आर० को लेकर उठाए गए सवालों का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा संबंधित मामलों पर स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं है अथवा किसी प्रकार की वास्तविक शिकायत है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे सामने लाया जाना चाहिए। अभी तक इस तरह की कोई शिकायत नहीं आयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन उन्हें तथ्य और प्रमाण के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव संबंधी किसी शिकायत के लिए निर्वाचन आयोग के साथ-साथ न्यायिक व्यवस्था भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि एस०आई०आर० की प्रक्रिया बिहार के सभी क्षेत्रों में निर्धारित नियमों के तहत पूरी की गई है। उन्होंने विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को तथ्यहीन बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचन आयोग और न्यायालय महत्वपूर्ण संस्थाएं हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ तेजस्वी की अमर्यादित भाषा मानसिक दिवालियापन का प्रतीक : जदयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता चंदन कुमार सिंह ने तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग जैसी सांविधानिक संस्था के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग उनके मानसिक दिवालियापन का उदाहरण है। चुनाव आयोग के खिलाफ तेजस्वी यादव ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है उसे कभी स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि खुद को सुर्खियों में बनाए रखने के लिए आरजेडी नेता मीडिया में इस तरह की ओछी बयानबाजी करते हैं।उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की राजनीति में एक बात साफ तौर पर दिखाई देती है, जब संस्थाएं उनके राजनीतिक नैरेटिव के अनुसार दिखाई देती हैं तो सब ठीक, लेकिन जब संवैधानिक प्रक्रिया उनके मन मुताबिक नहीं होती तो संस्थाओं की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि विपक्ष के नेताओं के लिए शायद लोकतंत्र का अर्थ ही यह रह गया है कि फैसला पसंद आए तो संस्था निष्पक्ष और फैसला पसंद न आए तो संस्था कठघरे में। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को चुनाव आयोग पर सवाल उठाने हैं तो प्रमाण और तथ्य के साथ उठाने चाहिए, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर कटाक्ष करके राजनीतिक सुर्खियां बटोरने की कोशिश लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत नहीं करती। उन्होंने कहा कि देश की जनता सब देख और समझ रही है। जनता को यह भी मालूम है कि कौन लोकतांत्रिक संस्थाओं की मयार्दा की बात करता है और कौन राजनीतिक असहमति को संस्थाओं पर ओछी बयानबाजी में बदल देता है। उन्होंने विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करने की बजाय उन्हें अपने राजनीतिक कार्यक्रम, नीतियों और जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार सबको है, लेकिन सवाल पूछने और संस्थाओं का मजाक बनाने के बीच की मयार्दा भी समझनी होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 138वें एपिसोड के लिए उनका हृदय से आभार : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित 'नेक संवाद' सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें संस्करण के लाइव प्रसारण में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की 10वीं वर्षगांठ, श्रद्धेय अशोक सिंहल जी की जन्म शताब्दी, जनगणना में जनभागीदारी, विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्त युवा अभियान, ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, आंवला आधारित रोजगार एवं महिला सशक्तीकरण तथा स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' के 138वें एपिसोड के लिए उनका हृदय से आभार जताते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की 'मन की बात' सदैव देशवासियों को राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी और सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करती है। उनके प्रेरक विचारों से बिहार सहित पूरे देश को नई ऊर्जा और दिशा मिलती है।

पास के सरकारी विद्यालय का पालक बनें निजी स्कूल संचालक : शिक्षा मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि निजी विद्यालय संचालक अपने आसपास के किसी एक सरकारी विद्यालय का पालक बनकर उसके शैक्षणिक और आधारभूत विकास में सहयोग करें। सरकारी और निजी विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय से बिहार की स्कूली शिक्षा को और मजबूत बनाया जा सकता है। श्री तिवारी रविवार को पटना के रवीन्द्र भवन में प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित 14वें शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। समारोह की खास विशेषता यह रही कि निजी विद्यालयों के करीब दो हजार शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शिक्षा मंत्री के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 138वें संस्करण का श्रवण किया। इस दौरान शिक्षकों ने प्रधानमंत्री के विचारों और संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में निजी विद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। करीब तीन दशक पहले जब राज्य की स्कूली शिक्षा कई चुनौतियों से गुजर रही थी, तब निजी विद्यालयों ने शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राज्य सरकार और शिक्षा विभाग निजी विद्यालयों के प्रति संवेदनशील हैं। श्री तिवारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निजी विद्यालय संचालकों से जुड़े वैधानिक कार्यों का समय पर और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निजी विद्यालय संचालकों से भी सरकार और शिक्षा विभाग के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ उनमें संस्कार, नवाचार और नेतृत्व की भावना विकसित करना भी जरूरी है। इसके लिए सरकारी और निजी विद्यालयों के बीच सहयोग और संवाद को और मजबूत करने की आवश्यकता है। शिक्षा मंत्री ने अपनी पहल हमारा विद्यालय, हमारा स्वाभिमान का उल्लेख करते हुए कहा कि जो लोग सरकारी विद्यालयों में पढ़कर आगे बढ़े हैं, वे अपने पुराने विद्यालयों से जुड़कर उनके विकास में योगदान दें। निजी विद्यालय संचालक भी अपने आसपास के सरकारी विद्यालयों को सहयोग देकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद, फैज अहमद, सुरेश सिंह सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए निजी विद्यालयों के संचालक एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

बिहार की गौरवशाली विरासत को विकास की शक्ति बनाने पर मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत विकास परिषद, दक्षिण बिहार प्रांत की ओर से रविवार को ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, गांधी मैदान, पटना में गौरवशाली बिहार विरासत से विकास, विकसित बिहार - विकसित भारत @ 2047 में युवाओं की भूमिकाह्वविषय पर कार्यशाला, संवाद एवं विचार-विमर्श का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथिभारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयलथे। न्यायमूर्ति गोयल राष्ट्रीय हरित अधिकरण के पूर्व अध्यक्ष भी रहे हैं। कार्यक्रम में न्याय, शिक्षा, प्रशासन, पुलिस, इंजीनियरिंग, सामाजिक सेवा, उद्योग-व्यवसाय और स्वयंसेवी संगठनों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ेलगभग 70 प्रबुद्ध नागरिकों और विशेषज्ञोंने भाग लिया। अपने संबोधन और प्रतिभागियों के साथ संवाद मेंन्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयलने बिहार की प्राचीन ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिहार के पास नालंदा और विक्रमशिला जैसी विश्वप्रसिद्ध ज्ञान परंपराओं, आर्यभट्ट जैसे महान विद्वानों, लोकतांत्रिक और आध्यात्मिक परंपराओं तथा सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना की मजबूत नींव है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागतभारत विकास परिषद, क्षेत्रीय अध्यक्षा की क्षेत्रीय अध्यक्ष सुमन सिंहने किया। कार्यशाला के विषय की भूमिकाप्रो. अनिल कुमारने प्रस्तुत की। उन्होंने विकसित भारत @ 2047 के संदर्भ में बिहार की भूमिका और आगे की कार्ययोजना पर भी अपने विचार रखे।कार्यक्रम के अंत मेंभारत विकास परिषद के पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय महासचिव डॉ. बाल्मीकि प्रसादने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों, परिषद के पदाधिकारियों, कार्यकतार्ओं और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस संवाद से निकले विचारों को आगे भी विमर्श और कार्ययोजना से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकतार्ओं की सक्रिय भूमिका रही। आयोजन एवं समन्वय मेंडॉ बाल्मीकि कुमार, उमेश कुमार विद्यार्थी, डॉ सत्य प्रकाश तिवारी, मुकेश कुमार, सुमन सिंह, प्रो. अनिल कुमार, तोषणमैतिन,अमित बैट्स,जेके सिन्हा, डॉली सिंह, इंदु सिंघासानिया, मीनाक्षी स्वराज, संजय, राजेश, डॉ. मनोज, डॉ बालकृष्ण सहाय, डॉ मिनाक्षी स्वराज, इंदु सिंघानिया तथा सत्यं, गार्गी और शास्त्रीनगर शाखाओं के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने सहयोग दिया।

शिक्षकों के हित एवं अधिकारों के प्रति एनडीए सरकार हमेशा से संवेदनशील रही : उमेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को सिवान में सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी आनंद पुष्कर के समर्थन में आयोजित शिक्षक संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने एनडीए की विकास की नीतियों एवं शिक्षक हित में किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए प्रथम वरीयता का मत आनंद पुष्कर को देने और उन्हें ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। श्री कुशवाहा ने कहा कि शिक्षक वर्ग हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गढ़ने वाला तथा समाज, राज्य और देश के निर्माण में महती योगदान देने वाला प्रबुद्ध वर्ग रहा है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार शुरू से ही शिक्षकों के हितों से जुड़े विषयों एवं उनकी प्राथमिकताओं को लेकर संवेदनशील रही है। इसी नीति को अब मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी तेजी से आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में टीआरई-1, टीआरई-2, टीआरई-3 एवं प्रधानाध्यापकों की बहाली के माध्यम से 3 लाख 11 हजार 466 शिक्षकों की नियुक्ति हुई है और टीआरई-4 के तहत शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था की जर्जर स्थिति किसी से छिपी नहीं है। नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 में बिहार की बागडोर संभालने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन किए। राजकीय विश्वविद्यालयों की संख्या 10 से बढ़कर 21 हो गई है। इसके अलावा 4 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 8 निजी विश्वविद्यालय खुले हैं। राज्य के युवाओं को स्किल्ड बनाने के लिए जननायक कपूर्री ठाकुर के नाम पर कौशल विकास विश्वविद्यालयह्व की स्थापना की गई है। बीते दिनों राज्य कैबिनेट ने बेगूसराय में रामधारी सिंह दिनकर विश्वविद्यालय और पटना में माता सीता विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है। इसके अलावा मधुबनी, सिवान, नवादा, पटना और औरंगाबाद में 5 नए निजी विश्वविद्यालयों को स्वीकृति दी जा चुकी है।

गंडक नदी के जल अधिग्रहण क्षेत्र में प्रवृति बढ़ने की है : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया कि नेपाल में गंडक नदी के जल अधिग्रहण क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में वर्षापात सामान्य से काफी अधिक रहा। वर्तमान में गंडक नदी पर स्थित वाल्मीकिनगर बराज पर 27 सितंबर 2026 के 11 बजे पूर्वाह्न में 4,24,000 क्यूसेक जलश्राव प्रवाहित हुआ एवं इसकी प्रवृति बढ़ने की है। उक्त प्रवाहित जलश्राव के आलोक में सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकिनगर बराज से लगभग 80 कि.मी. ऊपर नेपाल के देवघाट गेज स्थल पर दर्ज अभी के जलस्तर के अनुरूप वाल्मीकिनगर बराज पर लगभग 5 लाख क्यूसेक या उससे अधिक जलश्राव शाम तक आने की संभावना है। ज्ञातव्य है कि यह जलश्राव वर्ष 2024 के अधिकतम जलश्राव 5,62,500 क्यूसेक की तुलना में कम रहने की संभावना है, लेकिन फिर भी विभाग द्वारा सतत् निगरानी एवं चौकसी बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि तटबंधों के बेहतर पर्यवेक्षण हेतु गंडक नदी के दोनों तटबंधों पर अतिरिक्त अभियंताओं की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी अभियंताओं को 24 घंटे अलर्ट मोड में रहते हुए लगातार चौकसी एवं निगरानी बरतने के निदेश दिये गये हैं। उन्होंने अभियंताओं को निदेश देते हुए कहा कि इस संबंध में बरती जाने वाली किसी भी प्रकार की शिथिलता को अक्षम्य मानते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल गंगा नदी का जलस्तर कम रहने के कारण गंडक नदी के जल की निकासी गंगा में सुचारू रूप से होने की स्थिति बन रही है, जिससे व्यापक रूप से जल-जमाव या गंभीर बाढ़ का खतरा नहीं होने की संभावना प्रतीत होती है। वैसे प्रकृति की स्थिति का शत-प्रतिशत पूवार्नुमान कठिन है परंतु वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बिल्कुल घड़बराएँ नहीं, केवल सतर्क और सजग रहने की जरूरत है।

शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना बिहार के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी : सुमन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, रोजगारपरक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सरकारी विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा को अनिवार्य करने की दिशा में योजना तैयार करने का निर्देश स्वागतयोग्य है। डिजिटल युग में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ तकनीकी ज्ञान देना समय की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण का विस्तार बिहार के विद्यार्थियों को बदलती दुनिया की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।डॉ. सुमन ने कहा कि शिक्षा और रोजगार एक-दूसरे के पूरक हैं। बिहार में 32,388 विद्यालय अध्यापकों की नियुक्ति के लिए टीआरई 4.0 की प्रक्रिया आगे बढ़ना युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर है। इनमें प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक के पद शामिल हैं। साथ ही राज्य में उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए निजी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहित करने की पहल से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे बिहार में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर विकसित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की नई पीढ़ी को अवसरों के लिए बिहार से बाहर जाने के बजाय बिहार में ही बेहतर शिक्षा और रोजगार का वातावरण मिले, यही सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। स्कूलों में तकनीकी शिक्षा, शिक्षकों की नियुक्ति, उच्च शिक्षा का विस्तार और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में हो रहे प्रयास इसी व्यापक लक्ष्य का हिस्सा हैं। डॉ. सुमन ने कहा कि शिक्षा में निवेश केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर बिहार की नींव मजबूत करने वाला निवेश है। सरकार, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण तैयार करें तो बिहार के युवा देश और दुनिया में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता ही सेवा है स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का संकल्प

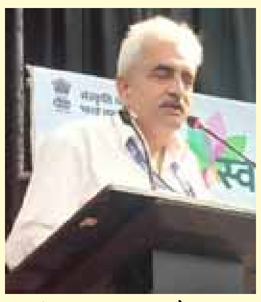

पटना।प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से 'स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने स्वच्छता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि "महात्मा गांधी जी ने कहा था - स्वच्छता ईश्वर के बराबर है। यदि हम अपने घर, गली और समाज को साफ रखेंगे तो देश अपने आप स्वस्थ और सशक्त बनेगा। स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं, यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है।" उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे 'स्वच्छता ही सेवा' को केवल नारा नहीं, बल्कि दैनिक आदत बनाएं। अपने आस-पास कचरा न फैलाएं, प्लास्टिक का उपयोग कम करें और दूसरों को भी जागरूक करें। इस अवसर पर प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने भी स्वच्छता शपथ ली और अपने-अपने गांव/मोहल्ले में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया।

वी ने फ्री इंटरनेशनल रोमिंग के साथ यात्रा का अनुभव बदला

पटना।अपने ब्राण्ड के नए वादे "वी पे सब हैं वीआईपी" को ग्राहकों के लिए वास्तविकता बनाते हुए, वी ने आज एक शानदार ऑफ़र की घोषणा की है। इसके तहत मुख्य पोस्टपेड, प्रीपेड और एंटरप्राइज़ प्लान्स के साथ फ्रीइंटरनेशनल रोमिंग की सुविधा मिलेगी। इस बेहतरीन ऑफ़र के साथ अब, ग्राहक और उनके परिवारजन दुनिया भर के 170 से ज्यादा देशों में यात्रा के दौरान मुफ़्त में कनेक्टेड रह सकेंगे। इस नई पेशकश का लॉन्च करते हुए, वी के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अवनीश खोसला ने कहा, "वी के लिए, 'वी पे सब हैं वीआईपी' सिर्फ़ एक कैंपेन नहीं है। यह एक वादा है जिसके ज़रिए हम सबको एक साथ लेकर चलने का प्रयास कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाना इस दिशा में पहला कदम है। यह सरल और महत्वपूर्ण बदलाव है जिसके द्वारा आपको 'यात्रा के दौरान रोमिंग खरीदने की ज़रूरत नहीं होगी' इसके बजाए आपका 'वी नंबर आपके साथ मुफ़्त में यात्रा करेगा।' और 'वी पे सब हैं वीआईपी' के यही मायने हैं। वी ने अब अपने प्लान्स में फ़्री इंटरनेशनल रोमिंग को शामिल किया है, जिससे सभी उपभोक्ता बिना कीसी रूकावट के चिंता मुक्त इंटरनेशनल कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकते हैं।

विश्व हृदय दिवस से पूर्व विशेषज्ञों ने किया जागरूक

» CSI बिहार चैप्टर ने प्रेस कांफ्रेंस में हृदय रोग से बचाव और इलाज की दी जानकारी

पटना। विश्व हृदय दिवस से पूर्व कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (CSI) बिहार चैप्टर की ओर से पैनाश-कौटिल्य होटल में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। इसमें राज्य के प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञों ने हृदय रोग की पहचान, कारण, बचाव और आधुनिक उपचार की जानकारी दी। CSI बिहार चैप्टर के अध्यक्ष एवं पटना एम्स के कार्डियक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि इस वर्ष विश्व हृदय दिवस की थीम 'डोंट मिस अ बीट' है। इसके तहत 29 सितंबर को सुबह छह बजे गांधी मैदान स्थित जेपी गोलंबर से विश्व हृदय दिवस दौड़ आयोजित होगी, जिसमें चिकित्सक, मेडिकल छात्र, नर्सिंगकर्मी और आम लोग शामिल होंगे। सोसाइटी के सचिव डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि हृदय रोग से होने वाली मौतों को कम करने के लिए बचाव और समय पर उपचार जरूरी है। डॉ. अरविंद कुमार ने हार्ट अटैक की स्थिति में शुरुआती समय को महत्वपूर्ण बताते हुए कैथ लैब की सुविधा वाले अस्पताल में तत्काल पहुंचने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने मधुमेह, उच्च रक्तचाप, बढ़ा कोलेस्ट्रॉल और निष्क्रिय जीवनशैली को नियंत्रित करने तथा नियमित व्यायाम पर जोर दिया। डॉ. यूसी शामल ने 40 वर्ष की उम्र के बाद नियमित हृदय जांच की सलाह दी। डॉ. विपिन कुमार ने बताया कि पिछले दो दशकों में हृदय रोगों के उपचार में तकनीकी प्रगति हुई है और कैथ लैब के जरिए स्टेंट व वाल्व प्रत्यारोपण जैसी कई प्रक्रियाएं संभव हैं।

अच्छे और बुरे काम की पहचान कर जीवन में आगे बढ़ें : अवधेश दीक्षित

नई सोच एक्सप्रेस

» पुलिस अधीक्षक ने किया महादलित बच्चों से संवाद
» नशा सेवन से होती है पैसे और शरीर की बर्बादी

कोईलवर (भोजपुर)।पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने आज गीधा सामुदायिक भवन में बच्चे-बच्चियों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया। श्री दीक्षित ने नई आशा के सेतु केंद्र के बच्चे-बच्चियों एवं अलका सिलाई सह पढ़ाई केंद्र की बच्चियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग अच्छे काम और बुरे काम की पहचान कीजिए। फिर अच्छी बातें और बुरी बातों को समझिए। ये समझ, आपके जीवन को बेहतर बनाकर पूरे परिवार को खुशहाल कर देंगे। श्री दीक्षित ने कहा कि आप लोग नियमित रूप से पढ़ाई कीजिए। पढ़ाई के बदौलत सबकुछ संभव है। आज पढ़ाई के कारण जिस जगह पर हम हैं, वहां आप भी आ सकते हैं। आप प्रयास कीजिए। व्यक्तिगत एवं प्रशासनिक रूप से आप सबों का भरपूर सहयोग करेंगे। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए पूछा कि ब्रश करने, स्नान करने, घर की सफाई करने और पढ़ाई करने से क्या लाभ है? जो व्यक्ति साफ-सफाई के साथ नहीं रहता या स्नान नहीं करता, उससे क्या हानि है। श्री दीक्षित ने बच्चों को समझाया कि आपके घरों में जो लोग गुटका, जर्दा या दारू का सेवन करके आते हैं, उनको समझाइए। उन्हें बताइए कि जो पैसे आप शराब में खर्च करते हैं, उससे घर के पैसे और आपके शरीर की बर्बादी होती है। समाज में आपकी और पूरे परिवार की बदनामी होती है। उन्होंने कहा कि इस टोला के सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन खाता खोलने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने तत्काल जिलाधिकारी से वार्तालाप कर बताया कि इस टोले के सभी बच्चों का जन्म प्रमाण-पत्र एवं आधार कार्ड शीघ्र बनेगा। श्री दीक्षित ने विकास मित्र धरमु राम को बताया कि यहां आधार कार्ड कैंप लगेगा। आप विशेष रूचि लेकर सभी बच्चों का आधार कार्ड बनवा दीजिए। आधार कार्ड कैंप का नाम सुनते ही अचानक सभी बच्चे-बच्चियां जोर-जोर से ताली बजाने लगीं। इस अवसर पर नई आशा के संरक्षक डॉ भीम सिंह भवेश, कुंदन कुमार, लवली कुमारी, संगीता देवी एवं शिवशंकर सिंह आदि थे।

बी-स्कूल फेयर में 600 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया करियर मार्गदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।द रेड वेलवेट होटल में बी-स्कूल फेयर का आयोजन किया गया। सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस फेयर में देश के लगभग 15 प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूल एवं प्रबंधन संस्थानों ने भाग लिया, जबकि 600 से अधिक स्नातक स्तर के विद्यार्थियों ने इसमें सहभागिता की। फेयर में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद, एस.पी. जैन ग्लोबल, वेलिंगकर, पीआईबीएम, एफआईआईबी, गीतम, एलायंस, एसआईबीएम सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को प्रबंधन पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया और करियर के अवसरों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को विशेषज्ञों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों से करियर गाइडेंस तथा व्यक्तिगत काउंसलिंग प्राप्त करने का अवसर भी मिला। कार्यक्रम का आयोजन टाइम, पटना के निदेशक सुधीर कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। टाइम हेड ऑफिस, हैदराबाद से आए मोनीश दत्ता ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। फेयर को सफल बनाने के लिए टाइम, पटना की पूरी टीम पिछले कई दिनों से तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटी हुई थी। 600 से अधिक विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ आयोजित यह बी-स्कूल फेयर विद्यार्थियों को देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों से सीधे संवाद करने और अपने भविष्य के करियर विकल्पों को बेहतर ढंग से समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करने में सफल रहा।

शाह अजीमाबाद ट्रस्ट के 12वें वार्षिकोत्सव में प्रतिभाओं को मिला 'अजीमाबाद रत्न' सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।शाह अजीमाबाद वेलफेयर एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट,पटना सिटी का 12वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह रेड वैल्वेट होटल, पटना में आयोजित हुआ। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को अजीमाबाद रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि सेवा हमारी संस्कृति रही है। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से ही विकास को गति दी जा सकती है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन इरशाद अली आजाद ने कहा कि संस्था लंबे समय से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ. बिमल कारक ने ट्रस्ट के कार्यों की जानकारी देते हुए, सरकार से संस्था को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की मांग की।इस अवसर पर चिकित्सा रत्न से डॉ. प्रदीप कारक, डॉ. अभिषेक बासुकी एवं डॉ. नीरज कुमार निराला,शिक्षा रत्न से डॉ. मनोज कुमार एवं डॉ. नीलोफर,समाजसेवी रत्न से शशि शेखर रस्तोगी एवं आनंद त्रिवेदी,उर्दू अदब रत्न से अशरफ फरीद एवं डॉ. अनवारुल हुदा, हिंदी साहित्य रत्न से राकेश परिदर्शी तथा महिला उद्यमी रत्न से सना रहमानी को सम्मानित किया गया।वहीं उद्यमी रत्न से विद्या नंद सिंह, मो. नौशाद एवं आलोक सौन्दिक, अधिवक्ता रत्न से शोबिया मुस्ताक,प्रशासनिक रत्न से विशेष सचिव स्वास्थ्य विभाग शैलेश कुमार तथा पत्रकारिता रत्न से मंजर सुलेमान एवं सुबोध नंदन कुमार को सम्मान मिला।समारोह में 25 महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण तथा 21 छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण के प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। अजीमाबाद टूर्नामेंट के विजेता-उपविजेता टीमों और खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया,कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव मो. युनुस ने किया,जबकि मो. नौशाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, चिकित्सक, पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साहित्य,कला और संगीत के महान पोषक और सुकवि थे राजा कीर्त्यानंद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बनैली के राजा बहादुर कीर्त्यानंद सिंह कला,संगीत और साहित्य के महान पोषक और स्वयं एक समर्थ कवि थे। अपने दरबार में आहूत कवि-सम्मेलनों में एक-एक कविता पर एक स्वर्ण अशर्फ़ी कवि को दे दिया करते थे। वर्ष १९३६ में साहित्य सम्मेलन के भवन-निर्माण हेतु दस हजार रूपए की एकमुश्त राशि प्रदान की थी। तब राज्य सरकार की ओर से २७०० रूपए की सहायता प्राप्त हुई थी। तब यह देश स्वतंत्र भी नहीं हुआ था और एक तोले के स्वर्ण-आभूषण का मूल्य ४७ रूपए हुआ करता था। यह बातें रविवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती समारोह की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने संत-साहित्य के महान अनुशीलन-कर्त्ता और साहित्यकार डा धर्मेंद्र ब्रह्मचारी शास्त्री को भी जयंती पर श्रद्धा-पूर्वक स्मरण किया और कहा कि शास्त्री जी संत-साहित्य के मर्मज्ञ आचार्य थे। जयंती समारोह का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से हुआ। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा-गोष्ठी में डा पुष्पा जमुआर ने 'आईना', डा विद्या चौधरी ने 'गुरु-मंत्र', ई अशोक कुमार ने 'आफ़त में रिश्ते', सदानन्द प्रसाद ने 'गहरी चोट', निर्मला सिंह ने 'मानवता', इन्दु भूषण सहाय ने 'दिखावा', सावित्री पाण्डेय ने 'चौकू-नीकू', अभिराम बुद्धवाहा ने 'किलकारी', डा कुन्दन लोहानी ने 'सबक़' तथा प्रवीर कुमार पंकज ने 'उम्मीद' शीर्षक से अपनी-अपनी लघुकथा का पाठ किया। अतिथियों का स्वागत सम्मेलन के पुस्तकालयमंत्री डा नागेश्वर प्रसाद यादव ने तथा मंच का संचालन डा मनोज गोवर्धनपुरी ने किया।

कस्तूरी नृत्यांगन चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया माता की चौकी सह डांडिया महोत्सव का भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» भक्ति, संगीत, नृत्य और संस्कृति के रंग में रंगा समारोह, बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

पटना।कस्तूरी नृत्यांगन चैरिटेबल ट्रस्ट के 5वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को द आर्किड बैंक्वेट, पाटलिपुत्र में माता की चौकी सह डांडिया महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पटना की मेयर सीता साहू, विशिष्ट अतिथि डॉ. उर्मिला मिश्रा, आकांक्षा चित्रांश, ट्रस्ट की चेयरपर्सन एवं संयोजक डॉ. मौसम शर्मा के द्वारा किया गया। आश्रित नहीं, स्वतंत्र हूं मैं थीम पर आधारित कार्यक्रम में संस्था के बच्चों गायक विजय कुमार और गायिका पापिया गांगुली ने अपने शानदार प्रस्तुति से सबको झुमाया। भक्ति और संगीत से सराबोर माहौल में आयो रे शुभ दिन आयो रे, माँ काली से मिलकर कहना गरबा खेलेंगे, मीठे रस से भरो री राधा रानी लागे, नगाड़े संग ढोल बाजे, उड़ी उड़ी जाए, वाग्यो रे ढोल, कृष्णा गोविंदा हरे मुरारी और पल्लो लटके रे म्हारो पल्लो लटके जैसे गीतों पर डांडिया-गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट से जुड़े बच्चों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पटना की मेयर सीता साहू ने कहा कि कस्तूरी नृत्यांगन चैरिटेबल ट्रस्ट का यह आयोजन सेवा, संस्कृति और बच्चों की प्रतिभा का सुंदर संगम है। जरूरतमंद बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देना सराहनीय पहल है। मैं संस्था के स्थापना दिवस पर पूरी टीम को शुभकामनाएं देती हूं। वहीं ट्रस्ट की चेयरपर्सन एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. मौसम शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा और कला के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। आज बच्चों ने अपनी प्रतिभा से सभी का दिल जीत लिया। समाज के सहयोग से हमारा यह सेवा अभियान आगे भी जारी रहेगा। संस्था की ओर से बच्चों को निःशुल्क नृत्य एवं योग शिक्षा, अन्नपूर्णा सेवा, स्वास्थ्य शिविर तथा जरूरतमंदों को विशेष राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने जैसे सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। समारोह में उपस्थित लोगों ने माता की चौकी में श्रद्धापूर्वक भाग लिया और इसके बाद डांडिया-गरबा की प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। मौके पर कस्तूरी नृत्यांगन चैरिटेबल ट्रस्ट की सभी सदस्य मौजूद रहीं।

नशे की गिरफ्त से युवाओं को बचाना सामूहिक जिम्मेदारी : ब्रह्माकुमारी

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, स्टेशन रोड फतुहा की ओर से नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत नशा मुक्ति प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फतुहा, बंकाघाट, हरदास विगहा, कटौना और फुलवरिया स्थित शिवम इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों एवं आम लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसान की जानकारी दी गई। अंजु बहन, वीभा बहन, धनंजय एवं विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार ने कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर शौक या साथियों के दबाव से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह व्यक्ति और परिवार के लिए गंभीर संकट बन जाती है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए परिवार, विद्यालय और समाज को मिलकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाना होगा। अंजु बहन ने बताया कि 10 करोड़ लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाने का अभियान शुरू किया गया है। ब्रह्माकुमारी संस्था के देशभर में संचालित सेवा एवं शिक्षा केंद्रों के माध्यम से इसे 100 सप्ताह तक चलाने की योजना है। कार्यक्रम में लोगों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने का संकल्प लिया।

नई सोच एक्सप्रेस की खबर का असर: जमुआवां स्कूल में मनमानी पर चला विभाग का डंडा 3 शिक्षक हुए निलंबित, 3 पर शुरू हुआ विभागीय कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस

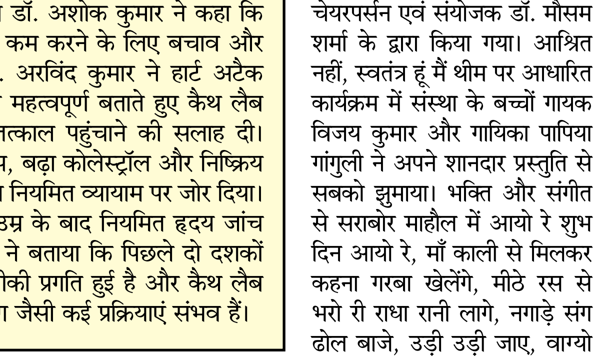

गया जी।वजीरगंज प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय जमुआवां में शिक्षकों की कार्यशैली और विद्यालय की व्यवस्था को लेकर प्रकाशित खबर का शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया है। 'नई सोच एक्सप्रेस' में खबर प्रकाशित होने के बाद विभागीय जांच हुई और छह शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें तीन शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि तीन अन्य के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।मामला 23 सितंबर का है। विद्यालय में परीक्षा के दौरान स्मार्ट क्लास में भोजपुरी गाने का वीडियो चलाकर बच्चों के डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद विद्यालय की व्यवस्था और शिक्षकों की भूमिका पर सवाल उठे थे। नई सोच एक्सप्रेस ने मामले को प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच कराई। जांच में विद्यालय में कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही, राजनीति करने और छात्रों पर नियंत्रण नहीं रखने का आरोप।विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने में विफलता और अन्य आरोपों को गंभीरता से लिया गया। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी कृष्ण मुरारी गुप्ता की ओर से जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार अर्जुन कुमार, रवि रंजन कुमार और संध्या साहू को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनके मुख्यालय भी निर्धारित किए गए हैं। जिसमें अर्जुन कुमार का मुख्यालय बीआरसी बेलागंज, रवि रंजन कुमार का बीआरसी मानपुर और संध्या साहू का मुख्यालय टंकुपा बीआरसी बनाया गया है।वहीं गुड्डू कुमार, राजेश कुमार और कन्हैया कुमार सिंह के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई है। विभागीय आदेश में दो शिक्षकों पर निरीक्षी पदाधिकारी के समक्ष विद्यालय प्रधान के साथ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।मामले में आगे की अनुशासनिक प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। संबंधित मामलों में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, पीएम पोषण योजना/योजना एवं लेखा को संचालन पदाधिकारी बनाया गया है, जबकि वजीरगंज बीईओ को प्रस्तुतिकरण पदाधिकारी नामित किया गया है। कार्रवाई के बाद विद्यालय की कार्यशैली और शिक्षकों की जिम्मेदारी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। विभाग के इस एक्शन से साफ है कि विद्यालय में अनुशासन और कर्तव्य निर्वहन से जुड़े मामलों को अब गंभीरता से लिया जा रहा है।

इमारते सरिया बचाओ अभियान के संयोजक ने फैसल रहमानी से 4 सवाल के जवाब मांगे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।इमारते सरिया बचाओ अभियान के प्रदेश संयोजक फैसल अहमद ने फ्रेजर रोड, पटना के एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इमारत शरीया, रहमानी फाउंडेशन और रहमानी 30 से जुड़े कथित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं, संस्था की सुरक्षा, पारदर्शिता तथा संबंधित लोगों की भूमिका से जुड़े गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इमारत शरीआ लगभग 100 वर्षों से मुसलमानों की सेवा करने वाली एक सम्मानित और ऐतिहासिक संस्था है और इसकी सुरक्षा अति अवश्यक है। फैसल रहमानी पर उठाए जा रहे सवालों को बहुत चतुराई से दूसरा रूप देने के लिए यह कहा जा रहा है कि मैं इमारत शरीआ का विरोध कर रहा हूँ ताकि इसकी आड़ में लोट खसोट का धंदा चलता रहे। हम फिर स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि अहमद वली फैसल रहमानी का नाम इमारत शरीआ नहीं है। इमारत शरीआ को बचाने के लिए यह आवश्यक है कि संस्था को किसी भी ऐसे व्यक्ति से मुक्त रखा जाए जिसकी नागरिकता, संस्था में भूमिका और वित्तीय गतिविधियों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। फैसल अहमद ने कहा कि इमारत शरीआ का विरोध नहीं, बल्कि इमारत शरीआ की हिफ़ाजत के लिए मैं आवाज बुलंद कर रहा हूँ। उन्होंने राज्य के सभी बड़े उलेमा से अपील की कि वे भी इस ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा के लिए आगे आएँ और संस्था से जुड़े गंभीर सवालों पर निष्पक्ष जाँच की माँग करें। उन्होंने कहा कि इमारत शरीआ, रहमानी फाउंडेशन और रहमानी 30 से जुड़े वित्तीय एवं प्रशासनिक मामलों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मुफ़्ती सईद कासमी, अनजार आलम कासमी, एहतेशाम रहमानी, सालिहीन नदवी और आरिफ रहमानी समेत जिन लोगों की भूमिका को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, उनकी भी कड़ी जाँच होनी चाहिए। फैसल अहमद ने कहा कि वह फैसल रहमानी और फहद रहमानी से चार बुनियादी सवाल पूछना चाहते हैं और दोनों को स्वयं प्रेस के सामने आकर इनका स्पष्ट जवाब देना चाहिए। वे बताएं कि अहमद वली फैसल रहमानी स्वयं प्रेस के सामने आकर स्पष्ट रूप से बताएं कि उनकी नागरिकता किस देश की है। वे यह स्पष्ट रूप से बताएं कि उन्होंने आलिम की डिग्री या सनद कहाँ और किस संस्थान से प्राप्त की है। तथा दोनों यह भी स्पष्ट रूप से बताएं कि उनकी आमदनी और आय का स्रोत क्या है? वहीं जब से फैसल रहमानी अमीर-ए-शरीअत बने हैं, उस समय से आज तक फैसल रहमानी और फहद रहमानी के सभी अंतरराष्ट्रीय दौरों की जाँच हो। इन यात्राओं का खर्च कहाँ से आया, किसने दिया, इन यात्राओं के लिए धन का स्रोत क्या था और विदेशों से इन लोगों ने कितना चंदा प्राप्त किया—इन सभी पहलुओं की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

पीड़िता की पहचान उजागर करने का आरोप, मुख्यमंत्री के खिलाफ प्राथमिकी की मांग

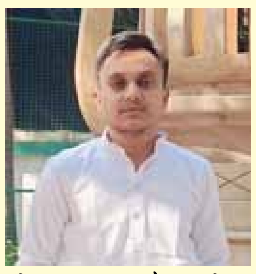

पूर्णिया। जमुई में छात्रा से जुड़ी घटना के बाद मामले को लेकर राजनीतिक और छात्र संगठनों की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। इसी क्रम में पूर्णिया विश्वविद्यालय छात्र राजद अध्यक्ष पीयूष पुजारा ने के. हाट थाना में आवेदन देकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़िता छात्रा और उसके परिवार की पहचान से संबंधित जानकारी सार्वजनिक की गई। पीयूष पुजारा ने कहा कि नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करना कानून के तहत गंभीर विषय है। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। पुजारा ने कहा कि जमुई की घटना संवेदनशील है और ऐसे मामलों में पीड़िता की गरिमा एवं गोपनीयता की रक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि छात्र राजद कानून के दायरे में रहकर पीड़िता को न्याय और उसके परिवार को सुरक्षा दिलाने की मांग कर रहा है। प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी भी दी। वहीं, मामले को लेकर अन्य छात्र संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से भी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

जन सुराज ने विधान परिषद की सात सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए

मोतिहारी। जन सुराज पार्टी ने बिहार में शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं चंपारण परिक्षेत्र के मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने रविवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक सीट पर उम्मीदवार की घोषणा जल्द की जाएगी। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निवर्तमान एमएलसी अफाक अहमद को दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है। कोशी स्नातक से रजनीश रंजन, पटना शिक्षक से डॉ. दिव्या ज्योति, पटना स्नातक से डॉ. अनुज सिंह, दरभंगा शिक्षक से डॉ. सुरेश प्रसाद राय, तिरहुत स्नातक से डॉ. विमोहन कुमार तथा तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से श्यामनंदन कुमार यादव प्रत्याशी होंगे। पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं से जन सुराज के उम्मीदवारों के समर्थन की अपील की है। ठाकुर के अनुसार पार्टी ने सातवें वेतन आयोग की अनुशंसा लागू कराने, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कराने, प्रत्येक विधान परिषद क्षेत्र में 10 हजार बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा वित्त रहित शिक्षकों की समस्याओं के समाधान का मुद्दा उठाया है।

प्रशिक्षण के दौरान गरीब महिला की मदद कर शिक्षिका ने पेश की मानवता की मिसाल

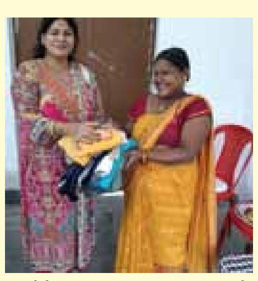

मोतिहारी। सुगौली प्रखंड के बढ़ई टोला उत्तरी सुगांव एनपीएस विद्यालय की शिक्षिका पूजा कुमारी ने प्रशिक्षण के दौरान एक जरूरतमंद महिला की सहायता कर मानवता की मिसाल पेश की। दरियापुर में पांच दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल होने गईं पूजा कुमारी की नजर एक गरीब व लाचार महिला पर पड़ी। महिला की स्थिति देखकर उनका मन द्रवित हो गया और उन्होंने तत्काल अपनी सामर्थ्य के अनुसार उसकी मदद करने का निर्णय लिया।शिक्षिका ने जरूरतमंद महिला को कपड़े, नगद राशि समेत कई आवश्यक सामान उपहार स्वरूप देकर सहयोग किया। उनकी इस पहल से महिला को काफी राहत मिली। पूजा कुमारी के इस मानवीय कार्य की आसपास के लोगों ने भी सराहना की। पूजा कुमारी नेशनल ह्यूमन राइट वेलफेयर एसोसिएशन, बिहार की महिला अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि समाज में जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद करना सभी की जिम्मेदारी है। वह आगे भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार ऐसे लोगों की सहायता करती रहेंगी।

दूसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर जताया आभार, बोले- प्रदेश अध्यक्ष के विचारों को जन-जन तक पहुंचाऊंगा

गया। बिहार प्रदेश जनता दल (यू) कला, संस्कृति एवं खेल प्रकोष्ठ में संगठन ने श्रीकांत प्रसाद दांगी पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने उनका मनोनयन किया। दूसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर श्रीकांत प्रसाद दांगी ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।श्रीकांत प्रसाद दांगी ने कहा कि पार्टी ने उन्हें दूसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर जो विश्वास जताया है उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री व नेता निशांत कुमार राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा तथा प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक उमेश सिंह कुशवाहा के प्रति आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा पटेल की सोच और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। संगठन के निर्देशों के अनुरूप कला, संस्कृति एवं खेल के क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।दांगी ने कहा कि नेता निशांत कुमार बिहार के भविष्य हैं और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए वे पूरी ताकत के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन और नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाते हुए पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को आम लोगों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।इस मौके पर उन्होंने प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष शम्भु सिंह और प्रदेश महासचिव अमृता प्रीतम के मनोनयन पर भी प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा पटेल समेत सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया।

किऊल नदी की सफाई में जुटे युवा,एक घंटे के श्रमदान में निकाला करीब एक क्विंटल कचरा

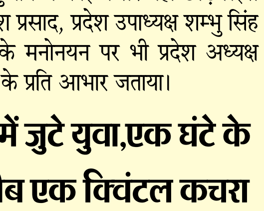

जमुई। विश्व नदी दिवस पर सेवा पखवाड़ा के तहत मेरा युवा भारत, जमुई और साईकिल यात्रा एक विचार से जुड़े युवाओं ने पतनेश्वर घाट स्थित किऊल नदी परिसर में स्वच्छता व पौधारोपण अभियान चलाया। करीब एक घंटे के श्रमदान में युवाओं ने प्लास्टिक, पॉलीथिन समेत करीब एक क्विंटल कचरा बाहर निकाला। इस दौरान लोगों को नदी में कचरा नहीं डालने और जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। पतनेश्वर धाम परिसर में पौधारोपण कर पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। मंदिर के पुजारी राजीव पांडे ने किऊल नदी को जमुई की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पहचान बताते हुए इसे स्वच्छ रखने में जनभागीदारी की अपील की। अभियान में हर्ष कुमार सिन्हा समेत साईकिल यात्रा एक विचार और मेरा युवा भारत से जुड़े कई युवा शामिल हुए।

विष्णुपद में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब तो खुद मोर्चे पर उतरे डीएम, 3 घंटे पैदल घूमकर संभाला व्यवस्था

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।पितृपक्ष मेला के दूसरे दिन रविवार को विष्णुपद क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे डीएम शशांक शुभंकर करीब तीन घंटे तक पैदल क्षेत्र में घूमते रहे। उन्होंने मंदिर, घाट और प्रमुख आवागमन मार्गों का निरीक्षण कर भीड़ नियंत्रण, कतार, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को परखा।भीड़ बढ़ने पर डीएम खुद श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे और उन्हें कतारबद्ध कराया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में भीड़ अनियंत्रित न हो और श्रद्धालुओं को सुरक्षित तरीके से मंदिर व घाट तक पहुंचाया जाए।विष्णुपद में NCC और स्काउट गाइड के बच्चे श्रद्धालुओं को कतार में लगाने और रास्ता बताने में जुटे रहे। डीएम ने उनकी सेवा भावना की सराहना की और वृद्ध, महिलाओं व जरूरतमंद श्रद्धालुओं की विशेष मदद करने को कहा।वहीं स्वयंसेवी युवा व्हीलचेयर से बुजुर्ग और असहाय श्रद्धालुओं को मंदिर व घाट तक पहुंचाते दिखे। डीएम ने इस सेवा कार्य की भी प्रशंसा की।सफाई व्यवस्था को लेकर डीएम ने नगर आयुक्त को मेला क्षेत्र, घाटों और रास्तों पर लगातार सफाई कराने और कहीं भी कचरा जमा नहीं होने देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मेला अवधि में प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, NCC, स्काउट गाइड और स्वयंसेवकों को समन्वय के साथ पूरी तत्परता से काम करने का निर्देश दिया गया।

बेतिया में चम्पारण की प्राकृतिक विरासत पर पुस्तक का लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया।महारानी जानकी कुंअर महाविद्यालय के सभागार में रविवार को अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, बेतिया के तत्वावधान में साहित्य एवं शोध केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में परिषद् के जिला संरक्षक डॉ. देवीलाल यादव की पुस्तक 'Champaran ke प्राकृतिक विरासत' का लोकार्पण किया गया। पुस्तक का लोकार्पण महाविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. परमेश्वर भक्त ने किया। अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेश चंदेल ने की, जबकि परिषद् अध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने चम्पारण की प्राकृतिक संपदा, पर्यावरणीय विविधता और जैविक विरासत के दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. परमेश्वर भक्त ने कहा कि डॉ. देवीलाल यादव केवल साहित्यकार नहीं, बल्कि शोधार्थी भी हैं। डॉ. दिवाकर राय ने पुस्तक को चम्पारण की प्राकृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला प्रयास बताया। डॉ. विभाकर दूबे एवं विभांक धर मिश्र ने पुस्तक को विज्ञान के शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया। कृष्णमोहन हिंदू ने इसे विद्यार्थियों के लिए शोध-विषयों की दिशा दिखाने वाली 'कुंजी' बताया। मंच संचालन कृष्णमोहन हिंदू ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्यकार, शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। अंत में नंदलाल गुप्तार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

भूसंडा की 92 एकड़ जमीन बचाने की जंग, सलेमपुर पइन भी कब्जे में; कांग्रेस ने दिया 40 दिनों की अल्टीमेटम

नई सोच एक्सप्रेस

गया।भूसंडा पशु मेला की करीब 92 एकड़ सरकारी जमीन वर्षों से प्रस्तावित स्टेडियम और किसानों की मंडी का निर्माण तथा सलेमपुर पइन को अतिक्रमणमुक्त कराने का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू ने आरोप लगाया कि सरकारी जमीन पर लगातार अतिक्रमण के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से भविष्य में जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जे का खतरा है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं से निजात के लिए मानपुरवासियों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।कांग्रेस नेता के अनुसार भूसंडा में बाजार समिति के अधिपत्य वाली करीब 92 एकड़ जमीन है। इसके दक्षिणी हिस्से की 13 एकड़ जमीन स्टेडियम निर्माण के लिए वर्षों पहले अधिग्रहित की गई थी। उनका दावा है कि वर्ष 2023 से स्टेडियम निर्माण के लिए करीब 5 करोड़ रुपए की राशि भी निर्गत है लेकिन अब तक निर्माण शुरू नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि इसी मैदान में कार्तिक और चैत्र में दो बार पशु मेला लगता था लेकिन अतिक्रमण के कारण इसका स्वरूप लगातार सिकुड़ता जा रहा है।मिट्ठू ने आरोप लगाया कि जमीन के कुछ हिस्सों में गलत तरीके से केवाला कराने और सैकड़ों लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की शिकायतें हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसी जमीन में नदी किनारे करीब 3 एकड़ में अनुसूचित जाति आवासीय उच्च विद्यालय, एक एकड़ में गंगाजल आपूर्ति टंकी-मशीन तथा एक एकड़ में श्मशान घाट का प्रस्ताव रखा है। ऐसे में शेष जमीन की सुरक्षा और उपयोग को लेकर तत्काल स्पष्ट कार्रवाई जरूरी है।दूसरा बड़ा मुद्दा वर्षों पुराने सलेमपुर पइन का है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पइन के अतिक्रमण के कारण मानपुर के गांवों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित है। बारिश के दौरान इसका असर जगजीवन कॉलेज परिसर पर भी पड़ता है, जहां वर्षों से करीब 5 से 6 फीट तक पानी जमा होने की समस्या बताई जा रही है। इससे छात्रों को परेशानी होती है। वहीं नारायण नगर और सिद्धार्थपुरी में जलजमाव से बारिश के मौसम में आम जनजीवन प्रभावित होने का दावा किया गया है। वहीं कांग्रेस ने 40 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि इस अवधि में दोनों जरूरी कार्यों की शुरुआत नहीं हुई तो पार्टी नेता कार्यकर्ता मानपुर वासियों के साथ चरणबद्ध आंदोलन करेंगी।

स्वास्थ्य सेवा जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य : भोला चौरसिया

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।चंदन कुमार मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से रविवार को सरस्वती निकेतन स्कूल परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रो. भोला चौरसिया ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना शिविर का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। शिविर में डॉ. गिरीश आनंद, डॉ. चन्द्रभूषण एवं डॉ. मौसम कुमारी ने मरीजों की जांच की। इस दौरान ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर सहित विभिन्न बीमारियों से संबंधित निःशुल्क चिकित्सकीय सलाह दी गई।

बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा फेरबदल, समस्तीपुर समेत 40 जिलों के लिए IPS नोडल अधिकारी नियुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।बिहार पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत एडीजी से लेकर डीआईजी स्तर के 36 वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य के 40 पुलिस जिलों का प्रभारी सह नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। इस नई व्यवस्था में एडीजी रेल डॉ. कमल किशोर सिंह को समस्तीपुर जिले की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं एडीजी विधि-व्यवस्था के.एस. अनुपम को पटना और एडीजी बी-सैप नैय्यर हसनैन खान को मुजफ्फरपुर का नोडल बनाया गया है। इसके अलावा एडीजी आर. मलार विझि को नालंदा, एडीजी ईओयू डॉ. अमित कुमार जैन को वैशाली और एडीजी एसवीयू सुधांशु कुमार को दरभंगा की कमान सौंपी गई है। मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में चार अधिकारियों को दो-दो जिलों का प्रभार दिया गया है, जिसमें एडीजी तकनीकी सेवाएं अमित लोढ़ा को लखीसराय व शेखपुरा, आईजी रेल पंकज कुमार राज को भागलपुर और नवगछिया, आईजी विशेष शाखा संजय कुमार को बेतिया और बगहा तथा डीआईजी ईआरएसएस अजय कुमार पांडेय को अरवल एवं नवादा की जिम्मेदारी मिली है। अन्य सभी जिलों में भी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 27 सितंबर तक अपने आवंटित जिलों का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट डीजीपी प्रीता वर्मा को सौंपे।

चक्रवाती तूफान ने महम्मदपुर सूबे में मचाई तबाही, दो दर्जन घरों के एस्बेस्टस उड़े

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुज़फ़्फ़रपुर।चक्रवाती तूफान के कारण प्रखंड के महम्मदपुर सूबे पंचायत में शनिवार को व्यापक क्षति हुई। तेज हवा के कारण करीब दो दर्जन घरों पर लगे एस्बेस्टस उड़कर चकनाचूर हो गए, जबकि एक मकान ढह गया। दर्जनों पेड़ गिरने से कई ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गईं। वहीं करीब आधा दर्जन बिजली के पोल टूटकर गिरने से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई। पेड़ और एस्बेस्टस गिरने की घटनाओं में कई लोग बाल-बाल बच गए। ग्रामीणों ने सड़क पर गिरे पेड़ों की टहनियों को काटकर किसी तरह आवागमन बहाल किया। सूचना पर रविवार को कांटी विधायक ई. अजीत कुमार और मड़वन सीओ पुष्कल कुमार ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर क्षति का जायजा लिया। विधायक ने बताया कि तत्काल सभी पीड़ित परिवारों को तिरपाल उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने सीओ को निर्देश दिया कि जिन लोगों के मकान को अधिक क्षति हुई है, उनके घरों की तस्वीर लेकर अंचल की टीम सोमवार सुबह पीड़ितों से मिले और क्षति का विवरण आपदा विभाग को भेजे। सीओ पुष्कल कुमार ने बताया कि प्रभावित लोगों में गौरियारा के मो. क्याम, मो. रफीक, धर्मेंद्र राम, राजेश साह, राजेंद्र साह, संजय ठाकुर तथा बंगारी के दिनेश साह, मो. कयामुद्दीन, सुलेखा देवी, संजीव कुमार, मोहन कुमार और नथुनी साह समेत अन्य शामिल हैं। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष मो. शमीम, मनोज सिंह, मो. जाबिर हुसैन, मो. फिरोज, ललन साह, अरुण राय, सुधीर सिंह, विनोद रंजन, कामेश्वर राय, बृजनंदन साह, कन्हाई पासवान, अवधेश सिंह व शंभू साह मौजूद थे।

पंचायत विकास दिवस पर महिला अधिकारों,सुरक्षा एवं लैंगिक समानता ज़रूरी- जिलाधिकारी

नई सोच एक्सप्रेस

» विकसित ग्राम पंचायत निर्माण पर जोर, टीबी मरीजों एवं अति कुपोषित बच्चों को पोषण किट का वितरण

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने मोदनगंज प्रखंड की साइस्ताबाद पंचायत के पंचायत सरकार भवन में आयोजित पंचायत विकास दिवस का उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों से आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर आयोजित ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ा जाए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जमीन पर बैठाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और महिलाओं के लिए भी समान एवं सम्मानजनक बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने महिला अधिकारों एवं लैंगिक समानता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को समान सम्मान, अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यक्रमों एवं निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की गरिमापूर्ण और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने लैंगिक समानता पर विशेष जोर देते हुए जीविका से जुड़ी महिलाओं की सफलता का उल्लेख करते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं विकास गतिविधियों में आगे बढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं से ग्रामसभा में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि गांव के विकास की प्राथमिकताएं के आधार पर लिंग अथवा जाति के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी की आवश्यकताओं एवं सुझावों के अनुसार ग्राम सभा में योजना का चयन होना ताकि विकास योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिलाधिकारी ने 8 टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान किए गए। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दवाओं का नियमित सेवन करने, उपचार बीच में नहीं छोड़ने तथा पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त 6 अति कुपोषित बच्चों के लिए एसएएम फूड बास्केट का वितरण किया गया। उनके परिजनों को बच्चों के उचित पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया।

बगेन शक्ति केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात'

नई सोच एक्सप्रेस

बगेन।भारतीय जनता पार्टी बगेन मंडल की ओर से बगेन शक्ति केंद्र स्थित बूथ संख्या 392 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 138वां एपिसोड सुना गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल महामंत्री मनजी पासवान ने किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन में सर्जिकल स्ट्राइक की 10वीं वर्षगांठ, आगामी जनगणना में नागरिकों की भागीदारी, अशोक सिंहल की जन्म शताब्दी, नशामुक्त युवा और विकसित भारत तथा 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' जैसे विषयों पर चर्चा का उल्लेख किया गया। मंडल महामंत्री मनजी पासवान ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। मौके पर प्रकाश सिंह, मोहन सिंह, टुन्ना कुमार, जयंत तिवारी, तनमन तिवारी, अजय सिंह, धरिक्षण सिंह, सुग्रीव चौधरी, मोहन प्रसाद, सनोज कुमार, शिव कुमार, रामजी प्रसाद सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

इस फेस्टिव सीज़न में कोका-कोला इंडिया ने बढ़ाई अपनी मौजूदगी

पटना।फेस्टिव सीज़न घरों, मोहल्लों और साझा जगहों में लोगों को एक साथ लाता है, और सामुदायिक उत्सव मनाने के कई मौके बनाता है। इसी समावेशी भावना को दिखाते हुए कोका-कोला इंडिया अपनी विविध बेवरेज रेंज को उपभोक्ताओं के और करीब ला रही है, ताकि उनके फेस्टिव अनुभव से जुड़े हर मौके पर उन्हें ताज़गी और हाइड्रेशन मिल सके। कोका-कोला इंडिया एंड साउथवेस्ट एशिया में वाइस प्रेसिडेंट, इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस (एचसीसीबी) एंड कमर्शियल, डेसमंड निखिल डिसूज़ा ने कहा, "महाराष्ट्र में फेस्टिव सीज़न का एक खास महत्व है। यह परंपराओं, साझा अनुभवों और एकजुटता की मजबूत भावना के जरिए लोगों को एक साथ लाता है। हमें खुशी है कि हम उपभोक्ताओं को तरोताज़ा रखकर और उनके जश्न मनाने के अलग-अलग तरीकों में शामिल होकर इन पलों में अपनी एक छोटी सी भूमिका निभा पा रहे हैं, चाहे वह घर पर हो, साथ खाना खाते हुए हो, या चलते-फिरते। हमारे बॉटलिंग पार्टनर और रिटेल इकोसिस्टम की ताकत के दम पर, हमारा फोकस ताज़गी को हर किसी तक पहुंचाने पर है, और साथ ही लोकल वेंडर व रिटेलर के लिए आर्थिक मौके बनाने पर भी है।" हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज़ (एचसीसीबी) के चीफ कमर्शियल ऑफिसर विनय नायर ने कहा, "महाराष्ट्र का उत्साह से भरा फेस्टिव सीज़न समुदायों, मोहल्ले के कारोबारियों और लोकल बाज़ारों को एक अनोखे तरीके से जोड़ता है। हमारी मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन क्षमताएं, जिन्हें एक मजबूत लास्ट-माइल रिटेल नेटवर्क का साथ मिलता है, राज्य भर में कोका-कोला के बेवरेज की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद करती हैं। इसके साथ-साथ हमारा ध्यान व्यापक रिटेल और सप्लाई चेन इकोसिस्टम को मजबूत करने पर भी है, ताकि उन लोकल कारोबारियों और पार्टनर का साथ दिया जा सके, जो इन उत्सवों में अहम भूमिका निभाते हैं।" इस साल कोका-कोला इंडिया अपने बॉटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज़ के साथ मिलकर महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में अपनी फेस्टिव मौजूदगी को बड़े पैमाने पर बढ़ा रही है।

द्विज समाज सेवा संघ द्वारा ब्राह्मणों का वार्षिक बैठक आयोजित

दानापुर। नगर मंडल में द्विज समाज सेवा संघ की ओर से नगर के गाभतल स्थित एक भवन में विमल किशोर झुनझुनवाला एवं रोहित झुनझुनवाला के द्वारा शारदीय नवरात्र 2026 के तिथि तथा व्रत तालिका के संबंध में ब्राह्मणों का वार्षिक बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा शुरू किया गया। जिसमें संगठन का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें वायु नंदन मिश्रा, कोषाध्यक्ष सतेन्द्र मिश्रा, संगठन मंत्री गोलू अखिलेश झा, विशाल पाण्डेय, प्रियर्वत मिश्रा, उपाध्यक्ष अभय पाण्डेय, मृत्युजय पाण्डेय, सहायक सचीव शंकर पाण्डेय को बनाया गया। इस संगठन बैठक में लोकेश उपाध्याय, अभय मिश्रा, संतोष मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, नंन्दन पाठक, चंदन पाठक, विमल झा, प्रभाकर झा, राकेश पाण्डेय के साथ अन्य ब्राह्मण शामिल थे ।

पंचायत विकास दिवस पर जीविका दीदियों ने दिया मद्य निषेध का संदेश

» प्रभात फेरी एवं जागरूकता रैली के माध्यम से नशामुक्त समाज निर्माण का आह्वान

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया के निर्देशानुसार पंचायत विकास दिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों में जीविका के माध्यम से मद्य निषेध एवं नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत विभिन्न पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की दीदियों, जीविका कर्मियों एवं सामुदायिक कैडरों द्वारा सक्रिय सहभागिता करते हुए सामूहिक शपथ, प्रभात फेरी, जागरूकता रैली एवं जनसंवाद जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से मद्यपान के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जीविका दीदियों ने सामूहिक रूप से मद्यपान से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने तथा मद्य निषेध के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की शपथ ली। प्रभात फेरी एवं जागरूकता रैली में विभिन्न नारों एवं संदेशों के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया गया। जीविका दीदियों द्वारा आमजनों को बताया गया कि मद्यपान का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे परिवार की आर्थिक स्थिति, बच्चों की शिक्षा, पारिवारिक वातावरण एवं सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। लोगों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से पंचायत एवं ग्राम स्तर तक मद्य निषेध का संदेश पहुंचाने के साथ आमजनों में जागरूकता, जनभागीदारी एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया।

बाढ़ में बर्बाद हो रही केले की फसल, मजबूरी में औने-पौने दाम पर बेच रहे किसान

पिपरासी। लगातार बारिश और गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि से पिपरासी प्रखंड के सेमरा लवेदहा पंचायत में बाढ़ का पानी खेतों में फैल गया है। इसका सबसे अधिक असर केला उत्पादक किसानों पर पड़ा है। खेतों में पानी जमा होने से केले के पौधे गिरने लगे हैं। तैयार फसल को बचाने के लिए किसान मजबूरी में कम कीमत पर केला बेच रहे हैं। किसानों का कहना है कि बाढ़ के पानी के कारण खेतों में खड़ी फसल को लंबे समय तक बचाना मुश्किल है। पौधे गिरने के बाद केले के गुच्छों को सुरक्षित रखने की भी समस्या पैदा हो गई है। ऐसे में किसान जो कीमत मिल रही है, उसी में अपनी उपज बेचने को मजबूर हैं। **किसानों की मजबूरी का व्यापारी उठा रहे फायदा**:फसल खराब होने की आशंका और बाजार तक उपज पहुंचाने की परेशानी का फायदा व्यापारी उठा रहे हैं। पंचायत क्षेत्र में बड़ी संख्या में व्यापारी पहुंचकर किसानों से कम कीमत पर केला खरीद रहे हैं। इसके बाद डीसीएम, पिकअप व ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए केले की ढुलाई की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, रोजाना दर्जनों वाहनों से केले की खेप दूसरे बाजारों में भेजी जा रही है। किसानों का कहना है कि एक ओर बाढ़ के कारण फसल को नुकसान हो रहा है।

2 अक्टूबर को न्यू द्वारिका भवन में होगा जिला महिला जदयू सम्मेलन

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।आगामी 2 अक्टूबर 2026 को न्यू द्वारिका भवन में आयोजित होने वाले जिला महिला जदयू सम्मेलन को लेकर रविवार को जदयू जिला कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में एक महत्वपूर्ण तैयारी सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने की।बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महिला उपाध्यक्ष ऊषा सिन्हा एवं जमुई महिला प्रभारी रेखा सिंह चौहान उपस्थित रहीं। दोनों नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि यह सम्मेलन महिला संगठन की शक्ति का प्रदर्शन होगा, इसलिए अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी

सुनिश्चित कर इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया जाए। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने कहा कि बिहार में जीविका का गठन 2 अक्टूबर 2006 को हुआ था।इसके 20 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "बीस साल बेमिसाल" कार्यक्रम के तहत यह जिला महिला सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि जीविका दीदियों के साथ हजारों की संख्या में महिलाएं इस कार्यक्रम में शामिल

» तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

होकर इसे सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जीविका,आरक्षण और स्वरोजगार जैसी योजनाओं ने बिहार में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। यह सम्मेलन उन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का मंच बनेगा।बैठक का समापन जिला महिला अध्यक्षा रंजू देवी ने किया। उन्होंने सभी प्रखंड अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र से अधिकतम महिला कार्यकर्ताओं को लाने का लक्ष्य दिया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता सुनील वर्णवाल, दलित प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अरुण भारती, जिला महासचिव दीपक कुमार, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सोनू रावत, जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश पीयूष, जदयू नगर अध्यक्ष राजेश कुमार वर्मा, जमुई प्रखंड अध्यक्ष जमील अहमद, बरहट प्रखंड अध्यक्ष भीष्मदेव मंडल, खैरा प्रखंड अध्यक्ष रामानंद सिंह, अलीगंज प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार मेहता, सिकंदरा प्रखंड अध्यक्ष सुभाष महतो,लक्ष्मीपुर प्रखंड अध्यक्ष सरिता देवी, जमुई प्रखंड महिला अध्यक्ष रुकसार प्रवीण, पिंटू मंडल, विभा देवी, गोलू कुमार सहित सैकड़ों महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

माँ ने सिखाया मजबूत बनना, बेटी ने थाम लिया माँ का हाथ: क्लिनिक प्लस का डॉटर्स डे संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। माँ अपनी बेटी को जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने, अपनी आवाज़ पहचानने और खुद पर भरोसा करने की सीख देती है। लेकिन समय के साथ वही सीख एक दिन बेटी के जरिए माँ के पास लौटती है। इसी भाव को सामने लाते हुए क्लिनिक प्लस ने इस डॉटर्स डे पर अपनी नई फिल्म #MaaKiMazbooti पेश की है। **फिल्म का केंद्रीय संदेश है** — 'माँ की मजबूरी नहीं, बेटी होती है माँ की मजबूती।' फिल्म की कहानी एक लेखिका के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो अपने जीवन से जुड़ी कविताओं की किताब लॉन्च करती है। जब उससे उसकी प्रेरणा के बारे में पूछा जाता है, तो वह अपनी बेटी की ओर इशारा करती है। कहानी इसके बाद माँ-बेटी के सफर में लौटती है, जहाँ बचपन की एक छोटी-सी घटना से शुरू हुआ उनका रिश्ता समय के साथ गहरे भरोसे और साथ में बदल जाता है। जब माँ अपनी शादी और जिंदगी से जुड़े मुश्किल फैसलों के बीच खड़ी होती है, तब बेटी उसकी खामोशी को समझती है और उसे अपने लिए सोचने का हौसला देती है। माँ ने जिस आत्मविश्वास की नींव कभी बेटी में रखी थी, वही मजबूती अब बेटी के जरिए माँ तक लौटती है। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) में ब्यूटी एंड वेलबीइंग की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हरमन ढिल्लों ने कहा, "एक माँ अपनी बेटी को मजबूत, संवेदनशील और आत्मनिर्भर बनाती है, और एक दिन वही बेटी माँ का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। यह फिल्म उसी खूबसूरत बदलाव का उत्सव है, जहाँ माँ का दिया हुआ आत्मविश्वास लौटकर उसी का संबल और हौसला बन जाता है।" यह फिल्म क्लिनिक प्लस के #MeriBetiStrong अभियान की विरासत को आगे बढ़ाती है और माँ-बेटी के रिश्ते में ताकत के बदलते रूप को सामने रखती है। कभी-कभी माँ अपनी बेटी को जो ताकत देती है, वह घूमकर उसी के पास लौट आती है।

समस्तीपुर रूट की कई एक्सप्रेस ट्रेनें कैंसिल, मौर्य एक्सप्रेस का रूट बदला

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन में झारसुगुड़ा यार्ड के आधुनिकीकरण का काम होना है। इसी वजह से समस्तीपुर मंडल से गुजरने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों पर असर पड़ेगा। रेलवे के अनुसार, 27 नवंबर से 14 दिसंबर तक नॉन-इंटरलॉकिंग का काम चलेगा, जबकि 15 दिसंबर को 10 घंटे का मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। 16 और 17 दिसंबर को पोस्ट ब्लॉक का काम होगा। **कौन-सी ट्रेनें रद्द रहेंगी**?:चर्लापल्ली - दरभंगा एक्सप्रेस (17007): 28 नवंबर, 5, 8 और 12 दिसंबर को चर्लापल्ली से नहीं खुलेगी।

दरभंगा - चर्लापल्ली एक्सप्रेस (17008): 1, 8, 11 और 15 दिसंबर को दरभंगा से रद्द।

तिरुपति - रक्सौल एक्सप्रेस (17433): 7 और 14 दिसंबर को तिरुपति से कैंसिल।

रक्सौल - तिरुपति एक्सप्रेस (17434): 10 और 17 दिसंबर को रक्सौल से नहीं चलेगी।

हैदराबाद - रक्सौल एक्सप्रेस (17005): 10 दिसंबर को रद्द।

रक्सौल - हैदराबाद एक्सप्रेस (17006): 13 दिसंबर को रद्द।

मौर्य एक्सप्रेस का बदला रूट:15028 गोरखपुर - संबलपुर मौर्य एक्सप्रेस 30 नवंबर, 6 दिसंबर और 8 से 15 दिसंबर तक संबलपुर की जगह हटिया तक ही जाएगी।

वहीं वापसी में 15027 संबलपुर - गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस 1, 7 और 9 से 16 दिसंबर तक संबलपुर के बजाय हटिया से ही रवाना होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले एक बार ट्रेन की स्थिति जरूर चेक कर लें।

अखिल भारत सर्वोदय मंडल का दो दिवसीय कार्य समिति की बैठक संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

सीतामढी।अखिल भारत सर्वोदय मंडल की कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक बाबा आबा कांबले की अध्यक्षता में हिसारिया विवाह भवन सीतामढ़ी बिहार में संपन्न हो गया,बैठक में 6राज्यों के करीब 62 प्रतिनिधियों ने भाग लेकर देश भर में बढ़ रहे महिलाओं के प्रति अपराध की घटना पर रोक लगाने,बिहार भूदान यज्ञ समिति कोअविलंब पुनर्गठन करने,भूदान एवं महाराष्ट ग्रामदान अधिनियम की और सक्रिय बनाने,उड़ीसा में नशाबंदी लागू करने ,अदानी ग्रुप के द्वारा सामाजिक कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमा में फ़साने का निंदा एवं विरोध करने,चुनाव आयोग द्वारा लोकतंत्र की हत्या करने,सेटेलाइट सिटी योजना का किसानों के द्वारा विरोध करने,खादी संस्थाओं के समक्ष उत्पन्न स्थिति वो संकट, गांधी स्मृति यात्रा का राज्य स्तर पर आयोजन करने आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक

चर्चा किया गया, और कई निर्णय लिये गए।बैठक में 8राज्यों में गांधी स्मृति यात्रा का आयोजन,देश भर के 200साथियों की एक टीम बनाकर सर्वोदय समाज का मजबूत करने का कार्य करना,60गांवों में महिलाओं के बीच शांति सेना शिविर का आयोजन करना,भूदान एवं खादी ग्रामोद्योग की समस्या को लेकर मुख्य मंत्री बिहार से मिलने का कार्यक्रम बनाया गया। इस अवसर पर गुजरात से महादेव विद्रोही,मध्य प्रदेश के अरुण भारतीय,महाराष्ट से बाबा कामले,एवं धर्मेंद्र सिंह राजपुर,झारखंड से विश्वनाथ,आजाद,विनोद स्वरूप,उड़ीसा से कैलाश साहू,रमाकांत भाई,बिहार से डॉ आनंद किशोर,विजय भाई,सीमा कुमारी,नंद किशोर मंडल,चंद्र भूषण,राम प्रमोद मिश्रा,संजीव कुमार,सूर्य नारायण भारती,मुनीश ओम प्रकाश सिंह अधिवक्ता,प्रवीण सिंह,डॉ दीपक कुमार सिंह, के अलावे कई जिलों के सर्वोदय के अध्यक्ष,लोकसेवक,सर्वोदय मित्र उपस्थित थे। बैठक में अगला अधिवेशन उड़ीसा, और कार्य समिति की बैठक सतना मध्यप्रदेश में आयोजित करने का तय किया गया।

आवास प्लस-2 की सर्वे सूची को ग्राम सभा से अनुमोदन कराने को लेकर बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।ग्रामीण विकास विभाग, बिहार पटना एवं जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पूर्वी चंपारण मोतिहारी के निर्देश तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, सुगौली के आदेश के आलोक में रविवार को ग्राम पंचायत उत्तरी सुगांव के पंचायत सरकार भवन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया रंजीत कुमार झा ने की।ग्राम सभा में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस-2 के तहत तैयार की गई सर्वे सूची को कोटिवार प्रारूप एवं प्रतीक्षा सूची के रूप में ग्राम सभा से अनुमोदित कराए जाने से संबंधित निर्देशों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पात्र लाभुकों की सूची, आवास योजना से संबंधित प्रक्रिया तथा पंचायत स्तर पर आवश्यक कार्रवाई

को लेकर ग्रामीणों को जानकारी दी गई। बैठक के दौरान पंचायत में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। ग्रामीणों ने पंचायत के कई वार्डों में नल-जल योजना के सुचारू रूप से संचालित नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों का कहना था कि कई जगहों पर नल लगे होने के बावजूद नियमित रूप से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिससे लोगों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों में नाराजगी भी देखने को मिली। ग्रामीणों की शिकायत पर मुखिया रंजीत कुमार झा ने आश्वासन दिया कि पंचायत के सभी वार्डों में लोगों को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि नल-जल योजना से जुड़ी समस्याओं को संबंधित स्तर पर उठाकर जल्द समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसी भी परिवार को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े। ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों ने पंचायत की अन्य समस्याओं एवं विकास कार्यों से संबंधित सुझाव भी रखे। पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित कर्मियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। ग्राम सभा में पंचायत सचिव प्रमोद कुमार, आवास पर्यवेक्षक उमेश्वरनाथ तिवारी, आवास सहायक राहुल कुमार, कार्यपालक सहायक राजनंदनी कुमारी, उपमुखिया हरिलाल महतो, वार्ड सदस्य मुन्ना कुमार, सुभाष सहनी, मुनचुन कुमार, गौरव मिश्र सहित पंचायत के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बच्चों के चित्रों में दिखी विकसित भारत की कल्पना

नई सोच एक्सप्रेस

खगड़िया।परबत्ता प्रखंड के मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में सेवा संकल्प अभियान के तहत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। चित्रों में शिक्षा, स्वच्छता, तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और विकास की झलक देखने को मिली। प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ता है। वरीय शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि बच्चों के चित्र देश के भविष्य को लेकर उनकी सोच और उम्मीदों को दर्शाते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अंजली कुमारी, राजनंदनी कुमारी, बंदों कुमारी, निक्की कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, सोनम कुमारी, महक कुमारी, शिवानी कुमारी, आराधना कुमारी, उत्कर्ष कुमार, सार्थक कुमार, प्रियांशु कुमार और आयुष कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षक निरंजन कुमार, रामविनोद साह, रामलाल पंडित व मीनाक्षी कुमारी मौजूद रहे।

बिहार विद्यालय अध्यापक महासंघ ने सारण में संगठन को दी नई मजबूती

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।बिहार विद्यालय अध्यापक महासंघ की सारण जिला इकाई का गठन रविवार को शहर के राजेंद्र कॉलेज के समीप स्थित होटल रॉयल गैलेक्सी में आयोजित बैठक में किया गया। कार्यक्रम में संघ के प्रदेश अध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अभिषेक राजन, महासचिव सुबोध कुमार,राज्य संगठन मंत्री कमल राय उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक विस्तार और शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बाद सारण जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। मृत्युंजय कुमार को निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुना गया। वहीं राजीव कुमार, नीरज कुमार और जयप्रकाश सिंह को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कमल नयन पाठक को सचिव, धर्मेंद्र कुमार सिंह को सह सचिव तथा अमरेन्द्र कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया। जय तिवारी को संगठन मंत्री और

रविभूषण कुमार को सह संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा अभिनंदन कुमार को प्रवक्ता तथा आकाश कुमार को सह प्रवक्ता बनाया गया। तौसीफ हुसैन को मीडिया प्रभारी और सुनील कुमार ठाकुर को सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी मिली। शारिक खान को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने तथा शिक्षकों की समस्याओं और अधिकारों को प्रमुखता से उठाने की बात कही। इस मौके पर शिक्षक नेता राजेश तिवारी,विपिन कुमार , धुपेन्द्र तिवारी,मनीष रंजन, सुमित अग्रवाल, अभिषेक राय, आकाश कुमार, ब्रजेश कुमार, अविनाश कुमार, राजीव कुमार सिंह,पिंकी राजपूत,रिंकू सिंह, प्रियंका कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

खगड़िया में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं संग सुनी 'मन की बात'

नई सोच एक्सप्रेस

खगड़िया।बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं दरभंगा विधायक संजय सरावगी ने बेलदौर विधानसभा क्षेत्र के महेशखूंट उत्तरी मंडल स्थित बूथ संख्या 178 पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण किया। कार्यक्रम के बाद संजय सरावगी ने कहा कि 'मन की बात' नागरिकों से संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। इसके जरिए देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रेरक कार्यों, उपलब्धियों और नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है तथा लोगों को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक, जनगणना, सोमनाथ की विरासत और पोषण

जागरूकता सहित विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के लोगों को सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्यों से जोड़ने का आह्वान किया। मौके पर भागलपुर-पूर्णिया-कोसी क्षेत्र के संगठन प्रभारी अनंत नारायण मिश्रा, जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न भगत, जिला महामंत्री डॉ. इंद्रभूषण कुशवाहा, नीतीश कुमार सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा मतदाताओं की राजनीति : कैंपस से चुनावी मैदान तक

आरती कुमारी

देश की राजनीति में युवा मतदाताओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा युवा होने के साथ-साथ पहली बार मतदान करने वाली पीढ़ी भी अब चुनावी विमर्श को प्रभावित करने की स्थिति में है। यही कारण है कि राजनीतिक दल युवाओं और छात्रों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए लगातार नए अभियान, संवाद और संगठनात्मक प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से छात्रों और युवाओं के बीच संवाद को केंद्र में रखकर चलाया जा रहा 'छात्रों की गूंज' अभियान इसी बदलती राजनीतिक प्राथमिकता का हिस्सा है। जून में राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ यह अभियान उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र होते हुए मध्यप्रदेश तक पहुंच चुका है। कांग्रेस इसे देश के दूसरे हिस्सों तक ले जाने की तैयारी में है। अभियान के केंद्र में शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, कौशल विकास और युवाओं की राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दे हैं। इन विषयों की प्रासंगिकता इसलिए भी अधिक है क्योंकि आज का युवा केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित होने वाला मतदाता नहीं है। वह रोजगार, शिक्षा की लागत, परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल अवसर और भविष्य की सुरक्षा जैसे सवालों को अपने रोजमर्रा के जीवन से जोड़कर देखता है। कांग्रेस के लिए यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि युवा मतदाताओं के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करना उसके सामने लंबे समय से एक चुनौती रहा है। ऐसे में छात्रों के बीच जाकर संवाद करना पार्टी की उस कोशिश का हिस्सा माना जा सकता है जिसमें वह युवाओं को केवल चुनाव के समय मिलने वाले मतदाता के रूप में नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रक्रिया के सक्रिय सहभागी के रूप में जोड़ना चाहती है। लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या छात्र संवाद को व्यापक युवा राजनीतिक समर्थन में बदला जा सकता है? इसका उत्तर केवल किसी एक अभियान, सभा या भीड़ के आधार पर नहीं दिया जा सकता। युवा मतदाता कोई एकरूप राजनीतिक समूह नहीं है। अलग-अलग राज्यों, शहरों, सामाजिक पृष्ठभूमियों और शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। महानगर का विश्वविद्यालय छात्र जिस समस्या को सबसे महत्वपूर्ण मान सकता है, वही प्राथमिकता छोटे शहर या ग्रामीण क्षेत्र के युवा की नहीं हो सकती। किसी के लिए प्रतियोगी परीक्षा और सरकारी नौकरी सबसे बड़ा मुद्दा है, तो कोई निजी क्षेत्र में अवसर, स्टार्टअप, तकनीकी शिक्षा या विदेश में करियर को प्राथमिकता देता है। यही वजह है कि छात्र राजनीति और राष्ट्रीय चुनावी राजनीति के बीच सीधी समानता स्थापित करना जोखिम भरा होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव इसका एक उदाहरण है। 19 सितंबर को घोषित परिणाम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के पदों पर जीत दर्ज की, जबकि उपाध्यक्ष पद पर पूर्व एनएसयूआई सदस्य निर्दलीय दीपांशु शोकीन विजयी रहे। एनएसयूआई केंद्रीय पैनल का कोई पद नहीं जीत सकी। इस परिणाम से यह जरूर पता चलता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में एबीवीपी का संगठनात्मक प्रभाव मजबूत बना हुआ है और छात्र राजनीति में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण है। लेकिन इस परिणाम को पूरे देश के युवा मतदाताओं का राजनीतिक संकेतक मानना उचित नहीं होगा। कैंपस चुनाव की अपनी परिस्थितियां होती हैं। उम्मीदवारों की व्यक्तिगत पहचान, स्थानीय संगठन, छात्रावास और कॉलेज स्तर के समीकरण, विश्वविद्यालय से जुड़े मुद्दे तथा छात्र संगठनों की वर्षों से चली आ रही मौजूदगी परिणामों को प्रभावित करती है। लोकसभा या विधानसभा चुनाव का सामाजिक और राजनीतिक दायरा इससे कहीं व्यापक होता है। इसलिए डूसू का परिणाम कांग्रेस के छात्र संगठन के लिए आत्ममंथन का विषय हो सकता है, लेकिन इसे देश के जेन-जी मतदाताओं का अंतिम राजनीतिक फैसला कहना तथ्यों से आगे जाना होगा। फिर भी डूसू परिणाम को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह छात्र राजनीति में संगठनात्मक नेटवर्क की अहमियत को रेखांकित करता है। राजनीतिक अभियान जितना भी आकर्षक हो, उसे स्थायी प्रभाव में बदलने के लिए जमीनी संगठन की आवश्यकता होती है। छात्र राजनीति में एबीवीपी की लंबे समय से मौजूदगी और उसका संगठनात्मक ढांचा भाजपा के व्यापक राजनीतिक नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस के सामने चुनौती यह है कि वह अपने छात्र और युवा संगठनों को कितनी प्रभावी ढंग से सक्रिय कर पाती है। यही राहुल गांधी की युवा रणनीति की वास्तविक परीक्षा भी है। युवाओं के बीच लगातार संवाद करना निश्चित रूप से राजनीतिक पहुंच बढ़ाने का एक माध्यम हो सकता है, लेकिन संवाद को संगठन और नीति से जोड़ना उससे कहीं बड़ी चुनौती है। यदि किसी छात्र से परीक्षा व्यवस्था की समस्या पर बात की जाती है तो उसके बाद उस मुद्दे पर ठोस राजनीतिक प्रस्ताव क्या है? यदि रोजगार की चिंता सामने आती है तो रोजगार सृजन का मॉडल क्या होगा? यदि शिक्षा की बढ़ती लागत सवाल बनती है तो उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की नीति क्या होगी? यदि कौशल विकास की बात होती है तो प्रशिक्षण और रोजगार के बीच मौजूद दूरी को कैसे कम किया जाएगा? युवा राजनीति की विश्वसनीयता इन्हीं सवालों के जवाब से तय होगी। दूसरी तरफ भाजपा के लिए भी युवा समर्थन को स्थायी मान लेना उचित नहीं होगा। युवाओं की नई पीढ़ी तेजी से बदलती सूचना और डिजिटल वातावरण में रहती है। सोशल मीडिया, यूट्यूब, शॉर्ट वीडियो और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने राजनीतिक संवाद की प्रकृति बदल दी है। युवा सरकार से भी सवाल करता है और विपक्ष से भी। वह राजनीतिक दलों के पारंपरिक प्रचार माध्यमों से आगे जाकर विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करता है। इसलिए किसी भी दल के लिए केवल लोकप्रियता या संगठन के पुराने ढांचे के आधार पर युवा समर्थन को स्थायी मानना सही रणनीति नहीं होगी। राहुल गांधी के अभियान के दौरान इंदौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल को लेकर उठा विवाद भी इसी बदलते राजनीतिक वातावरण का उदाहरण है। भाजपा ने कार्यक्रम में हुई प्रस्तुति को लेकर राहुल गांधी से माफी की मांग की, जबकि कांग्रेस की ओर से इसे छात्रों के कार्यक्रम के दौरान हुई हास्य प्रस्तुति के रूप में देखा गया। ऐसे विवाद स्वाभाविक रूप से राजनीतिक चर्चा को आकर्षित करते हैं, लेकिन इनके बीच मूल सवाल पीछे छूट सकता है—युवा आखिर चाहता क्या है? युवाओं के लिए रोजगार केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि भविष्य की चिंता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी या अनियमितता केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि कई वर्षों की मेहनत और आर्थिक निवेश से जुड़ी होती है। शिक्षा की बढ़ती लागत परिवारों के बजट को प्रभावित करती है। डिजिटल शिक्षा ने अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन डिजिटल विभाजन अब भी चुनौती है। कौशल विकास के बावजूद उद्योग की जरूरत और प्रशिक्षण के बीच अंतर बना रह सकता है। इन सवालों पर राजनीतिक दलों की गंभीरता ही युवा संवाद की वास्तविक कसौटी होगी।

राजनीतिक दलों के लिए एक और चुनौती यह है कि युवा नेतृत्व को केवल मंच पर स्थान देने और वास्तविक निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने के बीच बड़ा अंतर है। यदि युवाओं को केवल भीड़ जुटाने, सोशल मीडिया प्रचार या चुनावी अभियान के लिए इस्तेमाल किया जाता है, तो वह राजनीतिक भागीदारी का स्थायी मॉडल नहीं बन सकता। इसके विपरीत यदि स्थानीय स्तर पर युवा नेतृत्व विकसित किया जाए, छात्रों को नीति निर्माण पर संवाद का अवसर मिले और उनकी समस्याओं को संगठनात्मक एजेंडे में जगह मिले तो राजनीतिक जुड़ाव अधिक स्थायी हो सकता है। कांग्रेस के लिए इसलिए 'छात्रों की गूंज' जैसे अभियान की सफलता का मूल्यांकन कार्यक्रमों की संख्या से अधिक इस आधार पर किया जाना चाहिए कि वह कितने युवाओं के साथ निरंतर संवाद कायम कर पाती है और उस संवाद को संगठन तथा नीति में कितनी जगह देती है। वहीं भाजपा के लिए चुनौती अपने मौजूदा युवा और छात्र नेटवर्क को बदलती पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप सक्रिय बनाए रखने की है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का स्थायी मतदाता मानकर नहीं चला जा सकता। एक युवा केंद्र सरकार की किसी नीति का समर्थन कर सकता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर रोजगार या परीक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर नाराज हो सकता है। वह किसी राज्य सरकार की योजना से संतुष्ट हो सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर अलग राजनीतिक प्राथमिकता रख सकता है। लोकतंत्र में यह विरोधाभास नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता का हिस्सा है।

इसलिए युवा मतदाताओं की राजनीति को केवल 'किस दल के साथ युवा है' जैसे सरल सवाल में सीमित करना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि कौन-सा राजनीतिक दल बदलती युवा आकांक्षाओं को कितनी गंभीरता से समझता है, उनके सवालों के कितने ठोस जवाब देता है और संवाद को चुनावी मौसम से बाहर भी जारी रखता है। राहुल गांधी का छात्रों के बीच बढ़ता संवाद इस बात का संकेत है कि कांग्रेस युवा मतदाताओं को अपनी राजनीतिक रणनीति के केंद्र में लाने की कोशिश कर रही है। डूसू का परिणाम दूसरी ओर छात्र राजनीति में कांग्रेस के सामने संगठनात्मक चुनौती को सामने रखता है। भाजपा के लिए भी यह समय अपने युवा आधार को केवल संगठनात्मक ताकत के भरोसे छोड़ने के बजाय रोजगार, शिक्षा, कौशल, उद्यमिता और अवसरों से जुड़े सवालों पर निरंतर संवाद करने का है। आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति में युवा मतदाता केवल चुनावी संख्या नहीं रहेगा। वह राजनीतिक विमर्श का सक्रिय निर्माता भी होगा। उसके हाथ में मतदान की शक्ति के साथ सूचना की शक्ति भी है। वह सवाल पूछता है, तुलना करता है और डिजिटल माध्यमों पर राजनीतिक दावों की पड़ताल करता है। इसलिए युवा राजनीति का भविष्य नारों से अधिक संवाद, प्रचार से अधिक नीति और भीड़ से अधिक भरोसे पर निर्भर करेगा। कैंपस से शुरू होने वाली आवाज अगर रोजगार, शिक्षा और अवसर के वास्तविक सवालों तक पहुंचती है तो उसका राजनीतिक महत्व बढ़ेगा। लेकिन यदि छात्र मुद्दे केवल चुनावी रणनीति का हिस्सा बनकर रह गए, तो उनका प्रभाव सीमित रह सकता है। आखिरकार युवा मतदाता किसी अभियान का लक्ष्य मात्र नहीं है। वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्वतंत्र भागीदार है। राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे उसे प्रभावित करने के बजाय उसके सवालों को समझें, जवाब दें और उस जवाबदेही को चुनाव के बाद भी कायम रखें। भारतीय राजनीति में युवा शक्ति की असली दिशा इसी निरंतर संवाद और जवाबदेही से तय होगी।

शोर की राजनीति – पुराना पन्ना खुला क्या?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

यह सप्ताह ऊपर से जितना सामान्य, सीधा और सरल दिखाई दे रहा है, क्या वास्तव में उतना ही सरल है? राजनीति में कई बार घटनाएं सामने घटती हैं, लेकिन उनका वास्तविक प्रभाव कहीं और जाकर दिखाई देता है। एक मुद्दा उठता है, बहस छिड़ती है, सत्ता और विपक्ष आमने-सामने आते हैं और अचानक कोई दूसरी घटना पूरे विमर्श की दिशा बदल देती है। तब जरूरत होती है थोड़ा ठहरने की, स्मृतियों को पुनर्स्थापित करने की और घटनाओं के बीच के उस अंतराल को पढ़ने की, जहां राजनीति अपनी सबसे दिलचस्प चाल चलती है। कभी-कभी लगता है कि समय अपने साथ बहुत कुछ बहाकर ले गया। लेकिन राजनीति की स्मृति विचित्र होती है। जो बात कल तक सबसे बड़ा मुद्दा थी, वह आज अखबार के किसी कोने में चली जाती है और कोई नया विवाद पूरे सार्वजनिक विमर्श का केंद्र बन जाता है। इसे कोई "कल्पनाओं के सागर से गागर भरना" कह सकता है, कोई इसे राजनीतिक संयोग मानेगा और कोई इसे रणनीतिक विमर्श-परिवर्तन। लेकिन एक बात निश्चित है कि राजनीति में कोई घटना अकेली नहीं होती है। उसके पहले की परिस्थितियां और उसके बाद पैदा होने वाला नैरेटिव, दोनों मिलकर उसकी अहमियत तय करते हैं। सितम्बर के मध्य में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी भाजपा अथवा एनडीए-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता यानि UCC लागू करने का लक्ष्य है। इस घोषणा के बाद एनडीए के भीतर भी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई। खास तौर पर बिहार में जदयू ने स्पष्ट किया है कि वह राज्य में बिना पर्याप्त विचार-विमर्श के ऐसी व्यवस्था को स्वीकार नहीं करेगा। यहीं से राजनीति के कई पुराने सवाल फिर जीवित हो गए कि क्या समान नागरिक संहिता पूरे देश में एक समान कानून की दिशा में कदम है? क्या इसे राज्यों के माध्यम से लागू किया जाना चाहिए? क्या इसके लिए व्यापक सामाजिक विमर्श जरूरी है? और सबसे बड़ा सवाल है कि क्या गठबंधन की राजनीति में सहयोगी दलों की अलग-अलग वैचारिक प्राथमिकताओं के बावजूद इस लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सकता है? कानूनी दृष्टि से भी UCC का विषय सामान्य राजनीतिक नारा नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने की बात कहता है। लेकिन संविधान ने इसके कार्यान्वयन की कोई निश्चित राष्ट्रीय समय-सीमा निर्धारित नहीं की है। इसलिए जब 2029 की समय-सीमा राजनीतिक रूप से सामने आती है, तो स्वाभाविक रूप से बहस केवल कानून की नहीं रहती है वह संघीय ढांचे, सामाजिक सहमति और गठबंधन-राजनीति तक पहुंच जाती है और यहीं से कहानी में एक नया मोड़ आता है। एक सप्ताह पहले तक UCC राजनीतिक विमर्श के प्रमुख मुद्दों में था। फिर निर्वाचन आयोग से संबंधित खबरों ने अचानक राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बदल दिया। रिपोर्टों के अनुसार, निर्वाचन आयोग के भीतर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ निर्णयों पर निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कई अवसरों पर आपत्तियां दर्ज की थी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस महीनों में कम-से-कम 14 मौकों पर ऐसे मतभेद दर्ज किए गए। इसके बाद विपक्ष ने निर्वाचन प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण यानि SIR को लेकर अपने आरोप और तेज कर दिए। इसके बाद राहुल गांधी ने 24 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अपने राजनीतिक अभियान को "वोट चोरी" और "कानून चोरी" जैसे नारों से जोड़ते हुए चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। भाजपा ने इन आरोपों को खारिज किया। यही वह बिंदु है जहां इस सप्ताह को केवल घटनाओं की सूची के रूप में देखने के बजाय राजनीतिक संचार की दृष्टि से पढ़ना दिलचस्प हो जाता है। एक मुद्दा था "UCC" और दूसरा मुद्दा बन गया "चुनावी प्रक्रिया"। पहले बहस सत्ता और उसके सहयोगियों के बीच दिखाई दे रही थी। दूसरे मुद्दे में विपक्ष को सरकार और निर्वाचन तंत्र पर सवाल उठाने का नया मंच मिल गया। इसे किसी के लिए राजनीतिक लाभ या हानि का अंतिम निष्कर्ष मान लेना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना स्पष्ट है कि सार्वजनिक विमर्श की दिशा बदल गई। राजनीति में कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जिनका जीवन सामान्य मुद्दों से बहुत लंबा होता है। वे एक पक्ष को हमला करने का अवसर देते हैं तो दूसरे पक्ष को अपने बचाव का। इसी अर्थ में विवादित मुद्दे कभी-कभी उस "अमृत बूटी" की तरह हो जाते हैं, जिसे दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक जीवन के लिए उपयोगी मानते हैं। सरकार के लिए यह अवसर हो सकता है कि वह अपनी नीतियों और निर्णयों का पक्ष रखे। विपक्ष के लिए यह अवसर हो सकता है कि वह सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए। मीडिया के लिए यह बहस का विषय बनता है और जनता के लिए राजनीतिक विमर्श का नया केंद्र। लेकिन लोकतंत्र में इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता है। जनता को यह समझना होगा कि हर शोर सत्य नहीं होता और हर आरोप प्रमाण नहीं होता। आरोपों की जांच संस्थागत प्रक्रिया से होगी। चुनाव आयोग पर उठे प्रश्नों का उत्तर दस्तावेजों, नियमों और संवैधानिक प्रक्रियाओं से ही मिल सकता है। उसी तरह UCC पर बहस भी नारों से नहीं, कानून के वास्तविक प्रावधानों और उनके सामाजिक प्रभावों से होनी चाहिए।

सर्जिकल स्ट्राइक : बदली हुई भारत की सैन्य नीति और निर्णायक नेतृत्व का नया आत्मविश्वास

आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी'
कटिहार, बिहार

28–29 सितंबर 2016 की रात भारतीय सैन्य इतिहास में केवल एक सफल सैन्य अभियान के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि इसे स्वतंत्र भारत की सुरक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। उस रात भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा के पार जाकर आतंकवादी लॉन्च पैडों को लक्ष्य बनाते हुए जिस प्रकार की कार्रवाई की, उसने केवल सीमा पार बैठे आतंकवादी ढाँचों को ही नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा नीति के बारे में दशकों से बनी अनेक धारणाओं को भी चुनौती दी। यह संदेश केवल पाकिस्तान या आतंकवादी संगठनों के लिए नहीं था, बल्कि पूरी दुनिया के लिए था कि भारत अब अपनी सुरक्षा चुनौतियों का उत्तर केवल कूटनीतिक विरोध तक सीमित नहीं रखेगा; आवश्यकता पड़ने पर वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सीमित, लक्षित और योजनाबद्ध सैन्य कार्रवाई करने का भी साहस रखता है। इस अभियान की पृष्ठभूमि 18 सितंबर 2016 के उरी आतंकी हमले में थी, जिसमें भारतीय सेना के 19 जवान शहीद हुए। देशभर में आक्रोश था। ऐसे समय में सरकार के सामने कई विकल्प थे—केवल कूटनीतिक विरोध दर्ज कराना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मामला उठाना या फिर सैन्य विकल्पों पर विचार करना। अंततः भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई का मार्ग चुना। इस निर्णय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा सेना की पेशेवर क्षमता के संयुक्त परिणाम के रूप में देखा गया यह समझना आवश्यक है कि सर्जिकल स्ट्राइक केवल सैनिकों की बहादुरी का परिणाम नहीं होती। इसके पीछे महीनों की खुफिया तैयारी, सटीक सूचना, आधुनिक तकनीक, विशेष बलों का प्रशिक्षण, राजनीतिक स्तर पर जोखिम उठाने की क्षमता और कार्रवाई के बाद उत्पन्न होने वाली कूटनीतिक परिस्थितियों का आकलन भी शामिल होता है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में सेना अपने स्तर पर ऐसी कार्रवाई नहीं करती; इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व की स्वीकृति आवश्यक होती है। इसलिए इस अभियान में सेना की वीरता और राजनीतिक नेतृत्व के निर्णय—दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। भारत की सैन्य शक्ति का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। 1947–48, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्धों में भारतीय सेना ने अपने साहस का परिचय दिया। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि भारत में पहले क्षमता नहीं थी। क्षमता, साहस और पेशेवर दक्षता भारतीय सेनाओं की पहचान लंबे समय से रही है। अंतर केवल यह था कि समय-समय पर राजनीतिक नेतृत्व ने विभिन्न परिस्थितियों में अलग-अलग रणनीतियाँ अपनाईं। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को अनेक विश्लेषक इस दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं कि इसने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की प्रतिक्रिया के स्वरूप में परिवर्तन का संकेत दिया। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद यह धारणा मजबूत हुई कि भारत केवल रक्षात्मक नीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यदि सीमा पार से लगातार आतंकवादी ढाँचे संचालित किए जाते हैं, तो भारत उनके विरुद्ध लक्षित कार्रवाई का विकल्प भी खुला रखेगा। इसके बाद 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के पश्चात बालाकोट हवाई कार्रवाई ने भी इस बदले हुए दृष्टिकोण की चर्चा को और बल दिया। इन घटनाओं का एक मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी पड़ा। लंबे समय तक भारतीय जनमानस में यह धारणा बनी रही थी कि भारत उकसावे का जवाब मुख्यतः कूटनीतिक माध्यमों से देता है। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद समर्थकों का मानना है कि देश में आत्मविश्वास बढ़ा और यह संदेश गया कि भारत अपनी संप्रभुता और सैनिकों के सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का साहस रखता है। हालाँकि, यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी एक सैन्य अभियान से आतंकवाद जैसी जटिल समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता। आतंकवाद केवल सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि राजनीतिक, वैचारिक, कूटनीतिक और सुरक्षा संबंधी अनेक आयामों वाला विषय है। इसलिए सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ खुफिया तंत्र, सीमा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आंतरिक सुरक्षा को भी समान रूप से मजबूत करना आवश्यक है। यहीं सर्जिकल स्ट्राइक का व्यापक महत्व सामने आता है। इसे केवल एक सैन्य अभियान के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के उस संदेश के रूप में देखा गया कि भारत आवश्यकता पड़ने पर सक्रिय और निर्णायक विकल्प अपनाने की क्षमता रखता है। भारत की सुरक्षा नीति में सर्जिकल स्ट्राइक का सबसे बड़ा संदेश केवल सीमा पार की गई कार्रवाई नहीं था, बल्कि यह था कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर राजनीतिक नेतृत्व, सैन्य नेतृत्व और खुफिया तंत्र के बीच यदि स्पष्ट समन्वय हो तो कठिन से कठिन निर्णय भी प्रभावी ढंग से लागू किए जा सकते हैं। किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र में सेना का पराक्रम तभी निर्णायक परिणाम देता है जब उसे स्पष्ट राजनीतिक दिशा, समय पर निर्णय और आवश्यक कूटनीतिक समर्थन प्राप्त हो। यही कारण है कि 2016 की कार्रवाई को अनेक विश्लेषकों ने भारत की सुरक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना। समर्थकों का मत है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने यह संकेत दिया कि आतंकवाद के विरुद्ध केवल प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि आवश्यक होने पर सक्रिय प्रतिरोध भी राष्ट्रीय नीति का हिस्सा हो सकता है। हालाँकि यह भी उतना ही आवश्यक है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को दलगत राजनीति के संकीर्ण दायरे में न बाँधा जाए। भारतीय सेना का शौर्य किसी एक सरकार या किसी एक राजनीतिक दल की उपलब्धि नहीं है। यह राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। लेकिन यह भी एक लोकतांत्रिक सत्य है कि सेना की क्षमता का उपयोग किस परिस्थिति में और किस प्रकार किया जाएगा, इसका अंतिम निर्णय निर्वाचित राजनीतिक नेतृत्व ही करता है। इसलिए समर्थकों के दृष्टिकोण से यदि इस अभियान ने भारत की रणनीतिक सोच में परिवर्तन का संकेत दिया, तो उस परिवर्तन का श्रेय सैनिकों की वीरता के साथ-साथ उस राजनीतिक नेतृत्व को भी दिया जाना स्वाभाविक है जिसने जोखिमों का आकलन कर निर्णय लिया। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भारत की वैश्विक छवि पर भी व्यापक चर्चा हुई। अनेक देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की चिंता को गंभीरता से लिया और सीमा पार आतंकवाद के प्रश्न पर भारत के पक्ष को पहले की तुलना में अधिक ध्यान मिला। यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारत के दृष्टिकोण से पूर्णतः सहमत हो गई, क्योंकि प्रत्येक देश अपनी विदेश नीति और रणनीतिक हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देता है। फिर भी यह स्पष्ट हुआ कि भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी नीति को अधिक मुखर और सक्रिय रूप में प्रस्तुत किया। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण प्रभाव भारतीय समाज के मनोविज्ञान पर भी पड़ा। लंबे समय से आतंकवादी हमलों के बाद देश में आक्रोश तो दिखाई देता था, लेकिन यह धारणा भी बनी रहती थी कि भारत के पास विकल्प सीमित हैं। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय आत्मविश्वास के पुनर्जागरण के रूप में देखा। उनके अनुसार यह संदेश गया कि भारत केवल सहने वाला राष्ट्र नहीं, बल्कि आवश्यक होने पर निर्णायक उत्तर देने में सक्षम राष्ट्र है। यह आत्मविश्वास केवल सैन्य शक्ति का परिणाम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय इच्छाशक्ति का भी परिचायक माना गया। लेकिन आत्मविश्वास का अर्थ आक्रामकता नहीं होता। भारत की विदेश और सुरक्षा नीति का मूल आधार आज भी "शांति, लेकिन कमजोरी नहीं" की अवधारणा रही है। भारत ने कभी विस्तारवादी नीति का समर्थन नहीं किया। उसकी सैन्य शक्ति का उद्देश्य किसी दूसरे देश की भूमि पर अधिकार करना नहीं, बल्कि अपनी सीमाओं, नागरिकों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। यही कारण है कि सर्जिकल स्ट्राइक को भी एक सीमित, लक्षित और विशिष्ट उद्देश्य वाली कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत किया गया। आज जब विश्व नई सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है—साइबर युद्ध, ड्रोन हमले, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सैन्य तकनीक, सीमा पार आतंकवाद और हाइब्रिड युद्ध—तब भारत को केवल अपने अतीत की सफलताओं पर संतुष्ट नहीं होना चाहिए। सर्जिकल स्ट्राइक एक महत्वपूर्ण अध्याय है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है भविष्य की तैयारी। रक्षा अनुसंधान, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, आधुनिक हथियार प्रणाली, सीमा अवसंरचना, खुफिया तंत्र और तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय पर निरंतर निवेश आवश्यक है। 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा का रक्षा क्षेत्र से भी गहरा संबंध है। यदि देश अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए अत्यधिक आयात पर निर्भर रहेगा, तो दीर्घकाल में उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। इसलिए स्वदेशी मिसाइल प्रणाली, आधुनिक तोपें, युद्धपोत, लड़ाकू विमान, ड्रोन, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष आधारित रक्षा क्षमता का विकास केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। समर्थकों का तर्क है कि पिछले वर्षों में इस दिशा में नीति स्तर पर विशेष बल दिया गया है और इसका दीर्घकालिक प्रभाव भारत की सामरिक क्षमता को और मजबूत करेगा। सर्जिकल स्ट्राइक ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया—राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमा पर खड़े सैनिक की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक चेतना का विषय है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा। शुभ अंक – 4

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी। शुभ अंक – 1

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुये है। ऑफिस में फ़ोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। आज किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करना चाहते है तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले लें। शुभ अंक – 5

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में ख़ुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका भी मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। शुभ अंक – 9

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेंगे। शुभ अंक – 6

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही को ईएमआई पूरी होगी। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज कोई ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर आपको मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आपकी पारिवारिक स्थितियां पहले से अनुकूल बनेंगी। शुभ अंक – 3

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको खान पान का खास ख्याल रखना चाहिए। आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चो में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज वाहन चलाते समय आप फोन का इस्तेमाल न करें। विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। शुभ अंक – 8

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे। शुभ अंक – 8

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज आपका कोई रिश्तेदार आपके लिए उपहार लेकर आयेगा। शुभ अंक – 9

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कोई नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे। स्टेशनरी का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा मुनाफा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का बड़े अधिकारियों से संपर्क बढ़ेगा। शुभ अंक – 4

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवॉर्ड मिलेगा। अपने आप को एकदम फिट एंड फाइन रखने के लिए एक्सरसाइज करें। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा, साथ ही कुछ और शुरू करने का मन बनायेंगे। शुभ अंक – 1

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बिजली व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्रोत भी आपको मिलेंगे। शुभ अंक – 3

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस नेताओं ने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मिलकर जताया शोक

रांची। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली से रांची पहुंचकर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के आवास पर उनसे मुलाकात की और उनकी पुत्री के आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेताओं भंवर जितेंद्र सिंह, सुप्रिया श्रीनेत, काजी निजामुद्दीन, कनिष्क सिंह, देवेंद्र यादव, परेश धनानी, अजय शर्मा, आदेश रावल, प्रणव झा एवं मेघना पटेल ने मंत्री और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। नेताओं ने कहा कि पुत्री को खोने का दुख असहनीय है। इस कठिन समय में पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ खड़ा है। कांग्रेस नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुलाकात के दौरान माहौल भावुक रहा।

हरमू में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर कालिख पोतने की घटना पर भाजपा ने जताई नाराजगी

रांची।हरमू स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के चेहरे पर कालिख पोते जाने की घटना की भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे महापुरुष के अपमान के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली घटना बताया। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले महान राष्ट्रनायक थे। उनकी प्रतिमा का अपमान केवल प्रतिमा का अपमान नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक और राष्ट्रवादी चेतना का अपमान है। उन्होंने कहा कि कालिख पोतने जैसी घटनाओं से डॉ. मुखर्जी के विचारों को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान की जाए और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड की धरती वीरों और शहीदों की धरती है तथा महापुरुषों की प्रतिमाओं का अपमान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारों का मुकाबला विचारों से होना चाहिए, इस तरह की घटनाओं से नहीं। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मामले के पीछे की वजह और संभावित साजिश की भी जांच करने की मांग की।

टाटीझरिया में प्रखंड स्तरीय 'खेलो झारखंड' प्रतियोगिता का आयोजन आज

टाटीझरिया (हजारीबाग)।प्रखंड संसाधन केन्द्र, टाटीझरिया के प्रांगण में 28 सितंबर 2026 को प्रखंड स्तरीय 'खेलो झारखंड' प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, टाटीझरिया द्वारा एक आधिकारिक आमंत्रण पत्र जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के SOP तथा झारखंड शिक्षा परियोजना के पत्रांक 3697 (दिनांक 18.09.2026) के आलोक में यह आयोजन प्रखंड संसाधन केन्द्र, टाटीझरिया (होलंग) के प्रांगण में सुबह 7:00 बजे से आयोजित होगा। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों एवं जनप्रतिनिधियों मे प्रमुख उप-प्रमुख, टाटीझरिया, हजारीबाग एवं कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि, मांडू एवं बरकठा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, टाटीझरिया, बीस सूत्री अध्यक्ष, टाटीझरिया,मुखिया, टाटीझरिया ,स्थानीय सभी पत्रकार बंधु को आमंत्रित किया है

झरपो मे कान्यकुब्ज ज्योतिषी ब्राह्मण समिति की बैठक आयोजित, सामाजिक विकास पर मंथन

टाटीझरिया (हजारीबाग)।प्रखंड क्षेत्र के झरपो (राजगढ़ मोहल्ला, शांति मार्ग) स्थित 'नैतिक सह बौद्धिक संवर्धन बाल संस्कार शाला' परिसर में दिन रविवार समय 11 बजे 27 सितंबर को कान्यकुब्ज ज्योतिषी ब्राह्मण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रखंड अध्यक्ष सह प्रदेश संरक्षक कौलेश्वर मिश्रा ने की। बैठक के दौरान समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने समाज हित में रचनात्मक कार्य करने और एकजुटता बनाए रखने पर बल दिया। साथ ही तीन दिवसीय जीवित पुत्रीका पूजा पर्व को लेकर सभी क्षेत्रवासियो को हिंदी महीने के आश्विन अंग्रेजी महीने के 2 अक्टूबर से इस पर्व का नहाई खाई के साथ आरम्भ हो रही है जो 3 अक्टूबर और 4 अक्टूबर को जीवित पुत्रीका पूजा किया जायेगा. इस अवसर पर मुख्य रूप से कामेश्वर पांडेय, विजय पांडेय, महादेव पांडेय राहुल मिश्रा, चतुर्भुज पाण्डेय, सुधीर पंडा, रामचंद्र पंडा, संदीप पाण्डेय, मथुरा पाण्डेय, विकास मिश्रा, बसंत पाण्डेय,रामचन्द्र पाण्डेय,सहित समाज के कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बरही की वर्षा कुमारी का झारखंड महिला अंडर-19 टीम में चयन

सांसद मनीष जायसवाल ने दी बधाई

हजारीबाग (बरही)। बेटी दिवस के अवसर पर हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड की युवा महिला क्रिकेटर वर्षा कुमारी का चयन झारखंड महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। वीरेंद्र कुमार की पुत्री वर्षा की इस उपलब्धि से हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ और स्थानीय खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। हजारीबाग सांसद सह एचडीसीए चेयरमैन मनीष जायसवाल ने वर्षा को बधाई देते हुए कहा कि उसने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बल पर यह मुकाम हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। उन्होंने खिलाड़ी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं एचडीसीए के अध्यक्ष राजीव सिंह और सचिव बंटी तिवारी ने चयन को संघ के लिए गौरव का विषय बताते हुए उम्मीद जताई कि वर्षा आगामी मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन करेंगी और अन्य युवा महिला खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेंगी।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने पत्नी संग किए केदारनाथ व बदरीनाथ धाम के दर्शन

हजारीबाग।लोकसभा की प्राक्कलन समिति के अध्ययन दौरे के तहत हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने 25 और 26 सितंबर को अपनी पत्नी निशा जायसवाल के साथ केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दोनों पावन धामों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर हजारीबाग संसदीय क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दौरे के क्रम में सांसद जायसवाल ने केदारनाथ और बदरीनाथ श्राइन बोर्ड की समीक्षा बैठकों में भाग लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, सुरक्षा इंतजामों और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से जानकारी ली। सांसद ने इस यात्रा को आध्यात्मिक अनुभूति बताते हुए देवभूमि के दर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

विश्व पर्यटन दिवस पर ऑड्रे हाउस में आयोजन, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों का सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार को रांची स्थित ऐतिहासिक ऑड्रे हाउस में विशेष समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के पर्यटन क्षेत्र में योगदान देने वाले पर्यटक मित्रों, होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। पर्यटन, कला-संस्कृति एवं खेलकूद विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटक मित्र आगंतुकों को स्थानीय जानकारी, सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र भी पर्यटकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में सहयोगी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अन्य स्टेकहोल्डर्स डिजिटल माध्यमों और रचनात्मक सामग्री के जरिए झारखंड के प्राकृतिक सौंदर्य, पर्यटन स्थलों और विविध अनुभवों को देश-दुनिया तक पहुंचाने में योगदान दे रहे हैं। पर्यटन निदेशक नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि आयोजन झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को व्यापक पहचान दिलाने के साझा प्रयास का प्रतीक है। विभाग स्थानीय समुदायों, पर्यटक मित्रों, होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र तथा अन्य साझेदारों की सहभागिता से पर्यटन अनुभव बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। समारोह में प्रबंध निदेशक श्री प्रेम रंजन सहित विभागीय पदाधिकारी और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे।

» पर्यटक मित्रों की भूमिका महत्वपूर्ण, स्थानीय जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में निभा रहे अहम योगदान : मुकेश कुमार

SIR को लेकर कांग्रेस के आरोप बेबुनियाद : आदित्य साहू

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि चुनाव आयोग के आधिकारिक संयुक्त बयान के बाद कांग्रेस और विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग तथा एसआईआर (SIR) को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की वास्तविकता सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर सहित चुनाव आयोग के सभी प्रमुख फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में साहू ने कहा कि 26 सितंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में स्पष्ट किया गया है कि 24 जून 2025 के मूल आदेश सहित एसआईआर की प्रक्रिया और विभिन्न चरणों की समय-सारणी पर आयोग के सभी सदस्यों की सहमति थी। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा आयोग में मतभेद होने का दावा तथ्यहीन है। साहू ने कहा कि फॉर्म-6 से जुड़े घोषणापत्र को लेकर भी विपक्ष भ्रम फैला रहा है। उनके अनुसार, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 से संबंधित घोषणापत्र में कोई बदलाव नहीं किया गया है और गैर-एसआईआर अवधि में पूर्व निर्धारित नियमों के तहत प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग हर पात्र नागरिक को मताधिकार सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए रैन बसेरों, मजदूरों और बेघर लोगों के लिए विशेष कैंप लगाने तथा छूटे लोगों के घर जाकर बीएलओ के माध्यम से फॉर्म एकत्र करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं को लेकर लगातार सवाल उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने ईवीएम, राफेल, बालाकोट एयर स्ट्राइक और तवांग की घटना से जुड़े राहुल गांधी के पूर्व बयानों का भी उल्लेख किया। साहू ने कहा कि कांग्रेस को चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर लगाए गए आरोपों के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष को तथ्यों का सम्मान करना चाहिए। प्रेसवार्ता में प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह, राफिया नाज, मीडिया सह प्रभारी सतीश सिन्हा और नीरज सिंह मौजूद थे।

बाराद्वारी में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, 70 लोगों की हुई आंखों की जांच

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्वी सिंहभूम। सेवा पखवाड़ा के तहत मेरा युवा भारत यूथ क्लब की ओर से रविवार को बाराद्वारी स्थित गांधी आश्रम के सामुदायिक भवन में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देश पर आयोजित शिविर में 70 युवाओं और स्थानीय लोगों की आंखों की जांच की गई।एएसजी आई हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने शिविर में पहुंचने वाले लोगों की आंखों की जांच की। नेत्र चिकित्सक मुनिलाल कुमार ने दृष्टि संबंधी समस्याओं के साथ आंखों से जुड़ी अन्य परेशानियों की भी जांच की। उन्होंने लोगों को नियमित रूप से नेत्र जांच कराने और दृष्टि में किसी तरह की परेशानी को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी।एसजी आई हॉस्पिटल के मार्केटिंग प्रमुख स्वप्निल ने लोगों को मोतियाबिंद के लक्षण, इसके संभावित कारणों और समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंखों से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान और चिकित्सकीय परामर्श से गंभीर जटिलताओं से बचाव किया जा सकता है।शिविर के संचालन में एमडी इमरान, पीआर मार्केटिंग और हर्ष कुमार, एआर टेक्नीशियन ने सहयोग किया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी मोंटू पातर, युवा साथी यूथ क्लब के अध्यक्ष मानव घोष सहित क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कांग्रेस नगर उपाध्यक्ष के पिता के द्वादश श्राद्ध कार्यक्रम मे शामिल हुए जिला कांग्रेस सचिव सह कार्यकर्ता)

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।कांग्रेस के नगर उपाध्यक्ष अजय कुमार मेहता के पिता स्व. दिनेश्वर प्रसाद मेहता के द्वादश श्राद्ध कर्म के अवसर पर विविध राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़े जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक एक मंच पर दिखे। इस शोक सभा में शिरकत कर नेताओं और स्थानीय लोगों ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित झरपो पंचायत के मुखिया सह कांग्रेस के जिला सचिव शिबू प्रसाद सोनी ने स्व. मेहता के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की चिर शांति एवं मोक्ष की प्रार्थना की।राजनीतिक व सामाजिक मतभेदों से परे, संकट की इस घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने हेतु क्षेत्र के कई प्रमुख चेहरे मौजूद रहे। श्रद्धांजलि देने वालों में कांग्रेस किसान मोर्चा के प्रदेश संयोजक दिगंबर कुमार मेहता, कांग्रेस जिला महामंत्री मनोज मेहता तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता मुनेंद्र प्रसाद मेहता प्रमुख थे। इसके अतिरिक्त लक्ष्मीकांत सोनी, ऋषिकांत कुमार, बंटी, एस. पांडेय, आर. शर्मा एवं दिनेश्वर प्रसाद सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर दिवंगत आत्मा के प्रति गहरा आदर व्यक्त किया।

कांग्रेस बैठक में भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर बरसे राजीव रंजन प्रसाद

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।जिला कांग्रेस कार्यालय (कृष्ण बल्लभ आश्रम) में पूर्व सांसद स्व. टेकलाल महतो की 15वीं पुण्यतिथि मनाई गई और मतदाता अधिकारों की रक्षा पर चर्चा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निसार खान, संचालन बाबर अंसारी और धन्यवाद ज्ञापन सोनी मेहता ने किया। मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र की नींव 'वोट' पर हमला हुआ है। वोट चोरी से चुने गए सांसद गैर-कानूनी तरीके से अपनी सीटों पर बैठे हैं और उनके समर्थन से पास हुआ हर फैसला भी गैर-कानूनी है। बैठक में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला और पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने स्व. टेकलाल महतो के योगदान को याद करते हुए उन्हें झारखंड आंदोलन का अग्रणी नेता बताया। कार्यक्रम में विनोद कुशवाहा, नवीन कुमार, अवधेश कुमार सिंह, विनोद सिंह, कृष्णदेव प्रसाद सिंह सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : केशव महतो कमलेश

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और इसमें किसी भी प्रकार की मनमानी या अपारदर्शिता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर पात्र मतदाताओं के अधिकार प्रभावित होने की आशंका गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ कांग्रेस 28 सितंबर को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी। रांची में निर्वाचन आयोग के कार्यालय के समक्ष घेराव-प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने से लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने निर्वाचन आयोग और एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया का असर एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों पर पड़ रहा है। उन्होंने नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 की प्रक्रिया को जटिल किए जाने का भी आरोप लगाया। प्रदीप यादव ने एसआईआर के दौरान मैट्रिक प्रमाण पत्र मांगे जाने और जैक से सत्यापन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को देना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी मतदाताओं के अधिकारों और निष्पक्ष मतदाता सूची के मुद्दे पर अपना आंदोलन जारी रखेगी। संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के सह-प्रभारी भूपेन्द्र मारावी, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति और कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा मौजूद थे।

पलामू में दो हादसा, प्रज्ञा केंद्र संचालक सहित दो की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। रविवार सुबह इसी थाना क्षेत्र में पानी टंकी से एक युवक का शव बरामद हुआ। दोनों हादसों में छह लोग जख्मी हो गए।पहली घटना रात करीब 11 बजे शाहपुर रोड में टीवीएस शोरूम के समीप हुई, जहां चैनपुर थाना में पदस्थापित पुलिस जवान हकीम अंसारी की बाइक और प्रज्ञा केंद्र संचालक की बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई।हादसे में चैनपुर टेंपू स्टैंड में प्रज्ञा केंद्र चलाने वाले 32 वर्षीय सोनू कुमार, पिता प्रेमचंद प्रसाद की मौत हो गई। पुलिस जवान हकीम अंसारी भी घायल हुए हैं। उनका इलाज निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। जबकि सोनू के साथ बाइक पर बैठे चैनपुर के पंकज कुमार (38), पिता प्रदीप प्रसाद जख्मी हो गए।बताया गया कि सोनू कुमार बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही पुलिस जवान हकीम अंसारी की बाइक से उनकी टक्कर हो गई।सूचना मिलने पर चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।वहीं इससे पहले रात करीब पौने नौ बजे रानीताल के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई। एक बाइक पर चार लोग सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर एक युवक था।हादसे में रामगढ़ थाना क्षेत्र के बालचौरा निवासी 18 वर्षीय सुजीत कुमार, पिता शंकर भुइयां की मौत हो गई। आनंद कुमार (20), राजेश साव (20) और दिलीप कुमार साव (16), सभी बाघी निवासी, घायल हुए हैं। दूसरी बाइक पर सवार कंकारी निवासी 18 वर्षीय रूपेश कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है।चैनपुर थाना प्रभारी लालजी ने रविवार सुबह 8 बजे बताया कि दोनों घटनाओं में बाइकों की आमने-सामने टक्कर हुई है। पुलिस दुर्घटनाओं के कारणों की जांच कर रही है।इधर, चैनपुर थाना क्षेत्र के अकड़ाही रोड स्थित शुभ मम प्लांट के समीप रविवार को एक टंकी से एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चैनपुर निवासी 25 वर्षीय सोनू राम के रूप में बताई जा रही है।सूचना चैनपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

गोलीबारी की घटना से झारखंड की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल : बाबूलाल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जमशेदपुर के बिंदल मॉल स्थित उडुपी रेस्टोरेंट में दिनदहाड़े हुई गोलीबारी और चार लोगों के घायल होने की घटना को लेकर झारखंड की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि धनबाद के बाद अब राज्य के अन्य शहरों में भी अपराध और दहशत की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में आम आदमी की सुरक्षा को लेकर सरकार को जवाब देना चाहिए। मरांडी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से आरोप लगाया कि पुलिस के शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में योग्यता और नियमों के बजाय राजनीतिक पसंद और वफादारी को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे पुलिस की निष्पक्षता, गरिमा और जवाबदेही प्रभावित हुई है। हालांकि, नियुक्तियों और अधिकारियों को लेकर लगाए गए इन आरोपों पर सरकार का पक्ष सामने नहीं आया है। उन्होंने पुलिस विभाग में अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने और कुछ पदों को खाली रखने पर भी सवाल उठाया। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विभिन्न अधिकारियों के बीच अतिरिक्त प्रभार बांटने का आधार सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कुछ अधिकारियों पर कोयला तस्करी और अवैध कमाई से जुड़े पूर्व में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग भी की। नेता प्रतिपक्ष ने सीआईडी में वरिष्ठ अधिकारियों की क्षमताओं के समुचित उपयोग और बड़ी जांचों में अधिकारियों की नियुक्ति एवं कार्य-विभाजन को सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे अधिकारियों के लंबे समय तक पदस्थापन की प्रतीक्षा में रहने तथा अनुभवी अधिकारियों को महत्वपूर्ण जांचों में जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा। मरांडी ने कहा कि गोलीबारी के बाद अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजना ही शासन नहीं है। अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ उन्हें संरक्षण देने वालों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस पदस्थापन में योग्यता, ईमानदारी और जवाबदेही को प्राथमिकता देने की मांग करते हुए कहा कि झारखंड की पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए है और सरकार को कानून-व्यवस्था के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

जलडेगा (ओड़गा ओपी)। थाना क्षेत्र में एक युवती के घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान एनेम लुगुन (25), पिता जोसफ लुगुन, निवासी जलडेगा (ओड़गा ओपी) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, 26 सितंबर 2026 को पीड़िता ने जलडेगा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी घर में युवती को अकेला पाकर जबरन अंदर घुस गया और दरवाजा बंद कर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। पीड़िता के विरोध और शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। शिकायत के आधार पर जलडेगा (ओड़गा ओपी) थाना में कांड संख्या 56/26 के तहत धारा 329(4)/64(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी एनेम लुगुन को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

स्कूली छात्र का अपहरण कर गोली मारने का आरोप, रांची ले जाते समय मौत

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के परसही गांव निवासी 16 वर्षीय स्कूली छात्र विकास पासवान की हत्या रविवार को हो गई। परिजनों के अनुसार, छात्र को लातेहार शहर के मिशन चौक के समीप से दो युवकों ने अगवा कर लिया था। आरोप है कि दोनों उसे पतकी जंगल की ओर ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई और गोली मार दी गई। गंभीर हालत में छात्र को सड़क किनारे छोड़कर आरोपित फरार हो गए। बाद में राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने उसे सदर अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने छात्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर रांची जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। परिजनों ने बताया कि घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचने के बाद विकास ने घटना के संबंध में जानकारी दी थी। उसने बताया कि मोहम्मद अरबाज और एक अन्य युवक उसे अपने साथ ले गए थे। उससे एक लाख रुपये की मांग की जा रही थी। इसके बाद उस पर हमला किया गया और गोली मार दी गई।इधर इस मामले में एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

सतत प्रयास ही सफलता की कुंजी : अन्नपूर्णा

कोडरमा। झुमरी तिलैया-भारत विकास परिषद झुमरीतिलैया के तत्वाधान में रविवार को शिव वाटिका झुमरी तिलैया में जिला स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा ने किया जबकि मुख्य अतिथि के रुप में केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास अन्नपूर्णा देवी उपस्थित थे। प्रतियोगिता मे प्रथम ग्रिजली स्कूल तिलैया डैम, द्वितीय डीएवी पब्लिक स्कूल एवं तृतीय चाइल्ड प्रोग्रेसिव स्कूल के बच्चे रहे। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से जहां बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है, वही बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी प्राप्त होता है । वही बच्चों को जिला, राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के प्रतियोगिताओं में भाग लेने का एक सुनहरा अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सतत प्रयास से ही सफलता मिलती है। यही बच्चे विकसित भारत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे । सभी विजेताओं को मौके पर ही शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी महिला एवं बाल विकास द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके द्वारा गाये देशभक्ति गीतों से पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष रामप्रवेश पांडे ने परिषद के उद्देश्य को विस्तार पूर्वक बताया। वहीं क्षेत्रीय महिला एवं बाल विकास संयोजक जयंती सेठ ने भारत विकास परिषद के प्रमुख आयाम पर विस्तार से जानकारी दी। परिषद के अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा ने कहा प्रतियोगिता में प्रथम आए बच्चे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने जाएंगे । प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार भरना है।

अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई, गिट्टी लदे दो वाहन जब्त

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवैध खनन और खनिजों के नियमविरुद्ध परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन एवं जिला खनन कार्यालय की ओर से जांच अभियान तेज कर दिया गया है। इसी अभियान के तहत शनिवार रात खान निरीक्षक निखिल दास ने क्रधरपुर क्षेत्र में खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की। जांच के दौरान गिट्टी लदे दो वाहनों को जब्त किया गया।जांच में 12 चक्का वाहन संख्या (ओडी09वी-0603) में करीब 800 सीएफटी गिट्टी लदी पाई गई। खनिज परिवहन से संबंधित दस्तावेजों और नियमों की जांच के बाद वाहन को अवैध खनिज परिवहन के मामले में जब्त कर संबंधित थाना की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। इसके अलावा 10 चक्का हाइवा वाहन संख्या (जेएच06बीएफ-4108) की जांच में करीब 720 सीएफटी गिट्टी मिली। उक्त वाहन को निर्धारित मानकों के विपरीत ओवरलोड खनिज परिवहन के मामले में जब्त किया गया और सुरक्षित अभिरक्षा के लिए संबंधित थाना को सौंप दिया गया।जिला खनन कार्यालय के अनुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों, चालकों और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ प्रचलित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। खनिज परिवहन में अनियमितता पाए जाने पर वाहनों की जब्ती और कानूनी कार्रवाई का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

पलामू से लापता तीन नाबालिग बिहार के गोपालगंज से बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। पलामू के मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र से तीन नाबालिग बच्चियों के लापता होने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने तीनों बच्चियों को बिहार- उत्तरप्रदेश सीमा गोपालगंज से बरामद कर लिया है। बच्चियों के बरामद होने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है।फिलहाल तीनों पुलिस अभिरक्षा में हैं और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। जिले के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने रविवार को इसकी पुष्टि की है। मामले को लेकर बच्चियों में से एक की मां ने 24 सितंबर को शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार तीनों बच्चियां 21 सितंबर को घर से निकली थीं और इसके बाद वापस नहीं लौटीं।परिजनों ने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को लिखित सूचना दी गई। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) और 96 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच का जिम्मा पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार द्विवेदी को दिया गया।बच्चियों के परिजन ने दूरभाष पर बताया कि पुलिस की सक्रियता के कारण उनकी बच्चियां सकुशल बरामद हो गई हैं। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी कि 24 सितंबर को शहर थाना को सूचना प्राप्त हुई कि 21 सितंबर को तीन नाबालिग बालिकाएं, जिनमें दो चचेरी बहनें एवं एक उनकी सहपाठी है, बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। इस संबंध में शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित अनुसंधान प्रारंभ किया गया एवं लगातार छापेमारी की गई। 27 सितंबर को तीनों बालिकाओं को गोपालगंज (बिहार–उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र) से सकुशल बरामद कर लिया गया है।तीनों बालिकाओं से पूछताछ एवं अग्रिम विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्राथमिक जांच में तीनों बच्चियों द्वारा घूमने के उद्देश्य से बिना बताये घर से जाने की बात सामने आई है। अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान, जैव विविधता पार्क में हुआ वृक्षारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला।विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जिले में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ आमजनों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जिम्मेदार पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जनभागीदारी के माध्यम से साफ-सफाई की गई तथा लोगों को पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान अंजम धाम, गुमला; मरदा मंदिर, रायडीह; बाघमुंडा जलप्रपात, बसिया; टांगीनाथ धाम, डुमरी; गोबरसिली, पालकोट; मरसा डैम, भरनो; बालाघाट, कामडारा एवं नवरतन किला, सिसई सहित अन्य स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं।इसी क्रम में पर्यटन विभाग, गुमला द्वारा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल बायोडायवर्सिटी पार्क में विशेष वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। पार्क परिसर में पौधारोपण के साथ साफ-सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छ एवं हरित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया गया।अभियान के दौरान स्थानीय लोगों एवं प्रतिभागियों ने पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया।जिला प्रशासन द्वारा आमजनों से अपील की गई कि जिले के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं स्वच्छता बनाए रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। स्वच्छ पर्यटन स्थल न केवल पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय पर्यटन के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सरकार संरक्षित हिंडाल्को जैसी कंपनी से जन आंदोलन के बल पर ही काम कराया जा सकता है-: विजय सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला ।आईपीएफ के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने घाघरा स्थित अपने आवास में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कहा कि बॉक्साइट माइन्स प्रभावित ग्रामीणों द्वारा सड़क इत्यादि की मांग को लेकर दुख तकलीफ सहते हुए लगातार 13 दिनों से की गई आंदोलन की मांगों पर सरकार, जिला प्रशासन व हिंडाल्को कंपनी से जल्द कार्रवाई शुरू करने को कहा है । श्री सिंह ने यह भी कहा है कि आम ग्रामीणों की आंदोलन में झारखंड नवनिर्माण दल के घाघरा प्रखंड प्रभारी बसंत बड़ाईक, कृष्णा वर्मा, रतिया उरांव समेत कई नेता लगातार शामिल रहे। दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि स्वास्थ्य कारण से मैं कार्यक्रम में नहीं जा पाया । अतीत बताता है कि ग्रामीणों से मिलकर हमारी पार्टी द्वारा की गई आंदोलन के बाद हिंडाल्को कंपनी के महाप्रबंधक से घाघरा ब्लॉक में विस्तारित जिला प्रशासन के अध्यक्षता में वार्ता हुई थी तत्पश्चात 2010 के बाद हिंडाल्को कंपनी को घाघरा और बिशुनपुर प्रखंड क्षेत्र में स्कूली बस, स्वास्थ्य क्लिनिक, कई स्थानों पर पेयजल टंकी, चेक डैम और इटकरी से सेरेंगदाग तक सफेद मोरमीकरण कर सड़क को समतलीकरण और दुरुस्त करना पड़ा था इसका गवाह माइंस क्षेत्र के ग्रामीण जनता है। लेकिन हिंडाल्को जन विरोधी रवैया फिर से अपना रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्री सिंह ने यह भी साझा किया कि जिस समय हमारे द्वारा पूरे युद्ध स्तर पर आंदोलन चल रहा था उस समय यह क्षेत्र पूरा उग्रवाद प्रभावित से भरा था, मेरा घर को भी दो बार उग्रवादियों ने घेरा, धमकाया, लेकिन आंदोलन नहीं रुका और हिंडाल्को को उक्त सुविधा आम जनता के लिए बनानी पड़ी। अभी की स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री सिंह ने यह भी कहा कि अभी जनता पर कोई उस तरह का उग्रवादी गतिविधि का दबाव नहीं है इसलिए सचेत ढंग से और पूरी जानकारी के साथ आंदोलन करने से बड़ी-बड़ी कार्य कंपनी के द्वारा कराई जा सकती है। क्योंकि सत्ताधारी पार्टी बीजेपी, कांग्रेस, झामुमो जैसी पार्टी जिसकी सरकार केंद्र व राज्य में है हिंडाल्को कंपनी को गलत कार्य में संरक्षण दे रहे हैं। यही कारण है कि सड़क पर उतरकर ग्रामीणों को तकलीफ सहकर आंदोलन करना पड़ रहा है। श्री सिंह ने हिंडाल्को कंपनी व जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि ग्रामीणों से की गई वादे व समय सीमा के अंदर सड़क का पक्कीकरण तथा अपनी सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अन्य कार्य सीएसआर के तहत क्षेत्र में होना चाहिए। सरकार व प्रशासन अपना काम करें और कंपनी अपनी जवाबदेही निभाये वहीं खराब पड़े पेयजल टंकी, शिक्षा स्वास्थ्य को भी दुरुस्त करना शुरू करे नहीं तो एक सप्ताह के बाद आंदोलनरत ग्रामीणों से मिलकर कंपनी का कामकाज ठप करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। प्रेस वार्ता में झारखंड नवनिर्माण दल केंद्रीय समिति सदस्य डॉक्टर सफरुद्दीन अंसारी, घाघरा प्रखंड प्रभारी बसंत बड़ाईक, मजदूर मोर्चा के प्रभारी जीवन भगत मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

बैंकों के हड़ताल से व्यापारिक कामकाज पर असर की आशंका

नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी। 28 से 30 सितंबर तक होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का असर खूंटी के व्यापारिक कामकाज पर पड़ने की आशंका है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर होने वाली हड़ताल के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी।खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सचिव मुकेश जायसवाल ने बताया कि हड़ताल महीने के अंतिम दिनों में होने के कारण व्यापारिक लेन-देन और वित्तीय गतिविधियों पर इसका विशेष प्रभाव पड़ सकता है। इस अवधि में कैश फ्लो और लिक्विडिटी की समस्या उत्पन्न होने के साथ ही लोन प्रोसेसिंग और जरूरी दस्तावेजी प्रक्रियाएं भी प्रभावित होने की संभावना है।उन्होंने कहा कि चेक क्लियरिंग और व्यावसायिक भुगतान बाधित होने से कारोबारियों को भुगतान संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। महीने के अंत में होने वाली क्लोजिंग प्रक्रिया के कारण भी व्यापारिक प्रतिष्ठानों और व्यवसायियों के लिए दिक्कतें बढ़ सकती हैं।हालांकि, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से कारोबारियों और आम ग्राहकों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। हड़ताल के दौरान इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं चालू रहने से ऑनलाइन भुगतान सहित अन्य डिजिटल लेन-देन किए जा सकेंगे। चेंबर ने व्यापारियों से हड़ताल की अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक नकदी और भुगतान संबंधी व्यवस्थाओं की पहले से तैयारी रखने की अपील की है।

स्वच्छता ही सेवा के तहत पर्यटक स्थलों पर चला सफाई अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

गारू । प्रखंड क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शनिवार को विभिन्न पर्यटक स्थलों पर विशेष साफ-सफाई एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रखंड के मिर्चैयाफॉल, सुगाबांध समेत अन्य पर्यटन स्थलों पर प्रखंड की जलसहिया बहनों ने पहुंचकर साफ-सफाई की। अभियान का उद्देश्य पर्यटक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था।अभियान में धागरटोला, मारोमाड़, गोईंदी, करवाई, हेसाग, लूहुटांड़, लोहरगडा, दलदलीया, गारू, सुरकूमी समेत अन्य दर्जनों गांवों की जलसहिया शामिल हुईं। जलसहियाओं ने पर्यटक स्थलों के आसपास बिखरे कचरे को एकत्रित कर साफ-सफाई की तथा लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की अपील की।इस दौरान जलसहिया बहनों ने स्थानीय ग्रामीणों एवं पर्यटकों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों की सुंदरता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। लोगों को अपने घरों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने तथा कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया गया।जलसहियाओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण से बीमारियों की रोकथाम के साथ क्षेत्र की खूबसूरती भी बनी रहती है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान को ग्रामीणों ने भी सराहा और अपने आसपास नियमित रूप से साफ-सफाई रखने का संकल्प लिया।मौके पर जलसहिया सुषमा देवी, आरती देवी, किरण देवी, राजमणि देवी, अंजू देवी, प्रमिला देवी, तारामणि देवी समेत अन्य दर्जनों जलसहिया मौजूद थीं।

जमशेदपुर में दुर्गा पूजा को लेकर बैठक, पंडालों में सीसीटीवी और सुरक्षा मानकों के पालन पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्वी सिंहभूम। केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति, जमशेदपुर के तत्वावधान में रविवार को टेल्को, गोविंदपुर और बिरसानगर थाना क्षेत्रों की दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। साबुज कल्याण संघ के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के मानद अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने की। बैठक में शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से दुर्गा पूजा आयोजन को लेकर पूजा समितियों और पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय पर विस्तार से चर्चा हुई।कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय शांति समिति के सदस्य प्रदीप कुमार दास द्वारा प्रस्तुत मां दुर्गा की स्तुति से हुई। बैठक में टेल्को थाना प्रभारी एवं वरीय पुलिस निरीक्षक सुरेश प्रसाद, गोविंदपुर थाना प्रभारी एवं सहायक पुलिस निरीक्षक पवन कुमार तथा बिरसानगर थाना प्रभारी कमलेश कुमार मौजूद रहे। केंद्रीय शांति समिति के महामंत्री आशुतोष सिंह, सचिव रामबाबू सिंह, प्रमोद तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी भी मंच पर उपस्थित थे।बैठक का संचालन केंद्रीय शांति समिति के वरिष्ठ सदस्य नंदलाल सिंह ने किया। उन्होंने विभिन्न पूजा समितियों के प्रतिनिधियों का केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से परिचय कराया। इसके बाद पूजा के दौरान आने वाली संभावित चुनौतियों, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासन के साथ समन्वय को लेकर चर्चा हुई।केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और महामंत्री आशुतोष सिंह ने सभी पूजा समितियों से पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की। उन्होंने ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्धारित समय और तय मानकों के अनुरूप इस्तेमाल करने तथा पंडालों में प्रवेश और निकास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक पंडाल में अग्निशमन उपकरण उपलब्ध रखने और प्रशासन की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करने पर जोर दिया।पूजा समितियों से स्वयंसेवकों की सूची जल्द संबंधित थानों में जमा करने का भी आग्रह किया गया, ताकि भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।टेल्को थाना प्रभारी सुरेश प्रसाद ने पूजा समितियों से प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। उन्होंने पंडाल और प्रतिमा की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग दर्शन व्यवस्था करने तथा विसर्जन के दिन प्रशासन द्वारा निर्धारित समय और मार्ग का अनिवार्य रूप से पालन करने पर जोर दिया। तीनों थाना क्षेत्रों के पुलिस पदाधिकारियों ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूजा समितियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखेगी। नशाखोरी, तेज रफ्तार वाहन चलाने और पूजा के दौरान माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखने की बात कही गई। पुलिस अधिकारियों ने पूजा समितियों से किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

'स्वच्छता ही सेवा' के तहत पर्यटन स्थलों पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

» जल सहियाओं ने संभाली स्वच्छता की कमान, लोगों और पर्यटकों को दिया स्वच्छता का संदेश

साहिबगंज। पर्यटन दिवस के अवसर पर जिले के प्रमुख पर्यटन एवं विरासत स्थलों पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज के नेतृत्व में आयोजित अभियान में जल सहियाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए विभिन्न पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान के तहत मोती झरना, मंडरो स्थित फॉसिल्स पार्क, सिंगी दालान, कन्हैया स्थान, उधवा लेक बर्ड सेंक्चुरी और शिवगादी धाम सहित जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान स्थल परिसर में साफ-सफाई करने के साथ ही लोगों से कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने और निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालने की अपील की गई। साहिबगंज प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिला है। यहां के पर्यटन स्थल जिले की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता, ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। ऐसे में इन स्थलों को स्वच्छ और संरक्षित रखना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण है। अभियान के दौरान लोगों और पर्यटकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही कचरे के उचित प्रबंधन और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के महत्व की जानकारी दी गई। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के नेतृत्व में चले इस अभियान में नमामि गंगे, वन विभाग एवं पर्यटन विभाग का सहयोग मिला। विभिन्न विभागों के कर्मियों के साथ जल सहियाओं ने भी स्वच्छता गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जल सहियाओं की सक्रिय भागीदारी से अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप मिला। उनके माध्यम से स्वच्छता का संदेश गांवों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचाया गया। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और संरक्षित रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय, पर्यटकों और प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के आयोजकों ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर पर्यटन स्थल पर्यटकों को बेहतर अनुभव देने के साथ-साथ जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति लोगों की जिम्मेदारी को भी प्रदर्शित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

'फ़ीजी का हिन्दी वाङ्मय' को वैश्विक सराहना

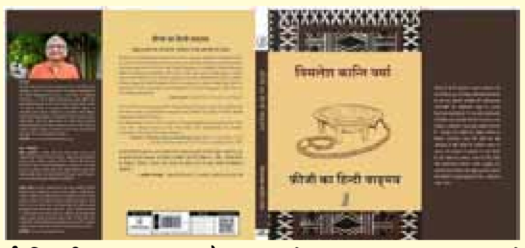

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक, लेखक एवं पूर्व राजनयिक प्रो. विमलेश कांति वर्मा की शोधपरक पुस्तक 'फ़ीजी का हिन्दी वाङ्मय' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल रही है। सार्क राइटर्स फोरम, प्रख्यात समीक्षक स्मिता मिश्र तथा श्रीलंका की हिंदी सेवी नीलांति राजपक्षे ने पुस्तक के प्रकाशन पर प्रो. वर्मा को बधाई दी है। वाणी प्रकाशन ग्रुप द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में फ़ीजी में लगभग 150 वर्षों के गिरमिटिया संघर्ष तथा प्रवासी भारतीयों की साहित्यिक-सामाजिक अभिव्यक्तियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। ग्रंथ में मानक हिंदी और फ़ीजी हिंदी के साथ गद्य एवं पद्य साहित्य को भी समाहित किया गया है। प्रो. वर्मा ने टोरंटो, सोफिया और फ़ीजी में हिंदी पीठ की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें 'महामहिम राष्ट्रपति मॉरीशस सम्मान' और 'महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार' से सम्मानित किया जा चुका है। फ़ीजी के पूर्व उप-प्रधानमंत्री हरीश सी. शर्मा सहित कई हिंदी सेवियों ने पुस्तक को प्रवासी साहित्य के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण कृति बताया है।

नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन, अब पंचायत स्तर पर ही मिलेंगी सरकारी सुविधाएं: मंत्री इं. शैलेंद्र

भागलपुर। बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इं. शैलेंद्र ने रविवार को क्षेत्र का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लत्तीपुर उत्तर पंचायत में लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से बने भव्य पंचायत सरकार भवन का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में उनके साथ महंत नवलकिशोर दास भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। भवन का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री इं. शैलेंद्र ने कहा कि इस पंचायत सरकार भवन के शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों को बहुत बड़ी सहूलियत मिलेगी। अब आम जनता को जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र या अन्य राजस्व संबंधी सरकारी कार्यों के लिए प्रखंड (ब्लॉक) और अंचल कार्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। सभी आवश्यक सरकारी सेवाएं अब उनके अपने पंचायत स्तर पर ही एक छत के नीचे उपलब्ध होंगी। उद्घाटन से पूर्व मंत्री ने क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया। उन्होंने तेलघी काली मंदिर परिसर और सोनवर्षा कन्या प्लस टू विद्यालय परिसर में पौधे लगाए। इसके बाद वे एसडी कॉलेज, गौरीपुर पहुंचे, जहां कॉलेज परिसर के सौंदर्यीकरण अभियान के तहत उन्होंने खेल मैदान के चारों तरफ अपने हाथों से पौधे रोपे। पौधारोपण के दौरान मंत्री ने उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने घर, आस-पड़ोस, खेल मैदानों और सरकारी संपत्तियों को स्वच्छ और सुरक्षित रखना केवल सरकार का काम नहीं है। यह हम सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आम जनता से पर्यावरण को बचाने और सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रो. गौतम ने बताया कि प्राचार्य प्रो. धनंजय कुमार मिश्र की अगुवाई में सभी प्राध्यापकों, कर्मियों और आम लोगों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर पैक्स अध्यक्ष कुणाल कुमार उर्फ भानू झा, बैजू राजा सहित भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम के मन की बात,स्वच्छता और नशा मुक्ति का लिया संकल्प

अररिया । फारबिसगंज भाजपा नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न बूथों और शक्ति केंद्रों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 136वें कड़ी का श्रवण कर प्रधानमंत्री के द्वारा नशा मुक्ति और गांधी जयंती पर स्वच्छता को लेकर किए गए चर्चे पर संकल्प लिया। बूथ संख्या 178-179 में रेडियो पर श्रवण करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवाद को राष्ट्र निर्माण में योगदान को प्रेरित करने वाला बताया।मौके पर मौजूद भाजपा नेता प्रवीण कुमार,नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू, नगर उपाध्यक्ष राधा देवी,पूर्व नगर अध्यक्ष रजत सिंह,भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल, नगर मंत्री विपिन जायसवाल,बूथ अध्यक्ष पवन कुमार,रेखा देवी,,शकुंतला देवी,सोनू कुमार,कन्हैया कुमार,करण कुमार,ऋषभ कुमार आदि कार्यकर्ताओं ने समूह में पीएम के मन की बात का श्रवण किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम के संबोधन की खास बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम ने मन की बात में सर्जिकल स्ट्राइक से सूर्य ग्राम तक कई प्रेरक प्रसंग यथा डिजिटल जनगणना, भारतीय संस्कृति, प्राचीन मंदिरों स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण नशा मुक्ति अभियान, खेल ओडीओपी और पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने संस्कृति समाज और राष्ट्र के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले अशोक सिंहल जी के सौवें जन्म जयंती का विशेष रूप से उल्लेख किया।पीएम ने मन की बात में आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक के दस वर्ष पूरे होने और आतंकवाद पर प्रहार जारी रखने का जहां जिक्र किया, वही जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व करार दिया। इसके लिए अपना समय जरूर निकालने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने 2अक्टूबर गांधी जयंती पर स्वच्छता के महत्व का जिक्र करते हुए युवाओ से नशा मुक्ति अभियान से जुड़ने की अपील की। कहा की पीएम ने थाइलैंड में भगवान गणेश की पूजा फ्रा फिकानेट के रुप में किए जाने तथा असम में पिग्मी हॉक को बचाने के लिए चलाए गये संरक्षण कार्यक्रम की जानकारी देशवासियों से साझा किया।

युवक सुनीलहत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार

नवादा। जिले के रजौली थाना क्षेत्र में घटित चर्चित सुनील चौधरी हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को प्राथमिक अभियुक्त रंजन कुमार उर्फ धीरज चौधरी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, रजौली थाना कांड संख्या 626/23 में रंजन कुमार उर्फ धीरज चौधरी को प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया था। मामले में पुलिस लगातार अनुसंधान और आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। बताया गया कि मामले की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और प्राथमिकी में दर्ज आरोपों के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ की गई और फिर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले में कार्रवाई का नेतृत्व एसआई अजय कुमार ने किया। पुलिस का कहना है कि हत्याकांड से जुड़े अन्य बिंदुओं की भी जांच की जा रही है। साथ ही मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर भी पुलिस अनुसंधान कर रही है। गौरतलब है कि मृतक के पिता ने पूर्व में रजौली थाने में आवेदन देकर कई लोगों पर अपने पुत्र की हत्या का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था। आरोपी की गिरफ्तारी को मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है।

शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर निकला युवा मार्च

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से शहीद-ए-आजम भगत सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं मंत्री रविंद्र इंद्रराज की मौजूदगी में तिरंगा झंडा दिखाकर युवाओं के मार्च को रवाना किया गया। संसद मार्ग पर आयोजित मार्च में स्कूली बच्चों और कॉलेज विद्यार्थियों समेत बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कई युवाओं ने भगत सिंह की तरह पगड़ी पहनकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता लाजपत राय, भाजपा नेता अमित ढाकोलिया, वरिष्ठ नेता गुरुजी राजू चंदेल, रविंदर कुड़िया, सागर ढाकोलिया, सीमा पवार, शोभा देवी, मोनिका देवी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। गुरुजी राजू चंदेल ने युवाओं से भगत सिंह के आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश के विकास में योगदान देने की अपील की। अमित ढाकोलिया ने युवाओं से नशे से दूर रहने और देशभक्ति की भावना को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने कम उम्र में देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया, उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

रोटरैक्ट क्लब वाराणसी रुद्र का प्रथम चार्टर समारोह संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल के प्रायोजन में रोटरैक्ट क्लब ऑफ वाराणसी रुद्र का प्रथम चार्टर समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में रोटरी एवं रोटरैक्ट परिवार के पदाधिकारियों, सदस्यों और गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। अतिथियों ने नवगठित क्लब की टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाजसेवा और नेतृत्व के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि निर्वाचित रोटरी जिला गवर्नर दिनेश गर्ग ने रोटरी के चार सूत्रीय परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से

» युवाओं को नेतृत्व, समाजसेवा और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए किया प्रेरित

सत्य, निष्पक्षता, सद्भावना और सभी के हित को प्राथमिकता देने की अपील की। विशिष्ट अतिथि रोटरैक्ट जिला प्रतिनिधि गरिमा सिंह ने सदस्य सहभागिता और संगठन से युवाओं को सक्रिय रूप से जोड़ने की आवश्यकता बताई। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की अध्यक्ष डॉ. ऋतु गर्ग ने नवगठित टीम को बधाई देते हुए समाजसेवा, नेतृत्व और रचनात्मक गतिविधियों में योगदान के लिए प्रेरित किया। क्लब अध्यक्ष अविजित सोनी ने कहा कि प्रथम चार्टर औपचारिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा की नई यात्रा का शुभारंभ है। मुख्य वक्ता डॉ. मानसी गर्ग ने बालिकाओं एवं महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रति जागरूकता, बचाव और नियमित स्वास्थ्य जांच की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन पंकज अग्रवाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सचिव रोटेरियन ललित गुप्ता ने किया। समारोह में अजीत मेहरोत्रा, शैलेन्द्र, निलेश भुवालका, विजय नारायण कपूर, चुन्नी लाल पटेल, मुकुंद लाल, श्याम सुंदर प्रसाद, डॉ. अनिल गुप्ता सहित रोटरी एवं रोटरैक्ट क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा सेवक व तालिमी मरकज संघ की बैठक में मांगों को लेकर पटना धरना सफल बनाने का आह्वान

नई सोच एक्सप्रेस

मेहसी। शिक्षा सेवक व तालिमी मरकज संघ, मेहसी प्रखंड इकाई की बैठक रविवार, 27 सितंबर 2026 को तिरहुत उच्च विद्यालय के प्रांगण में प्रखंड अध्यक्ष शशिंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा सेवकों एवं तालिमी मरकज से जुड़े कर्मियों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष शासेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा सेवक और तालिमी मरकज लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संघ की प्रमुख मांगों में विद्यालयों में समायोजन, दो वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण तथा राज्य कर्मी का दर्जा शामिल है। उन्होंने कहा कि लगभग 17 वर्षों की सेवा के बावजूद अब तक मानदेय के आधार पर कार्य कराया जाना कर्मियों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से मांगों पर सकारात्मक एवं शीघ्र निर्णय लेने की अपील की।बैठक में बताया गया कि प्रदेश संघ के आह्वान पर 28 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक पटना के गर्दनीबाग में धरना-प्रदर्शन प्रस्तावित है। संघ के अनुसार बिहार के लगभग 28 हजार शिक्षा सेवक एवं तालिमी मरकज इस कार्यक्रम में अपनी मांगों को लेकर भाग लेंगे। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रखंड स्तर पर आवश्यक तैयारियों और भागीदारी पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में उपस्थित शिक्षा सेवकों एवं तालिमी मरकज से जुड़े सदस्यों से अपील की गई कि संघ के निर्देशानुसार 3 अक्टूबर 2026 को पटना पहुंचकर धरना-प्रदर्शन में भाग लें। वक्ताओं ने कहा कि कार्यक्रम प्रमंडल स्तर पर निर्धारित है, इसलिए सभी संबंधित सदस्य संघ द्वारा तय तिथि एवं कार्यक्रम के अनुसार पटना पहुंचकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।बैठक में शाहीन परवीन, कहकशा बानो, चंदा कुमारी, रूपा कुमारी, संजीदा प्रवीण, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार चौधरी, नागेंद्र प्रसाद चौधरी, उमेश कुमार चौधरी, कमोद बैठा, शबनम आरा, प्रभु कुमार चौधरी, खुशबू परवीन, नुरेशा खातून, अफसाना खातून, अवधेश कुमार एवं भारती कुमारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षा सेवक एवं तालिमी मरकज उपस्थित रहे।अंत में कहकशा बानो ने धन्यवाद ज्ञापित किया और बैठक का समापन किया।

बारिश के बीच झूमते-नाचते श्रद्धालुओं ने दी बप्पा को अंतिम विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर। किदवई नगर में लगातार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कमी नहीं आई। सार्वजनिक श्री संकट मोचन विजय हनुमान एवं दुर्गा मंदिर समिति के तत्वावधान में रतनलाल शर्मा स्टेडियम के निकट आयोजित 15वें 13 दिवसीय श्री गणेश महोत्सव-2026 का अनंत चतुर्दशी पर भव्य समापन हुआ। बारिश के बीच महिलाओं, बच्चों और क्षेत्रवासियों ने ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजे व डीजे की धुन पर झूमते हुए गणपति बप्पा को अंतिम विदाई दी। इस दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारे गूंजते रहे। इससे पूर्व गणेश पूजन, हवन, आरती, कथा एवं प्रसाद वितरण किया गया। दोपहर में भंडारे के बाद विधि-विधान से विसर्जन यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिला मंडल की सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजन में महिला मंडल अध्यक्ष नीलम वीरेंद्र चौहान, महामंत्री रेनू मधु शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह, मधु मिश्रा, डॉली द्विवेदी समेत मंदिर समिति के पदाधिकारियों का सहयोग रहा। नम आंखों से श्रद्धालुओं ने बप्पा को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः स्वागत का संकल्प लिया।

गंडक का जलस्तर बढ़ा, सेमरा लबेदहा और बलुआ में सैकड़ों घर डूबे

नई सोच एक्सप्रेस

पिपरासी। गंडक नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के साथ पिपरासी प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। सेमरा लबेदहा और बलुआ पंचायत में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। सेमरा लबेदहा पंचायत के भैंसहिया समेत कई गांवों के सैकड़ों घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। पानी की रफ्तार को देखते हुए अन्य घरों पर भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, जलस्तर बढ़ने के साथ बाढ़ का पानी तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ रहा है। कई जगहों पर घरों के आसपास पानी जमा हो गया है। लोगों को घरों से निकलने और जरूरी सामान सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में परेशानी हो रही है। राहत शिविर की कराई जा रही सफाई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सेमरा लबेदहा पंचायत में प्रशासनिक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। मुखिया मनोरमा देवी के निर्देश पर बाढ़ राहत शिविर की साफ-सफाई कराई जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवारों को वहां ठहराया जा सके। **बलुआ में भी बढ़ा खतरा:** बलुआ पंचायत के कई घरों में भी बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पानी बढ़ने की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो रात तक पंचायत के अधिकांश निचले इलाकों के घर बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित इलाकों में नाव, राहत सामग्री और सुरक्षित स्थानों की व्यवस्था करने की मांग की है।

गंडक का जलस्तर बढ़ा, बगहा के निचले इलाकों में पहुंचा बाढ़ का पानी

नई सोच एक्सप्रेस

बगहा। नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश का असर अब गंडक नदी के जलस्तर पर दिखने लगा है। पिछले तीन दिनों से उत्तर बिहार में रुक-रुककर हो रही बारिश के बीच नेपाल से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद गंडक के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। गंडक बराज से करीब 4.32 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद नदी का पानी दियारा क्षेत्रों के साथ आसपास के निचले इलाकों में फैलने लगा है। रविवार को बगहा नगर के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी पहुंच गया। नगर परिषद के वार्ड 2, 4, 5, 25, 34 और 35 में पानी घुसने के बाद लोगों की परेशानी बढ़ गई। प्रभावित परिवार जरूरी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे। स्थानीय स्तर पर 70 से अधिक घरों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। **तेज बहाव में गिरा घर, परिवार सुरक्षित:** वार्ड 34 में बाढ़ के पानी के तेज बहाव के बीच बिहारी मुसहर का घर क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। घटना के समय परिवार के सदस्य घर में मौजूद थे, लेकिन सभी सुरक्षित बाहर निकल गए। पानी बढ़ने के बाद पशुपालकों ने भी मवेशियों को सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। **चखनी रजवटिया के सात वार्ड प्रभावित:** बगहा-1 प्रखंड की चखनी रजवटिया पंचायत में भी बाढ़ का पानी कई इलाकों में फैल गया है। पंचायत के सात वार्डों में पानी पहुंचने से 500 से अधिक घर प्रभावित होने की बात मुखिया रवि रंजन उर्फ लालबाबू यादव ने कही है। पानी बढ़ने की आशंका को देखते हुए कई परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे हैं। **प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी:** सीओ रवि भूषण गौरव ने बताया कि बाढ़ की स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। जरूरत के अनुसार बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए सामुदायिक किचेन शुरू किया जाएगा। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन भी कराया जा रहा है।

बड़ौत में स्वर्ण रथयात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत। दशलक्षण महापर्व के समापन के बाद शनिवार को बड़ौत में स्वर्ण रथयात्रा महोत्सव 2026 श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। श्री 1008 अजितनाथ दिगंबर जैन प्राचीन मंदिर कमेटी मंडी बड़ौत के तत्वावधान एवं आचार्य श्री 108 आर्जवसागर जी महामुनिराज के ससंघ सानिध्य में आयोजित महोत्सव में भगवान अजितनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। रथयात्रा अजितनाथ दिगंबर जैन मंदिर से शुरू होकर शांतिनाथ मंदिर, कैनाल रोड, गांधी रोड, अतिथि भवन एवं नेहरू मूर्ति होते हुए दिगंबर जैन इंटर कॉलेज के पांडुशिला मैदान पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान की आरती एवं पूजा की तथा धार्मिक संस्थाओं ने प्रभावना वितरित की। मैदान में आचार्य श्री के सानिध्य में भगवान अजितनाथ का अभिषेक किया गया। महोत्सव में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कृष्णपाल मलिक, जिलाधिकारी दिव्यांशु पटेल, नगर पालिका अध्यक्षपति अश्वनी तोमर, प्रशासनिक अधिकारी, जैन समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।बड़ौत में स्वर्ण रथयात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन बागपत। दशलक्षण महापर्व के समापन के बाद शनिवार को बड़ौत में स्वर्ण रथयात्रा महोत्सव 2026 श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। श्री 1008 अजितनाथ दिगंबर जैन प्राचीन मंदिर कमेटी मंडी बड़ौत के तत्वावधान एवं आचार्य श्री 108 आर्जवसागर जी महामुनिराज के ससंघ सानिध्य में आयोजित महोत्सव में भगवान अजितनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। रथयात्रा अजितनाथ दिगंबर जैन मंदिर से शुरू होकर शांतिनाथ मंदिर, कैनाल रोड, गांधी रोड, अतिथि भवन एवं नेहरू मूर्ति होते हुए दिगंबर जैन इंटर कॉलेज के पांडुशिला मैदान पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान की आरती एवं पूजा की तथा धार्मिक संस्थाओं ने प्रभावना वितरित की। मैदान में आचार्य श्री के सानिध्य में भगवान अजितनाथ का अभिषेक किया गया। महोत्सव में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कृष्णपाल मलिक, जिलाधिकारी दिव्यांशु पटेल, नगर पालिका अध्यक्षपति अश्वनी तोमर, प्रशासनिक अधिकारी, जैन समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रक्षा कर्मचारियों की मांगों पर महासंघ की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को कानपुर कैंट स्थित राष्ट्रीय मुख्यालय कटहरी बाग में राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में देशभर से पहुंचे पदाधिकारियों ने रक्षा कर्मचारियों और पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों पर चर्चा की। महासंघ ने पुरानी पेंशन योजना (OPS) बहाल करने, 8वें वेतन आयोग को जल्द लागू करने, आयुध निर्माणियों के निगमीकरण का विरोध करने तथा रक्षा उत्पादन क्षेत्र को सरकारी नियंत्रण में रखने की मांग उठाई। इसके अलावा रक्षा प्रतिष्ठानों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने और मृतक आश्रितों को 100 प्रतिशत नौकरी देने पर भी चर्चा हुई। अशोक सिंह ने लंबित मांगों के समाधान के लिए संगठन को मजबूत करने और कर्मचारियों की समस्याओं को एकजुट होकर उचित मंच पर उठाने का आह्वान किया। बैठक में आर. श्रीनिवासन, एचएन तिवारी, सिद्धनाथ तिवारी, जीडी शर्मा, राकेश सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

चने में हेलिकोवर्पा की करें रोकथाम

चने की इल्ली जिसे स्थानीय कृषक पहचानते हैं, विश्व में वैज्ञानिक भाषा में इसे हेलिकोवर्पा के नाम से जाना जाता है। हेलिकोवर्पा जो कि पूर्व में हेलियोथिस के नाम से पुकारा जाता था, इसकी अनेक प्रजातियां सम्पूर्ण विश्व में विद्यमान हैं (कृषकगण इन प्रजातियों को चने की इल्ली की बहनों के रूप में समझ सकते हैं।

चने की इल्ली के नियंत्रण

प्रबंधन उपाय

कीट के सफल प्रबंधन के लिये नियंत्रण की कोई एक ही विधि अपनाना असफल सिद्ध हुआ है। जैसे केवल रसायनिक कीटनाशकों के उपयोग से इसका प्रभावी नियंत्रण नहीं होता, इस तथ्य से हम सभी परिचित हैं। अत: वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित समन्वित कीट प्रबंधन प्रणाली अपनाकर इस कीट के प्रकोप और इससे होने वाली हानि को कम किया जा सकता है।

❖ ग्रीष्मकालीन जुताई करें ताकि सुप्त अवस्था में भूमि के अंदर पड़ी शंखियाँ, तेज धूप तथा परभक्षी पक्षियों द्वारा नष्ट की जा सकें।

❖ असिंचित चने में बोनी मध्य अक्टूबर तक तथा सिंचित क्षेत्रों में नवम्बर प्रथम सप्ताह तक बोनी करने से कीट प्रकोप कम होता है। समय पूर्व या देरी से बोई गई फसल में कीट द्वारा अपेक्षाकृत अधिक क्षति होती है।

❖ चने की देशी प्रकार की किस्में जैसे जे.जी 315, जे.जी. 74 में गुलाबी (जेजीजी 1) तथा काबुली (जेजीके 1, काक-2) प्रकार की किस्मों की अपेक्षा कीट प्रकोप कम होता है। अत: ऐसे क्षेत्र जहां पर इस कीट का प्रकोप अधिक होता है वहां चने की देशी किस्मों का प्रयोग करें। यदि गुलाबी या काबुली किस्में लगा रहे हैं तो इस कीट के प्रकोप का विशेष ध्यान रखते हुए आवश्यक नियंत्रण उपाय करें।

❖ शुद्ध चने की अपेक्षा चने के साथ 4:2 या 6:2 के अनुपात में सरसों या करडी या अलसी की फसल अंतरवर्तीय फसल पद्धति के रूप लगाने से चने पर इल्ली का प्रकोप अपेक्षाकृत कम होता है।

❖ चने के खेत में मेढ़ों पर गेंदे की प्रपंची फसल लगाने पर इस कीट की मादा शंखी गेंदे पर अंडे देना अधिक पसंद करती है जिसे आसानी से रसायनिक कीटनाशकों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। इसी प्रकार चने के खेत के चारों ओर धनिया की फसल एक सफल प्रपंची फसल सिद्ध हुई है। धनिया के फूल चने की इल्ली के परजीवी कीटों को आकर्षित करते हैं जिससे खेत में परजीवी कीटों की संख्या

बढ़ती है और प्राकृतिक रूप से चने की इल्ली का नियंत्रण होता है।

❖ सोयाबीन-चना फसल चक्र में आमतौर पर यह देखा गया है कि चने के खेत में सोयाबीन के पौधे खरपतवार के रूप में उग आते हैं। यह पाया गया है कि चने की इल्ली चने के पौधों की अपेक्षा सोयाबीन के पौधों पर अपेक्षाकृत अधिक अंडे देती है। (सम्भवत: चौड़ी पत्ती होने के कारण)। अत: खरपतवार के रूप में उग आई सोयाबीन की निंदाई जनवरी माह के अंत तक करने से चने पर इल्ली संख्या नियंत्रित रहती है।

❖ फसल में उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ने पर पौधों के ऊतक मुलायम हो जाते हैं। परिणामस्वरूप अधिक कीट प्रकोप होता है जबकि पोटाश की मात्रा पौधों के बाह्य ऊतकों को कड़ा बनाती है। जिससे कीटों द्वारा अपेक्षाकृत कम हानि होती है।

❖ यदि सिंचित चना लगा रहे हैं तो उपयुक्त समय पर सिंचाई करें। यह देखा गया है कि फली बनने के बाद सिंचाई करें तो इस कीट के प्रकोप के बढ़ने की आशंका होती है।

❖ इसी प्रकार फूल अवस्था आने पर अंग्रेजी के 'टी' अक्षर के आकार की खूंटियां, जो कि भूमि सतह से 3 मीटर ऊंची हों तथा दो खूंटियों के मध्य 4-5 मीटर का फासला हो, लगाना चाहिए। इन खूंटियों पर परभक्षी पक्षी बैठकर पौधों में लगी इल्लियों को खाकर नष्ट करते हैं। साधारणत: यह पाया गया है कि इल्ली परजीवी केम्पोसेटिस क्लोरिडी एवं परभक्षी पक्षी 85 प्रतिशत तक इल्ली संख्या नियंत्रित कर लेते हैं। फसल में दाना पकने की अवस्था आने पर इन खूंटियों को निकालना न भूलें, क्योंकि इस अवस्था में इल्ली संख्या कम हो जाती है और परभक्षी पक्षी इल्ली के न मिलने पर दानों को खाकर भी हानि कर सकते हैं।

❖ फूल एवं फली अवस्था पर खड़ी फसल की नियमित निगरानी अवश्य करें. फली अवस्था पर यदि प्रति मीटर कतार या प्रति दस पौधों पर पाई जाने वाली औसत संख्या 1-1.5 सुण्डी मिलने लगे तो रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाना चाहिए।

❖ कीटनाशकों के छिड़काव करने की स्थिति आने पर प्रथम छिड़काव फूल एवं फली आने की अवस्था में न्यूक्लियर पॉलीहेड्रोसिस विषाणु (एन.पी.व्ही.) का 250 इल्ली तुल्य छिड़कें। छिड़काव सायंकाल में करना प्रभावी होता है। एन.पी.व्ही. के घोल में (5 मि.ली./लीटर पानी की दर से तैयार) एक प्रतिशत टीपॉल मिलायें। यह रसायन विषाणु की सूर्य की पराबैंगनी किरणों से रक्षा करता है। सूर्य की पराबैंगनी किरणें विषाणु का प्रभाव नष्ट कर देती हैं। इस घोल में वयस्क शंखियों को आकर्षित करने के लिये 0.5 प्रतिशत गुड़ मिलाना प्रभावी होता है।

द्वितीय छिड़काव की आवश्यकता होने पर नीम आधारित वानस्पतिक कीटनाशक या उसके व्यवसायिक उत्पाद जैसे- अचूक, नीम गोल्ड, नीमार्क, निम्बेसिडिन, नीम गार्ड आदि का प्रयोग इल्ली के लिये प्रतिकूल तथा परजीवी कीटों और वातावरण के लिये सुरक्षित होता है। निम्बोली के सत का 5 प्रतिशत घोल इल्ली को नियंत्रित करने में अत्यंत प्रभावशाली पाया गया है तथा यह एक सस्ता तथा सुरक्षित उपाय है। निम्बोली से सत निकालने के लिये सूखी निम्बोलियों को ओखली में खूब बारीक कूट लें और एक कपड़े में पोटली बनाकर शाम को पानी में भिगो दें। सुबह पोटली को दबाकर सफेद दूधिया रस निकालकर शेष पदार्थ को फैंक दें। उपलब्ध घोल में 1 प्रतिशत साबुन चूरा या डिटरजेंट पाउडर मिलाकर प्रति लीटर पानी में 5 मि.ली. नीम सत का घोल बनाकर छिड़काव करने से चने की इल्ली का प्रभावी नियंत्रण होता है।

यदि रसायनिक कीटनाशक का उपयोग आवश्यक हो तो इण्डोसल्फान 35 ई.सी. दवा की एक लीटर मात्रा या क्विनालफॉस 25 ई.सी. दवा की एक लीटर मात्रा या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. दवा की 2 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से छिड़कें। असिंचित चने में पानी की मात्रा प्रति हेक्टर 500 लीटर तथा सिंचित फसल में पानी की मात्रा 750 लीटर प्रति हेक्टर रखें. उपरोक्त रसायनों में से किसी एक का छिड़काव यंत्र की सहायता से छिड़कें। यदि घोल बनाने के लिये पानी की उपलब्धता न हो तो कीटनाशी चूर्ण का प्रयोग करना चाहिए। इसके लिये फेनवेलरेट 0.4 प्रतिशत चूर्ण या मिथाईल पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण या इण्डोसल्फान 4 प्रतिशत चूर्ण में से किसी एक चूर्ण का 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव यंत्र की सहायता से भुरकाव करें।

अधिक प्रकोप होने की स्थिति में प्रोफेनोफॉस तथा सायपरमेथ्रिन 44 ई.सी. कीटनाशक मिश्रण की एक लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से छिड़कें।

सावधानी

रसायनिक कीटनाशक जहरीले होते हैं अत: पर्याप्त सावधानी तथा सुरक्षा अपनाते हुए इनका उपयोग करें। ध्यान रहे चने की इल्ली की छोटी अवस्था में ही उसका नियंत्रण करना आसान तथा लाभदायक होता है। जब इल्ली अधिक संख्या में होती है और बड़ी अवस्था में आती है तभी कृषकों का ध्यान उसके नियंत्रण की ओर जाता है। बड़ी अवस्था की इल्ली का नियंत्रण अपेक्षाकृत दुष्कर कार्य है क्योंकि इस अवस्था की इल्ली में छोटी इल्ली की अपेक्षा कीटनाशी प्रतिरोधकता अधिक होती है तथा मरने के पूर्व वह फसल में काफी हानि कर चुकी होती है। अत: नियमित फसल निगरानी आवश्यक है।

सदाबहार सुरजना (मुनगा) लगायें

प्रकृति का चमत्कार ही है कि उसने सहजन या सुरजना की फली के वृक्ष को इतनी विशेषताएं प्रदान की हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी प्राकृतिक जैव विविधता को पहचाने और उसके संवर्द्धन की दिशा में उचित प्रायस करें।

हमारी हवा, पानी, मिट्टी अब आगे और खराब न हों, खेतों की मिट्टी अधिक समय तक उपजाऊ बनी रहे यह आज की एक गंभीर समस्या है। मिट्टी को उर्वर बनाए रखने के लिये रासायनिक खाद व कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का कम उपयोग करना होगा। जैविक खेती पर ज्यादा जोर देना होगा। कोशिश करना होगी कि खेती पर ऊर्जा की निर्भरता कम हो। किसानों को भी अच्छी गुणवत्ता वाला स्वास्थ्यरक्षक ईंधन उपलब्ध हो। पशुओं को बढ़िया पौष्टिक चारा मिले और किसानों की आर्थिक आजादी हो, परंतु ये सब होगा कैसे? वर्तमान अंधकारमय परिदृश्य में आशा कि एक किरण नजर आती है। यह सब संभव है। केवल एक पेड़ के समुचित प्रबंध से इसका नाम है सहजन जिसे हम सुरजने के नाम से जानते हैं। मुनगा भी यही है और मोरिंग भी. इसकी लम्बी ड्रमस्टिक के नाम से जानी जाने वाली फलियों को सब्जी के रूप में सदियों से उपयोग में ला रहे हैं। परंतु इसके अन्य अद्भुत गुणों से अनजान हैं। यह पूरा पेड़ बड़ा चमत्कारी है। इससे देश के किसान विशष कर छोटे किसानों की किस्मत का ताला खुल सकता है।

सुरजने की पत्तियां और टहनियां पशुओं के लिये पौष्टिक चारा है। बीज बोने के पूर्व यदि सुरजने की पत्तियों को खेत में मिलाएं तो उससे जड़ों में लगने वाले सड़न और गलन रोग से मुक्ति मिलती है।

इसकी पत्तियों का रस फसलों के लिये बेहतर टॉनिक का काम करता है। इसकी पत्तियों के रस के छिड़काव से फसलों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक बढ़ता है। इसके पौधों को खेत में हरी खाद के साथ में मिलाया जा सकता है। यह प्राकृतिक खाद का काम करता है। सुरजने की पत्तियों से प्रदूषण रहित स्वच्छ बायो गैस बनाई जा सकती है। इसका उपयोग मिश्रित खेती में भी किया जा सकता है। क्योंकि इस पेड़ से छाया नहीं होती और उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन युक्त जीवांश मिलता है। इसके बीजों के चूर्ण को शहद साफ करने के काम में लाया जाता है। गन्ने के रस को साफ करने में भी इसका उपयोग किया जाता है।

इस पर फूलों की बड़ी बहार आती है, जिसमें मकरन्द अधिक मात्रा में होता है। अत: इसका उपयोग शहद उत्पादन में भी होता है। बीजों से खाद्य तेल निकलता है, जो गुणवत्ता में ओलिव ऑयल (अलसी का तेल) के समान है। बीजों में 40 प्रतिशत तक तेल पाया गया है। बीजों के चूर्ण का उपयोग गंदे पानी को शुद्ध करने में भी किया जाता है। यह फिटकरी के मुकाबले पानी को ज्यादा साफ करता है। साथ ही बैक्टीरिया को हटाता है। मलावी और अफ्रीका में इसके बीजों से बड़े पैमाने पर पानी साफ किया जा रहा है। यही नहीं इसके बीजों से पानी का ठोसपन भी कम होता है।

इनके अलावा इसका गूदा अखबारी कागज बनाने के काम भी लाया जा सकता है। छाल से रस्सियां बनाने के लिये उम्दा किस्म का रेशा प्राप्त होता है।

फलियां बेचकर आर्थिक आय तो प्राप्त की ही जा सकती है। इसकी पत्तियां, फूल, फल, बीज ओर तो ओर छाल सभी कुछ उपयोगी है. इसके इन्हीं गुणों को ध्यान में रखकर इसे मूरे में अरजन टिगा कहा जाता है। जिसका अर्थ है स्वर्ग का पेड़। तो अब स्वर्ग के इस पेड़ को खेतों की मेढ़ों पर, सड़क के किनारे खाली पड़ी जमीन पर लगाया जा सकता है और साथ ही हम पा सकते हैं उत्तम स्वास्थ्य, बढ़िया पशुधन ढेर सारा पैसा और बोनस के रूप में स्वच्छ पर्यावरण एवं टिकाऊ विकास।

कद्दूवर्गीय सब्जियां और कीट- बीमारियां

हमारे देश में मुख्य रूप से लौकी, करेला, कद्दू, खीरा, तरबूज, खरबूज, घीया, टिण्डा, परवल को ग्रीष्म व वर्षाऋतु में उगाते हैं. इन सब्जियों पर रोग व कीड़ों के आक्रमण से काफी नुकसान होता है यदि इन व्याधियों को समय पर नियंत्रित कर दिया जाये तो उत्पादन को 15-20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है. कद्दूवर्गीय सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोग कीट व उनका नियंत्रण इस प्रकार किया जा सकता है.

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख कीट

कद्दू का लाल गिडार

लाल रंग का उड़ने वाला यह कीट शिशु पौधों की पत्तियों को खाकर छलनी जैसे छिद्र कर देता है जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है फलों में भी यह छेदकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ई.सी. या ऐसीफेट 75 एस.पी. के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करना चाहिए.

फलवेधक मक्खी

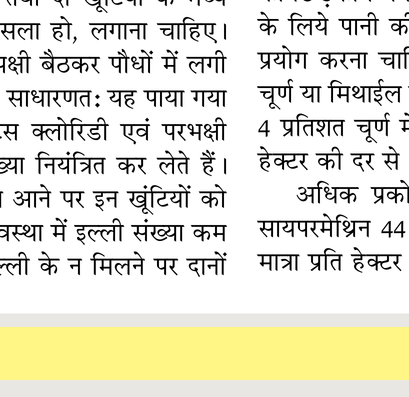

कीट का मैगट फलों एवं बेलों को खाते हैं जिससे बेल में गांठे बन जाती हैं. मादा मक्खी अपने अंडरोपक की सहायता से फलों की ऊपरी सतह में छिद्र करने के पश्चात अंडरोपण करती है जिससे वहां फल की सतह के ऊपर रस जमकर एक भूरे रंग का धब्बा बन जाता है और अंत में फल सड़ जाते हैं. कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान या डाइमिथियेट 30 ई.सी. का 0.1 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करना चाहिए.

माहू

इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों पत्तियों से रस चूसकर उन्हें कमजोर करते हैं साथ ही विशेष प्रकार का मधुस्राव पत्तियों पर छोड़ते हैं जिस पर बाद में फफूंद लग जाने से वह स्थान काला रंग का हो जाता है. यह कीट मोजेक रोग को रोगी पौधे से स्वस्थ पौधे तक फैलाते हैं नियंत्रण हेतु ऑक्सीडिमेटान मिथाइल 25 ई.सी. अथवा डाइमिथियेट 30 ई.सी. 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये.

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख रोग

चूर्णीफफूंद या भभूतिया रोग- इस रोग का प्रकोप मुख्य रूप से खीरा, लौकी, खरबूज में होता है. रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों की निचली सतह पर गोल-गोल सफेद धब्बे बनते हैं तथा रोग के उग्र होने पर ये धब्बे भूरे हो जाते हैं, पत्तियां सिकुड़ जाती हैं और पत्तियों की ऊपरी सतह पर सफेद चूर्ण बिखरा रहता है, बाद में पत्तियां सड़ जाती हैं आर्द्र व ऊष्ण जलवायु में यह रोग अधिक लगता है रोग नियंत्रण हेतु कवकनाशी-केराथेन 0.5 प्रतिशत अथवा सल्फेक्स 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मृदुरोमिल आसिता

लौकी, खीरा, खरबूज, करेला आदि में सर्वप्रथम पत्तियों के ऊपरी सतह पर पीले धब्बे बनते हैं तथा निचली सतह पर रूई जैसी वृद्धि दिखाई देती है. रोग नियंत्रण हेतु 0.3 प्रतिशत का छिड़काव 10 दिन के अंतर से करना चाहिए.

आल्टरनेरिया झुलसन रोग

आल्टरनेरिया झुलसा रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं जो बाद में संख्या व आकार में बढ़कर मिलकर पूरी पत्ती को झुलसा देते हैं. नियंत्रण हेतु मेंकोजेब 0.3 प्रतिशत अथवा कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मोजेक

विषाणुजनित इस रोग में पत्तियों पर पीलापन, सिकुड़न, इंटरनोड का छोटा होना प्रदर्शित होता है इस रोग का संचरण माहू नामक कीट द्वारा होता है रोग से बचाव हेतु वाहक कीट का नियंत्रण आवश्यक है. अत : ऑक्सी मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. या डाईमिथियेट 30 ई.सी. 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें. प्रारंभिक अवस्था में रोगित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करना चाहिए.

जेलर 2 से क्लैश नहीं करेगी ओम, धनुष ने पोस्टपोन की अपनी फिल्म, वजह भी बताई

तमिल एक्टर धनुष ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओम को पोस्टपोन कर दिया है. एक्टर ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर ये जानकारी दी. उन्होंने इस दौरान फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने की वजह का भी खुलासा किया. जानते हैं आखिर 'ओम को पोस्टपोन क्यों किया गया है. धनुष ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, ऐसे समय में, किसी फिल्म की रिलीज डेट बदलना अपने आप में एक चुनौती भरा काम है. हमारे सुपरस्टार रजनीकांत सर जिन्हें हम सभी सालों से पसंद करते और पूजते आए हैं, उनकी फिल्म हमारी फिल्म से ठीक एक दिन पहले, 15 अक्टूबर को रिलीज़ हो रही है. उनके प्रति गहरे सम्मान के कारण, हमने अपनी फिल्म 'ओम की रिलीज को आगे बढ़ाने का फैसला किया है. साथ ही, हम इस साल दिवाली पर भी फिल्म रिलीज़ नहीं करेंगे, क्योंकि उसी तारीख के लिए सूर्या सर की फिल्म की घोषणा पहले ही हो चुकी है. उन्होंने आगे कहा, सही बात तो यह है कि उन्होंने अपनी तारीख पहले ही बता दी थी. हमारा मानना है कि बड़ी फिल्मों के मामले में आपसी समझ होनी चाहिए और सिनेमा व इंडस्ट्री के भले के लिए एक-दूसरे के फैसलों का सम्मान करना चाहिए. हम अपनी फिल्म की नई रिलीज डेट बहुत जल्द बताएंगे. ओम – चैप्टर 1: उधिरम – द ब्लड वुड एक एक्शन ड्रामा फिल्म है जिसमें धनुष मुख्य भूमिका में हैं और ममूटी, साई पल्लवी, श्रीलीला और नसीरुद्दीन शाह भी अहम किरदारों में नजर आएंगे. साई अभ्यंकर ने इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर तैयार किए हैं. यह फिल्म दो हिस्सों वाली फ्रैंचाइजी का पहला पार्ट होगी. खबरों के अनुसार, यह फिल्म 3 दिसंबर, 2026 को रिलीज हो सकती है, क्योंकि प्रभास की फिल्म फौजी की रिलीज को 2027 तक टाल दिया गया है. धनुष जल्द ही डायरेक्टर तमिलरासन पचामुथु के साथ एक एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं. फिलहाल डी56 नाम से जानी जा रही इस फिल्म में एक्टर एक हिंसक अवतार में नजर आ सकते हैं. हालांकि, इस प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है. इसके अलावा, एक्टर ने अपने अगले प्रोजेक्ट तमिल मुरुगन की भी घोषणा की है, जिसे वेट्रिमारन डायरेक्ट करेंगे. तमिल सिनेमा के मशहूर एक्टर धनुष ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म 'ओम – चैप्टर 1: उधिरम – द ब्लड वुड' की रिलीज को टाल दिया है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर एक पोस्ट साझा करके दी।

धनुष ने फिल्म पोस्टपोन करने के पीछे की मुख्य वजह का खुलासा करते हुए बताया कि सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म उनकी तय रिलीज डेट से ठीक एक दिन पहले, 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आ रही है। रजनीकांत के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए धनुष ने अपनी फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला लिया। इसके अलावा, उन्होंने दिवाली पर भी फिल्म रिलीज करने से इनकार किया, क्योंकि उस दौरान एक्टर सूर्या की फिल्म पहले से ही शेड्यूल्ड है। धनुष का मानना है कि इंडस्ट्री और सिनेमा के हित में सभी को एक-दूसरे के फैसलों और रिलीज डेट्स का सम्मान करना चाहिए।

संभावना जताई जा रही है कि यह फिल्म 3 दिसंबर, 2026 को रिलीज हो सकती है। दो भागों वाली इस फ्रेंचाइजी में धनुष के साथ ममूटी, साई पल्लवी, श्रीलीला और नसीरुद्दीन शाह जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ईशा मालवीय का बड़े पर्दे पर पदार्पण, गुरमीत चौधरी के साथ 'तुम मेरे हो में आएंगी नजर, प्रेम-कहानी के साथ रोमांच और साहस

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा मालवीय अब बड़े पर्दे पर अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। लोकप्रिय टेलीविजन कार्यक्रम 'बिग बॉस 17 से चर्चा में आईं ईशा की पहली फिल्म 'तुम मेरे हो का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। फिल्म में उनके साथ अभिनेता गुरमीत चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ईशा ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए इसकी जानकारी दी।

फिल्म के पोस्टर में ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी के बीच रोमांटिक अंदाज दिखाई दे रहा है। पोस्टर सामने आने के बाद दोनों कलाकारों के प्रशंसकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है। 'तुम मेरे हो को एक रोमांटिक प्रेम-कहानी के साथ-साथ कार्रवाई और रोमांच से भरपूर फिल्म बताया गया है। फिल्म में प्रेम और रिश्तों की कहानी के साथ साहसिक घटनाक्रम भी देखने को मिलेगा। निर्माताओं के मुताबिक, फिल्म दर्शकों को भावनात्मक जुड़ाव के साथ मनोरंजन का भी अनुभव कराएगी। फिल्म का निर्माण रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। आरती एस और गुरमीत चौधरी की पत्नी एवं अभिनेत्री देबिना बनर्जी फिल्म की निर्माता हैं। 'तुम मेरे हो के जरिए ईशा मालवीय हिंदी सिनेमा में कदम रख रही हैं। फिल्म में गुरमीत चौधरी उनके सह-कलाकार होने के साथ ही इस परियोजना से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं। फिल्म के पोस्टर में दोनों की जोड़ी को रोमांटिक अंदाज में पेश किया गया है। टेलीविजन से लोकप्रियता हासिल करने के बाद ईशा के बड़े पर्दे पर पदार्पण को लेकर उनके प्रशंसकों में खासा उत्साह है। फिल्म के आधिकारिक ऐलान और पहला पोस्टर सामने आने के बाद दर्शक अब इसकी कहानी और दोनों कलाकारों की जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी 'तुम मेरे हो 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के जरिए ईशा मालवीय अपने फिल्मी सफर की शुरुआत करेंगी, जबकि गुरमीत चौधरी उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

थलापति विजय के बेटे जेसन संजय की फिल्म सिग्मा का ट्रेलर रिलीज, संदीप किशन दिखे दमदार अंदाज में, 2 अक्टूबर को होगी रिलीज

जेसन विजय की पहली निर्देशित फिल्म 'सिग्मा को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के बेटे जेसन विजय इस फिल्म के जरिए निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म में अभिनेता संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं और इसे 2 अक्टूबर 2026 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म के गीतों और टीजर को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर में संदीप किशन और फियारा अब्दुल्ला प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। कहानी में पैसे की चोरी की घटनाओं को केंद्र में रखा गया है, जिसके इर्द-गिर्द रोमांच और घटनाक्रम आगे बढ़ता दिखाई देता है। ट्रेलर में संदीप किशन ने अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। उनके हाव-भाव और भावनात्मक दृश्यों में विविधता नजर आती है। वहीं, फियारा अब्दुल्ला ने रेडियो प्रस्तोता 'आरजे सारा की भूमिका में अपनी सहज मौजूदगी से ध्यान आकर्षित किया है। दोनों कलाकारों की जोड़ी और उनके बीच दिखाई गई घटनाएं फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता पैदा करती हैं। फिल्म के पृष्ठभूमि संगीत और छायांकन को भी ट्रेलर में खास महत्व दिया गया है। संगीत निर्देशन की जिम्मेदारी थमन ने

संभाली है, जबकि कृष्णन वसंत ने फिल्म का छायांकन किया है। संपादन प्रवीण के.एल. ने किया है। ट्रेलर में दृश्य संयोजन और पृष्ठभूमि संगीत कहानी के रोमांच को बढ़ाते नजर आते हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले सुबास्करन ने बड़े स्तर पर किया है। फिल्म में संदीप किशन और फियारा अब्दुल्ला के अलावा राजू सुंदरम, संपत राज, शिव पंडित, अनबु थसन और योग जापी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'सिग्मा जेसन विजय के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म है। मुख्यमंत्री विजय के बेटे होने के कारण फिल्म की घोषणा के समय से ही इस पर विशेष नजर बनी हुई है। गीतों और टीजर के बाद अब ट्रेलर जारी होने से फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ी है। निर्माताओं ने फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने की तैयारी की है। 'सिग्मा 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

बॉक्स ऑफिस पर हनुमान अंश ने 49 दिन मारी छलांग, पहुंची 300 करोड़ के करीब, 'मिर्जापुर द मूवी भी 200 करोड़ के पार

निर्देशक डॉ. विशाल चतुर्वेदी की फिल्म 'हनुमान अंश भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने की ओर बढ़ रही है। नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित इस फिल्म ने सिनेमाघरों में 49 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म ने अब तक भारत में 288.33 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई कर ली है। दुनियाभर में फिल्म का कुल सकल कारोबार 377.05 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें विदेशों से हुई 36.50 करोड़ रुपये की सकल कमाई भी शामिल है। फिल्म की शुरुआत सिनेमाघरों में अपेक्षाकृत धीमी रही। पहले दो सप्ताह में इसकी कमाई सीमित रही, लेकिन तीसरे सप्ताह में फिल्म के कारोबार में अचानक तेजी आई। दर्शकों के बीच फिल्म की चर्चा बढने के साथ ही इसकी कमाई में भी लगातार इजाफा देखने को मिला। शुरुआती दौर में करीब 1.48 करोड़ रुपये की दैनिक कमाई करने वाली फिल्म बाद में 10 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने में सफल रही। चौथे सप्ताह में भी फिल्म ने अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। महज तीन दिनों में फिल्म ने 28.25 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। फिल्म में शोभिनव सत्या और

चंदन आनंद ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। भावनात्मक कहानी और कलाकारों के प्रभावी अभिनय को दर्शकों की ओर से पसंद किया गया है। फिल्म की कहानी ने अलग-अलग आयु वर्ग के दर्शकों को प्रभावित किया है, जिसका असर इसके लंबे समय तक बने कारोबार पर दिखाई दे रहा है। वहीं, 'मिर्जापुर द मूवी भी बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये के कारोबार का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म ने गुरुवार को 21वें दिन 1.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे एक दिन पहले 20वें दिन फिल्म ने 1.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म का कुल शुद्ध घरेलू कारोबार अब 223 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 'हनुमान अंश और 'मिर्जापुर द मूवी दोनों ही फिल्मों ने लंबे समय तक सिनेमाघरों में दर्शकों की रुचि बनाए रखी है और लगातार कमाई कर रही हैं।

राजकुमार राव ने कौन बनेगा करोड़पति में दीवार का आइकॉनिक सीन रीक्रिएट कर जीता अमिताभ का दिल

हाल ही में फिल्म टोस्टर में अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने वाले अभिनेता राजकुमार राव ने क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर एक ऐसा पल रच दिया, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने महानायक अमिताभ बच्चन की प्रतिष्ठित फिल्म दीवार के मशहूर मंदिर वाले मोनोलॉग सीन को रीक्रिएट कर दर्शकों और खुद अमिताभ बच्चन का दिल जीत लिया। राजकुमार राव शो के नए एपिसोड में अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ पहुंचे थे, और इसी दौरान उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। जैसे ही अमिताभ बच्चन ने लाइट, साउंड, कैमरा, एक्शन कहा, राजकुमार राव ने सीधे उनके सामने विजय के मशहूर डायलॉग को अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली भाव-भंगिमाओं के साथ पेश किया। राजकुमार ने कहा, आज खुश तो बहुत होगे तुम जो इंसान कभी तुम्हारी सीढ़ियां नहीं चढ़ा, जिसने कभी तुम्हारे सामने सिर नहीं झुकाया, जिसने कभी तुम्हारे सामने हाथ नहीं फैलाए, आज वो तुम्हारे सामने हाथ फैलाए खड़ा है। खुश तो बहुत होगे तुम। यह

मोनोलॉग हिंदी सिनेमा के इतिहास में सबसे यादगार और प्रभावशाली दृश्यों में से एक है, जो दशकों से दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है। दीवार हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित और 1970 के दशक की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक है, जिसने अमिताभ बच्चन को एक सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया था। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने विजय वर्मा की भूमिका निभाई थी, जो गरीबी, अपमान और अपने पिता के कर्मों के परिणामों के बीच बड़ा होता है, और फिर अपराध की दुनिया में कदम रखकर ताकतवर तथा अमीर बन जाता है।

अनिल कपूर ने अपने गेम शो पर खोला कपूर परिवार का राज़: "खाने से ज़्यादा मज़ा खिलाने में है!

कपूर परिवार हमेशा से ही खाने के प्रति अपने प्यार और दूसरों को दिल से खाना खिलाने की खुशी के लिए जाना जाता है। कुछ ऐसा ही भाव *'इंडिया के टॉप 1% – द अनिल कपूर शो'* में भी देखने को मिला, जब कंटेस्टेंट निशांत ने बताया कि अगर वह 1 करोड़ जीतते हैं, तो वह उसका क्या करेंगे। निशांत ने बताया कि वह सबसे पहले अपना होम लोन चुकाएंगे और उसके बाद एक रेस्टोरेंट खोलेंगे। उन्होंने कहा, *"मुझे खाना बनाना नहीं आता, लेकिन मुझे लोगों को खिलाना बहुत पसंद है।"* निशांत की इस बात ने अनिल कपूर को तुरंत कृष्णा कपूर, श्री राज कपूर की पत्नी और उनके लिए मां समान रहीं कृष्णा आंटी की याद दिला दी। उनकी गर्मजोशी और मेहमाननवाज़ी को

याद करते हुए अनिल ने बताया कि कैसे वह डाइनिंग टेबल पर बैठे हर व्यक्ति का बेहद प्यार से ख्याल रखती थीं। वह बार-बार पूछती थीं कि सभी ने पर्याप्त खाना खाया या नहीं और अलग-अलग पकवान चखने के लिए भी प्रोत्साहित करती थीं। *कृष्णा कपूर को याद करते हुए अनिल कपूर ने कहा, *"कृष्णा आंटी मेरी मम्मी की बेस्ट फ्रेंड थीं, ऋषि और रणधीर कपूर जी की मदर थीं और मेरे लिए मां समान थीं। मैंने अपनी ज़िंदगी में उनसे बेहतर होस्ट नहीं देखा। वह बड़े दिल और प्यार से सबको खाना खिलाती थीं। खिलाने में जो मज़ा है ना, मुझे लगता है वह खाने में भी नहीं है। इसीलिए कहते हैं, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है।"** अनिल की यह बात उस पल को खाने, परिवार और किसी को अपनेपन से खाना खिलाने में छिपे प्यार की एक भावुक याद में बदल देती है। निशांत के सपने से शुरू हुई यह बातचीत जल्द ही परिवार, खाने और लोगों को अपनेपन का एहसास कराने वाली गर्मजोशी भरी यादों में बदल गई।

'इंडिया के टॉप 1% – द अनिल कपूर शो' देखें और Play Along करें, हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, स्टार प्लस और JioHotstar पर।

एशियाई खेल : महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने भी स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा

एजेंसी, नगोया

एशियाई खेलों में शनिवार को भारतीय महिला टीम के बाद पुरुष कबड्डी टीम ने भी स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय प्रशंसकों को खुशी का दोहरा अवसर दिया है। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल मुकाबले में ईरान को 40-34 से हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में ईरान को हराकर 9वीं बार इन खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले भारत की महिला टीम ने भी ईरान की टीम को ही 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब भारत के एशियाई खेलों में 4 स्वर्ण सहित कुल 28 पदक हो गए हैं और पदक तालिका में भारतीय टीम 12वें से 10वें नंबर पर पहुंच गयी है।

भारतीय पुरुष टीम के खिलाड़ियों ने पहले हाफ में पीछे होने के बाद दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। भारतीय टीम ने ईरानी टीम को ऑलआउट कर बढ़त हासिल की। मैच समापत होने में जब 10 मिनट का समय बचा था तब भारतीय टीम ने ईरान पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। ईरानी टीम भारत की वापसी से दबाव में आ गयी। भारतीय टीम ने इसके बाद बढ़त को मजबूत करते हुए ईरान पर दबाव बना दिया। खिताबी मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। मैच की शुरुआत में ईरान ने आक्रामक खेल दिखाते हुए दबाव बनाया पर भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने . मुश्किल समय में बेहतरीन सुपर टैकल के बल पर अंक हसिल कर ईरान पर बढ़त बनाई। इसके बाद ईरानी खिलाड़ियों ने भी आक्राम रुख अपनाते हुए भारतीय टीम को ऑलआउट कर 14-13 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय टीम ने ने वापसी के प्रयास जारी रखे हालांकि पहला हाफ समापत होने तक ईरान 18-17 से हलकी बढ़त बना ली। भारतय टीम ने इससे पहले सेमीफाइनल में थाईलैंड को हराकर फाइनल में जगह बनायी थी।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 के बड़े अंतर से हराया था। मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाना बनाते हुए शुरुआती पांच मिनट के भीतर ही 7-1 की बढ़त बना ली थी। इस बाद थाईलैंड के धीरादत चाईसित ने कुछ अच्छे प्रयास कर टीम की वापसी के लिए ताकत लगायी। धीरादत ने एक शानदार रेड में तीन अंक हासिल कर भारत को ऑल-आउट कर दिया और अंकों के अंतर को 14-23 तक ला दिया। धीरादत हालांकि पूरी तरह से सफल नहीं रहे और भारतीय टीम ने अपनी लय बनाये रखी। हाफ-टाइम तक भारतीय टीम ने 37-18 से बढ़त बनाए रखी. मैच का दूसरा हाफ पूरी तरह से भारत के नाम रहा। . मुकाबले में 11 मिनट शेष रहते ही भारत ने 50 अंकों का आंकड़ा पार कर करते हुए मुकाबला 66-28 से जीत लिया।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने खिलाड़ियों की अनुबंध फीस घटायी

एजेंसी, जमैका

क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुबंध फीस 25 फीसदी कम कर दी है। बोर्ड के अनुसार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सालाना अनुबंध मिलता रहेगा पर उनकी तय फीस पहले के मुकाबले 25 फीसदी कम होगी। वहीं घरेलू खिलाड़ियों को भी अब सात महीने को ही अनुबंध मिलेगा। पैसे की कमी के कारण ही बोर्ड ने पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताएं रोक दी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस डियरिंग ने कहा कि खिलाड़ियों और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन ने वर्तमान हालातों को समझते हुए सहयोग किया है। उन्होंने माना कि फीस में कटौती सही नहीं कही जा सकती पर इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

बोर्ड के अनुसार पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताओं को इसलिए आयोजित नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि इन्हें आयोजित करने पर काफी खर्च आता है। गौरतलब है कि सुपर50 वेस्टइंडीज की पुरुष एकदिवसीय टीम तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अहम मंच रहा है। ऐसे में इसका रुकना विकास और चयन प्रक्रिया पर भी असर डाल सकता है। वहीं अनुबंध राशि कम होने से टीम के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी लीग की तरह भाग सकते हैं। पहले ही उसके कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर दुनिया भर की लीग में खेलते हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को फरवरी-मार्च 2027 में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी। अब बोर्ड का कहना है कि उसका ध्यान पुरुष टीम को इस क्वालीफायर के लिए तैयार करने पर रहेगा।क्रिस डियरिंग के मुताबिक, घरेलू क्रिकेट व्यवस्था पर यात्रा, होटल, मैच और आयोजन से जुड़ा खर्च लगातार बढ़ता गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में केवल घरेलू विमान सेवाओं पर 80 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च किए गए हैं। बोर्ड का कहना है कि मौजूदा आर्थिक दबाव में इस तरह का खर्च उठाना संभव नहीं है।

टेस्ट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल

एजेंसी, मुम्बई

टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनने वाले विश्व के पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल है। इस विशिष्ट सूची में भारत के सचिन तेंदुकर और राहुल द्रविड़ के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के जैक कालिस और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिग व इंग्लैंड के जो रुट भी शामिल हैं। सबसे पहले ये उपलब्धि सचिन ने हासिल की थी। सचिन को इस आंकड़े तक पहुंचने में 20 साल और 63 दिन का समय लगा था। उन्होंने साल 2010 में बांग्लादेश के खिलाफ 163 वें टेस्ट मैच की

266वीं पारी के दौरान सबसे तेजी से 13,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 2 जनवरी 2013 को न्यूजीलैंड के खिलाफ केप टाउन में यह उपलब्धि हासिल की। अपने डेब्यू के 17 साल और 19 दिन बाद, 159वें मैच की 269वीं पारी में कैलिस ने 13,000 रनों का आंकड़ा पार किया। इस प्रकार उन्होंने 13000 तक पहुंचने के लिए सचिन से केवल 3 पारियां अधिक खेली।

इसी सूची में तीसरा नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तानो रिकी पोंटिंग को है। पोंटिंग ने . 24 जनवरी 2012 को भारत के खिलाफ एडिलेड ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर अपने 13,000 रन 162वां मैच की 275वीं पारी में पूरे किये। अपने डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 16 साल और 47 दिन का समय लगा।

स्मिथ सहित ये दिग्गज बल्लेबाज शुरुआत में करते थे गेंदबाजी

एजेंसी, सिडनी। विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ सहित कुछ क्रिकेटर ऐसे भी है जो अपने करियर की शुरुआत में गेंदबाजी करते थे पर संयोग से बल्लेबाज बन गये। किस्मत से बल्लेबाज बने ये खिलाड़ी बेहद सफल रहे और आज इनकी गिनती दिग्गज बल्लेबाजों में होती है। स्मिथ की बात करें तो वह अपने करियर की शुरुआत में मुख्य रूप से एक लेग-स्पिनर थे। वह निचले क्रम में थोड़ी-बहुत बल्लेबाजी कर लेते थे। साल 2010 में जब उनका अंतरराष्ट्रीय डेब्यू हुआ, तब वह आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते थे. बाद में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी तकनीक पर कड़ी मेहनत की और आज स्मिथ दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या ने भी अपने करियर की शुरुआत एक स्पिन गेंदबाज के रूप में की थी और निचले क्रम में वह केवल तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। सन 1989 में डेब्यू के बाद कई सालों तक वह सातवें या आठवें नंबर पर आते थे और टीम में उनका मुख्य काम कसी हुई गेंदबाजी कर रन रोकना और विकेट लेना था पर साल 1995-96 के दौरान श्रीलंकाई टीम प्रबंधन और कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने उन्हें वनडे में ओपनिंग करने भेजा. यहीं से जयसूर्या एक आक्रमक सलामी बल्लेबाज के रूप में उभरकर सामने आए।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के

दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी।माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं।

बिजनेस

एनटीपीसी, ईडीएफ ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए किया समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एकीकृत सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड और ईडीएफ पावर सॉल्यूशंस इंडिया ने भारत में पंप्ड स्टोरेज, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, स्वामित्व तथा संचालन के लिए साझेदारी की है।

एनटीपीसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों कंपनियों के बीच 50:50 का एक संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाया गया है। यह संयुक्त उद्यम भारत और पड़ोसी देशों में परियोजनाओं पर काम करेगा। इस समझौते पर 25 सितंबर को एनटीपीसी के चेयरमैन गुरदीप सिंह और ईडीएफ एसए के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बर्नार्ड फोंटाना

की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं। बिजली कंपनी ने बताया कि इस रणनीतिक साझेदारी के तहत एनटीपीसी लिमिटेड और फ्रांस की बिजली कंपनी ईडीएफ की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई ईडीएफ पावर सॉल्यूशंस मिलकर कम कार्बन उत्सर्जन वाले बिजली संयंत्रों के विकास, निर्माण और संचालन के साथ-साथ ग्रिड की स्थिरता को बढ़ाने वाले समाधानों तथा पारेषण परिसंपत्तियों पर काम करेंगी। एनटीपीसी लिमिटेड ने कहा कि यह साझेदारी भारत के 2036 तक पंप्ड स्टोरेज (भंडारण) परियोजनाओं की 100 गीगावाट स्थापित क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

- घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन और पीएमआई आंकड़े करेंगे प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादनके आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भरा रहेगा, जिससे बाजार में सावधानी और उतार-चढ़ाव दोनों देखने को मिल सकते हैं।

अनमोल इंडस्ट्रीज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास फाइल किया डीएचआरपी

एजेंसी, नई दिल्ली

कोलकाता स्थित बिस्कुट और बेकरी ब्रांड अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार कोलकाता स्थित बिस्कुट और

बेकरी ब्रांड अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 5 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में कोई भी नया शेयर (फ्रेश इश्यू) जारी नहीं किया जाएगा। अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मुताबिक यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधारित होगा। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,800 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी में लगभग 84 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला बैजनाथ चौधरी एंड फैमिली ट्रस्ट ही इसमें एकमात्र सेलिंग शेयरहोल्डर है। प्रमोटर बैजनाथ चौधरी और फैमिली ट्रस्ट के द्वारा 1,800 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर-फॉर-सेल) की जाएगी। कंपनी को इससे कोई नया फंड नहीं मिलेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2009 में बनी यह कंपनी भारत में ब्रांडेड पैकेज्ड फूड्स कंपनी है, जो एस्पिरेशनल और प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर फोकस करती है।

भारत 10 फीसदी से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर कर सकता है हासिलः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली/बेंगलुरु

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत 10 फीसदी से ज्यादा की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार को बड़े पैमाने पर अपनाने की जरूरत पर बल दिया।

सीतारमण ने आईआईटी मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा यहां आयोजित एक फायरसाइड चैट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि ज्यादा इकोनॉमिक ग्रोथ से देश की आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की यात्रा को तेज करने में मदद मिलेगी लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इसके लिए सभी पक्षों की ओर से "बहुत ज्यादा कोशिश" की जरूरत होगी। वित्त मंत्री ने कहा, "10 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर हासिल करना संभव है और मैं यह बात केवल आप सभी का उत्साह बढ़ाने के लिए नहीं कह रही हूं। यह वास्तव में संभव है।" मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम 2026' कार्यक्रम में प्रो. राजीव श्रीनिवासन

के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने साल 2015 के बाद से स्टार्टअप के तेजी से हुए विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि वे आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। सीतारमण ने कहा, "हमारे यहां नकारात्मक बातें करने वालों की कमी नहीं है। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें भारत के विफल होने पर परोक्ष रूप से खुशी मिलती है। हम कतई ऐसा बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। हमें ऐसे लोगों को सकारात्मक सोचने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है।" कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की भूमिका को रेखांकित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि तकनीकी हस्तक्षेपों ने उत्पादकों को बाजारों से जोड़ने और उत्पादकता में सुधार लाने में मदद की है। सीतारमण ने फसल की कटाई में तेजी लाने और अगली फसल के लिए जमीन तैयार करने में तकनीक के इस्तेमाल का उदाहरण दिया। वित्त मंत्री ने आईआईटी मद्रास पूर्व छात्रसंघ के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन भूखंडों के सटीक मानचित्रण के लिए ड्रोन के उपयोग का जिक्र किया, जिनका पहले केवल हाथों से सर्वेक्षण किया जाता था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।